जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

"Bol Chhatrapati Shivaji Maharaj ki Jai"

A withdrawal was ordered. However, as the enemy had blocked all routes, our troops were cut off and the commanding officer, four other officers, two JCOs and 20 OR were taken prisoners

Aizawl Unlocked

A Historic Milestone: Mizoram's Capital Aizawl now connected by Indian Railways

राहुल ने प्रणीति शिंदे, इमरान प्रतापगढ़ी व कुणाल चौधरी को बिहार की स्क्रीनिंग कमेटी का सदस्य बनाया

पर क्या युवा, उत्साही और विश्वासपात्र होना ही पर्याप्त है, यह निर्णय लेने के लिए कौन उपयुक्त है, चुनाव लड़ने के लिए

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। एक तरफ विपक्ष आरोप लगा रहा है कि बिहार में भाजपा व एनडीए गठबंधन को लाभ पहुँचाने के लिए लगभग 70 लाख वोटरों को वोट देने के अधिकार से वंचित किया गया है। वहीं, आरजेडी के तेजस्वी यादव ने राहुल गांधी को सुझाव दिया है कि वे इंडिया गठबंधन के नेताओं से बात करके बिहार चुनाव का बहिष्कार करने पर गंभीरता से विचार करें। लेकिन कांग्रेस ने बिहार चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी है।

कांग्रेस ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों का चयन करने वाली स्क्रीनिंग कमेटी की घोषणा कर दी है। अजय माकन को इस कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। कमेटी के बाकी तीन सदस्य युवा और राजनीतिक रूप से अनुभवहीन हैं, जो राहुल गांधी के नई कांग्रेस बनाने के मिशन से जुड़े हैं।

अजय माकन को राहुल गांधी का करीबी माना जाता है और वे इस समय एआईसीसी के कोषाध्यक्ष भी हैं।

- पर, अगर स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष पुराने अजमाये हुए नेता होते तो नये युवा सदस्यों की अनुभवहीनता "शायद" कवरअप हो जाती।
- लेकिन, स्क्रीनिंग कमेटी का अध्यक्ष अजय माकन नियुक्त किये गये हैं। अजय माकन इससे पहले हरियाणा, पंजाब, छत्तीसगढ़ की स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष रह चुके हैं तथा इन राज्यों में कांग्रेस पार्टी विधानसभा चुनाव हारी थी। माकन राजस्थान के प्रभारी महासचिव थे तब भी कांग्रेस को पराजय का सामना करना पड़ा था।
- इसी तरह प्रशांत किशोर की टीम के पुराने सदस्य कानूनगोलो को भी राहुल ने तोड़कर कांग्रेस में शामिल करवाया है। वे कई राज्यों में सर्वे कर रहे थे, पार्टी के लिए और उन सर्वे के आधार पर टिकट बांटे गये थे तथा कांग्रेस इन सभी राज्यों में विधानसभा चुनाव हारी थी। अब, कानूनगोलो बिहार में सर्वे कर रहे हैं।
- ऐसे में बिहार के विधानसभा चुनावों में पार्टी से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करना कितना उचित है।

ये भी ध्यान देने वाली बात है कि राहुल गांधी ने हाल के समय में कई राज्यों की स्क्रीनिंग कमेटी का अध्यक्ष अजय माकन को ही बनाया है।

दिलचस्प बात यह है कि जिन-जिन राज्यों में अजय माकन को यह ज़िम्मेदारी दी गई, वहां कांग्रेस चुनाव हार गई।

इन राज्यों में हरियाणा, पंजाब, छत्तीसगढ़ शामिल हैं, और उससे पहले वे राजस्थान के प्रभारी महासचिव भी थे।

कांग्रेस इन सभी राज्यों में हारी, लेकिन इसके बावजूद अविचलित राहुल गांधी ने माकन पर भरोसा बनाए रखा।

वैसे, ये भी संयोग ही है कि माकन खुद हरियाणा से राज्यसभा का चुनाव हार गए थे, लेकिन बाद में उन्हें कर्नाटक से राज्यसभा सांसद बना दिया गया।

एक और दिलचस्प बात यह है कि कानुगोलू नाम के शख्स ने कई राज्यों में सर्वे किए, जिनके आधार पर टिकट बांटे गए, लेकिन पार्टी वहां हार गई। अब वे बिहार में सर्वे कर रहे हैं।

कानुगोलू पहले प्रशांत किशोर के साथ काम करते थे, लेकिन राहुल गांधी उनसे इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने उन्हें प्रशान्त किशोर का साथ छोड़कर, कांग्रेस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री आज "हरियाली तीज" पर वन महोत्सव का शुभांरभ करेंगे

जयपुर, 26 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य कर रही है। पिछले वर्ष हरियाली तीज पर एक दिन में 2 करोड़ पौधे लगाए गए थे, इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

इसी क्रम में, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 27 जुलाई (रविवार) हरियाली तीज के पावन अवसर पर 76वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव का शुभारंभ करेंगे। जयपुर के मदाऊ ग्राम

- हरियाली तीज के अवसर पर राज्य में एक दिन में ढाई करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया है।

(भांकरोटा) स्थित जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री वृक्षारोपण कर "मातृ वन" की स्थापना करेंगे। इस दौरान ड्रोन के माध्यम से बीजारोपण भी किया जायेगा।

मुख्यमंत्री शर्मा सीकर जिले के ग्राम मंडावरा (धोद) में वृक्षारोपण एवं वन महोत्सव कार्यक्रम में भी शामिल होंगे।

इस अवसर पर राज्य के सभी जिलों में जिला स्तरीय वन महोत्सव का आयोजन किया जायेगा। हरियाली तीज के अवसर पर राज्य में एक दिन में 2 करोड़ 50 लाख पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया है।

हजार साल पहले जन्मे चोल सम्राट राजेन्द्र पर भाजपा व डी.एम.के के बीच राजनीतिक द्वंद्व छिड़ा

भाजपा राजेन्द्र चोल को प्री.इस्लामिक भव्य सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक बताकर, राजनीतिक लाभ लेना चाहती है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। लगभग 1000 वर्ष पूर्व के एक सम्राट आज भाजपा और डीएमके (द्रमुक) के बीच राजनीतिक खींचतान का मुद्दा बन गए हैं।

रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तमिलनाडु के अरियालूर ज़िले स्थित गंगईकोंडा चोलपुरम का दौरा करेंगे, जो कभी चोल साम्राज्य की राजधानी था। वहाँ वे राजेन्द्र चोल की उत्तरी क्षेत्रों पर प्राप्त विजय की स्मृति में एक सिक्का जारी करेंगे और एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय ने चोल सम्राट की दक्षिण-पूर्व एशिया में समुद्री अभियान की 1000वीं वर्षगांठ और गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर के निर्माण के शुभारम्भ को याद करते हुए, चार दिवसीय उत्सव की घोषणा की है। संगीतकार इलैयाराजा इस समारोह में 20 मिनट का एक संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे, जबकि एक प्रदर्शनी में चोल काल की कलाकृतियां और लघु मूर्तियाँ प्रदर्शित की जाएंगी। ब्रिटिश

- दूसरी ओर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन, उसे द्रविड़ संस्कृति गौरव का उदाहरण बताकर, कई आयोजन, प्रदर्शनियाँ, संगीत उत्सव, प्लान कर रही है।
- प्र.मंत्री मोदी भी तमिलनाडु के अरिपालू जिले के शहर गंगाईकोण्डा चोलापुरम, जो चोल साम्राज्य की राजधानी थी, जायेंगे और सिक्का जारी करेंगे तथा चार दिन के उत्सव का शुभारंभ करेंगे।
- चोल साम्राज्य की सामुद्रिक सत्ता, मलेशिया, इंडोनेशिया व थाईलैण्ड तक फैली हुई थी तथा राजेन्द्र चोल ने उत्तर भारत में कई अभियानों का नेतृत्व किया था।

इतिहासकारों ने इस नगर की तुलना प्राचीन बेबीलोन से की थी, और अब इसे सजाया जा रहा है।

इसी के साथ, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने सम्राट की जयंती को राज्य स्तर पर आधिकारिक उत्सव घोषित किया है और चोल साम्राज्य के समुद्री व्यापारिक नेटवर्क, मंदिर वास्तुकला और सांस्कृतिक उपलब्धियों को प्रदर्शित करने हेतु 22 करोड़ की लागत से एक संग्रहालय के निर्माण की योजना सहित कई कार्यक्रमों की घोषणा की है।

यह खींचतान दरअसल भारत के इस इतिहास को दो भिन्न वैचारिक दृष्टिकोणों से गढ़ने के प्रयासों को दर्शाती है: स्टालिन का द्रविड़ीय संघवाद बनाम मोदी का अखिल भारतीय राष्ट्रवाद। जहाँ तमिलनाडु के मुख्यमंत्री राजेन्द्र चोल की विरासत को द्रविड़ीय गौरव से जोड़ते हुए क्षेत्रीय पहचान को मज़बूत करने का प्रयास कर रहे हैं, वहीं, प्रधानमंत्री मोदी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एयर पोर्ट व मुख्यमंत्री कार्यालय बम से उड़ाने के ई-मेल ने हड़कंप मचाया

जयपुर, 26 जुलाई। राजधानी जयपुर में उस समय हड़कंप मच गया, जब एयरपोर्ट प्रशासन और राजस्थान मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) को एक धमकी भरा ई-मेल प्राप्त हुआ। इस ई-मेल में जयपुर एयरपोर्ट और सीएमओ को विस्फोटकों से उड़ाने की बात लिखी थी। इसके बाद पुलिस

- दो घंटे के सघन सर्च अभियान में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

प्रशासन हरकत में आया। फौरन सीएम ऑफिस के साथ ही एयरपोर्ट पर चेकिंग शुरू की गई। दो घंटे तक सर्च कार्यवाही चली, पर कुछ नहीं मिला।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण ललित शर्मा ने बताया कि कंट्रोल रूम से सूचना मिलते ही अशोक नगर थाना पुलिस, एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड, एसडीआरएफ, डॉग स्क्वॉड का दस्ता और एंटी बम स्क्वॉड सचिवालय पहुंचा और मुख्यमंत्री कार्यालय के चप्पे चप्पे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार में सरकार ने चुनाव से पूर्व पत्रकारों की पेंशन ढाई गुनी की

बिहार में पत्रकारों को 6,000 रूपए मासिक पेंशन मिलती थी, जो अब बढ़कर 15,000 रूपए हो गई है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को बिहार पत्रकार सम्मान पेंशन योजना के तहत पत्रकारों की पेंशन बढ़ा दी है।

अब बिहार में सेवानिवृत्त पत्रकारों को 15,000 प्रति माह पेंशन मिलेगी, जो देश में सर्वाधिक है। पहले बिहार के पत्रकारों को 6000 प्रतिमाह पेंशन मिलती थी।

मुख्यमंत्री ने एक पोस्ट में यह भी घोषणा की कि पत्रकारों की आश्रित पत्नी/पति को अब जीवनभर 10,000 प्रति माह पेंशन मिलेगी, जो पहले 3,000 प्रति माह थी।

- इस घोषणा के बाद बिहार में पत्रकारों को देश में सर्वाधिक पेंशन मिलेगी।
- नीतीश कुमार ने यह भी कहा कि पत्रकार के आश्रित पति या पत्नी को अब 3,000 रूपए के बजाय आजीवन दस हजार रूपए मासिक पेंशन मिलेगी।

उन्होंने लोकतंत्र में पत्रकारों की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लालू के पुत्र तेज प्रताप निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे

पटना, 26 जुलाई। बिहार चुनाव से पहले तेज प्रताप यादव ने बड़ा ऐलान किया है। आपको बता दें कि तमाम कयासों को किनारे करते हुए तेज प्रताप ने अब साफ कर दिया है कि वह महुआ सीट से चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि वे निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे।

तेज प्रताप यादव ने कहा कि उन्होंने टीम तेज प्रताप बनायी है, जो उनसे जुड़ने के लिए सोशल मीडिया का प्लेट फॉर्म है। इसके जरिये वे सोशल मीडिया

- तेज प्रताप ने महुआ सीट से चुनाव लड़ने की घोषणा की।

से लोगों से जुड़ेंगे। उन्होंने कहा, इसे रोज की मेरी एक्टिविटी को, जन-जन तक पहुंचाने के लिए बनाया है। उन्होंने कहा कि टीम तेजप्रताप यादव की तरफ से लोगों को चुनाव लड़वाया जायेगा। उनकी टीम चुनाव लड़ने वाले युवाओं को सपोर्ट करेगी। इस बीच तेज प्रताप यादव ने टोपी का रंग भी बदल दिया है। उन्होंने कहा कि मुझे पूरी उम्मीद है कि इस बार चाचा सीएम नहीं बन पाएंगे।

तेजप्रताप यादव आज पहली बार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या हाई कोर्ट के दो जजों के खिलाफ एक साथ "इम्पीचमैंट" शुरु होगा संसद में?

भाजपा, जस्टिस वर्मा और विपक्ष जस्टिस शेखर यादव के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी में है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ शुरू की गई महाभियोग की कार्यवाही ने लोकसभा में सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी इंडिया गठबंधन के बीच टकराव का नया दौर शुरू कर दिया है, जिससे संसद के वर्तमान मानसून सत्र के पूरी तरह ठप होने की आशंका बढ़ गई है।

न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ कार्रवाई का निर्णय राज्यसभा में पिछले सप्ताह हुए एक नाटकीय घटनाक्रम के बाद हुआ, जब उपराष्ट्रपति और सभापति जगदीप धनखड़ ने अप्रत्याशित रूप से विपक्ष द्वारा समर्थित एक प्रस्ताव को पेश करने की अनुमति दे दी। यह प्रस्ताव दिल्ली स्थित न्यायमूर्ति वर्मा के सरकारी आवास से भारी मात्रा में बेहिसाब अधजली नकदी मिलने, और उनके बचाव के विवादास्पद प्रयास को लेकर था, जिसने एक हाई-प्रोफाइल मामले को जन्म दे दिया। नकदी से जुड़े आरोपों से जस्टिस वर्मा के इनकार के बाद, विपक्ष और सरकार, दोनों के पास तत्काल महाभियोग प्रस्ताव लाने के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं बचा।

- इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस शेखर यादव पर कथित रूप से विश्व हिंदू परिषद के एक कार्यक्रम में "सांप्रदायिक व अमर्यादित" टिप्पणी करने का आरोप है। इसके लिए उन्हें सुप्रीम कोर्ट से फटकार भी पड़ी थी।
- विधि विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि हाई कोर्ट के दो न्यायाधीशों के खिलाफ एक साथ महाभियोग प्रस्ताव, एक सत्ता पक्ष द्वारा दूसरा विपक्ष द्वारा, लाने से संसद में भारी गतिरोध पैदा हो सकता है। उन्होंने कहा, अगर वर्मा के खिलाफ प्रस्ताव आगे बढ़ाया गया और यादव के खिलाफ नहीं तो सरकार पर पक्षपात का आरोप लग सकता है।
- सूत्रों से पता चला है कि मोदी सरकार गतिरोध की संभावना से निपटने के लिए विपक्षी दलों से "बैक चैनल" वार्ताएं कर रही है।

यह घटनाक्रम सरकार के लिए चौंकाने वाला रहा और उसे संसद में इस संवेदनशील मुद्दे को संभालने के लिए रणनीति पर पुनर्विचार को मजबूर होना पड़ा।

सरकार के इस कदम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, इंडिया गठबंधन ने भाजपा पर न्यायपालिका को डराने और संवैधानिक व्यवस्थाओं का राजनीतिक हितों के लिए दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है।

साथ ही, विपक्ष ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति शेखर यादव के खिलाफ भी प्रस्ताव लाने की तैयारी शुरू कर दी है। न्यायमूर्ति यादव ने इस महीने की शुरुआत में उत्तर प्रदेश में विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में मुस्लिम समुदाय को लेकर कथित रूप से "सांप्रदायिक और अमर्यादित" टिप्पणी की थी, जिसे लेकर भारी विरोध हुआ। इस पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हमारे बहादुर जवानों की कुर्बानी प्रेरणा देती रहेगी- प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, 26 जुलाई। कारगिल विजय दिवस के पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1999 के कारगिल युद्ध में प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों को आज श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रधानमंत्री ने इस दिन को भारत के उन वीरों के अद्वितीय साहस और अदम्य साहस की याद दिलाने वाला बताया जिन्होंने सर्वोच्च चोटियों पर राष्ट्र के

- उन्होंने कारगिल विजय दिवस पर प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

सम्मान की रक्षा की। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखें एक पोस्ट में कहा, कारगिल विजय दिवस पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ। यह अवसर हमें भारत माता के उन वीर सपूतों के अद्वितीय साहस और पराक्रम की याद दिलाता है जिन्होंने राष्ट्र के गौरव की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गमगीन माहौल में पिपलोदी में 6 बच्चों का अंतिम संस्कार हुआ

सहमति बनने के बाद शुक्रवार शाम पोस्टमार्टम के बाद सभी शव मोर्चरी में रखे गये

झालावाड़, 26 जुलाई (निसं)। झालावाड़ जिले के मनोहरथाना क्षेत्र के पिपलोदी गांव के स्कूल में पढ़ने वाले सभी बच्चे रोजाना की तरह शुक्रवार को भी अपने घरों से स्कूल ड्रैस पहन कर तैयार होकर स्कूल के लिए रवाना हुए थे, लेकिन वक्त का न तो घर वालों को पता था और न ही हादसे में मौत का शिकार हुए उन सात मासूमों को, कि यही स्कूल की ड्रैस उनका अंतिम परिधान होगी और इसी स्कूल ड्रैस में के अपना अंतिम सफर करेंगे।

पीपलोदी स्कूल हादसे में मौत का शिकार हुए सात बच्चों का 24 घंटे पश्चात अंतिम संस्कार कर दिया गया। पीपलोदी गांव निवासी 6 बच्चों का पीपलोदी गांव में, जबकि एक बच्चे का पास के गांव चांदखेड़ी भीलान में अंतिम संस्कार किया गया। शुक्रवार सुबह हुए हादसे में स्कूल की बिल्डिंग में दब कर जान गँवाने वाले सभी बच्चों के शव शुक्रवार शाम को पोस्टमार्टम की सहमति बनने के पश्चात, पोस्टमार्टम करवा कर मनोहर थाना सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की मोर्चरी में रखवा दिए गए थे।

बच्चों के परिजनों द्वारा शनिवार सुबह अंतिम संस्कार किए जाने की बात कहने के पश्चात प्रशासन द्वारा बच्चों के शवों को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया था, जहां से शनिवार सुबह 5 से 5.30 बजे के बीच सभी शव परिजनों को सौंप दिए गए तथा अलग-अलग गाड़ियों से सभी शवों को बच्चों के गांव

- सातवें बच्चे का अंतिम संस्कार चांदखेड़ी भीलान गाँव में किया गया।

भिजवाया गया। सुबह लगभग 7.30 बजे तक सभी शवों को अंत्येष्टि के लिए शमशान तक पहुंचा दिया गया था। पीपलोदी गांव में 5 शवों का अंतिम संस्कार एक ही स्थान पर किया गया, जिनमें दो सगे बहन भाई भी शामिल थे। इसके अतिरिक्त, एक अन्य बालिका पायल का अंतिम संस्कार स्कूल भवन के निकट की भूमि पर किया गया।

स्कूल हादसे में मरने वाले सभी बच्चों के शवों को जैसे ही पीपलोदी लाया गया तो पूरे गांव में कोहराम मच गया। पूरे गांव में महिलाओं के विलाप की आवाज गूंजने लगी, खास तौर पर मरने वाले बच्चों के घर की महिलाओं का रो-रो कर बुरा हाल था।

राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री एवं झालावाड़ विधायक वसुंधरा राजे पहले पीपलोदी गांव पहुंची, उसके पश्चात चांदपुरा भीलान में जाकर भी शोक प्रकट किया। राजे प्रत्येक मृतक बच्चे के घर पर गयीं और बच्चों के परिजनों को सांत्वना दी तथा हर संभव मदद का भी वादा किया। वसुंधरा राजे ने कहा कि मैं भी एक माँ हूँ, ये हादसा माता-पिता और बच्चों के सपनों का अंत है। चांदखेड़ी भीलान में उन्होंने भरे मन से कहा कि यह ऐसी घटना है जिसने मुझे अंदर तक हिला दिया है। राजे के साथ उनके सांसद पुत्र दुष्यंत सिंह, जिला कलेक्टर अजय सिंह राठौड़, एसपी अमित कुमार भी मौजूद रहे।

झालावाड़ में पिपलोदी के सरकारी स्कूल की बिल्डिंग के नीचे दबकर जान गंवाने वाले सातों बच्चों के परिवार वालों को 10 लाख रुपए और संविदा पर नौकरी मिलेगी। साथ ही नए स्कूल भवन में बनने वाले कक्षों के नाम मृतक बच्चों के नाम पर रखे जायेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने पीड़ित परिवारों को सहायता राशि के चैक और संविदा पर नौकरी के जॉइनिंग लैटर सौंपे।

राजस्थान की पूर्व कांग्रेस सरकार के मंत्री प्रमोद जैन भाया भी झालावाड़ अस्पताल और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

17 सांसदों को मिला संसद रत्न सम्मान

नई दिल्ली, 26 जुलाई। लोकसभा में बेहतर काम करने पर 17 सांसदों को संसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इन सांसदों ने लोकसभा में अपना अमूल्य योगदान दिया है। इसके अलावा, चार सांसदों को विशेष जूरी पुरस्कार दिया।

संसद रत्न पुरस्कार पाने वालों में गोरखपुर से भाजपा सांसद रवि किशन,

- 17 सांसदों में भाजपा के रवि किशन, निशिकांत दुबे, एनसीपी की सुप्रिया सुले प्रमुख हैं।

एनसीपी शरद की सुप्रिया सुले, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और शिवसेना यूबीटी के सांसद अरविंद सावंत सहित 17 सांसद शामिल हैं।

वहीं, तीन कार्यकालों में संसदीय लोकतंत्र में निरंतर योगदान देने वाले चार सांसदों को चार विशेष जूरी पुरस्कार दिए गए। इनमें ओडिशा से भाजपा सांसद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

क्रोध यमराज है। –चाणक्य

आयुर्वेद का रोचक इतिहास

आयुर्वेद चिकित्सा की एक प्राचीन प्रणाली है जो कम से कम 5,000 साल पहले भारत में उत्पन्न हुई। शब्द 'आयुर्वेद' का अर्थ जीवन का ज्ञान है। आयुर्वेद को प्रायः 'जीवन का विज्ञान' या 'जीने की कला' भी कहा जाता है। आयुर्वेद की उत्पत्ति और प्रारंभिक सूत्र वेदों में उपलब्ध हैं, जिनका काल 1500 ईसा पूर्व माना जाता है। वेदों में दर्शन, आध्यात्मिकता और चिकित्सा सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला के बारे में जानकारी है। ऐसा माना जाता है कि आयुर्वेद के सिद्धांतों को सर्वप्रथम चार वेदों में से एक, अथर्ववेद, में रेखांकित किया गया था। समय के साथ, आयुर्वेद एक व्यापक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के रूप में विकसित हुआ, जिसमें आहार, व्यायाम, ध्यान, उपचार और सर्जरी सहित स्वास्थ्य और कल्याण के सभी पहलुओं को शामिल किया गया। आयुर्वेदिक चिकित्सकों ने मानव शरीर की गहरी समझ विकसित की। साथ ही मानव शरीर और पर्यावरण के बीच परस्पर संबंध को भी व्यापक रूप से समझा। इस ज्ञान का उपयोग रोगियों के लिए व्यक्तिगत उपचार योजना विकसित करने के लिए किया।

आयुर्वेद भारत में हजारों वर्षों तक फलता-फूलता रहा, लेकिन औपनिवेशिक युग के दौरान इसे कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इस काल में पश्चिमी चिकित्सा स्वास्थ्य सेवा का प्रमुख रूप बनती गई। हालाँकि, हाल के वर्षों में, भारत और दुनिया भर में आयुर्वेद में नए सिरे से रुचि पैदा हुई है, और अब इसे एक मूल्यवान पूरक चिकित्सा के रूप में मान्यता प्राप्त है। आज, आयुर्वेद भारत में व्यापक रूप से प्रचलित है और दुनिया के अन्य हिस्सों में भी इसने लोकप्रियता हासिल की है। आयुर्वेद के सिद्धांत इस विचार पर आधारित हैं कि प्रत्येक व्यक्ति अद्वितीय है और उसका अपना व्यक्तिगत दोष संतुलन है। तीन मुख्य दोष हैं:– वात, पित्त और कफ। प्रत्येक दोष विशिष्ट विशेषताओं और असंतुलन से जुड़ा होता है, और आयुर्वेदिक चिकित्सक इस जानकारी का उपयोग बीमारियों के निदान और उपचार के लिए करते हैं। पश्चिमी चिकित्सा के विपरीत, जो लक्षणों के इलाज पर ध्यान केंद्रित करती है, आयुर्वेद का उद्देश्य बीमारी के मूल कारण को दूर करना और शरीर और दिमाग में संतुलन बहाल करना है।

हालाँकि आयुर्वेद का एक लंबा और समृद्ध इतिहास है, पर इसे विवादों में घसीटने का इतिहास भी कम लम्बा नहीं है। कुछ आलोचकों को आयुर्वेदिक उपचारों की सुरक्षा और प्रभावकारिता के बारे में चिंता लगी रहती है। इसके अतिरिक्त, दूषित आयुर्वेदिक उत्पादों के रोगियों को नुकसान पहुँचाने के बारे में भी अब बहुत प्रकाशन होता है। इन आलोचनाओं के बावजूद, आयुर्वेद चिकित्सा लोकप्रिय और कारगर है, और दुनिया भर के असंख्य लोगों ने आयुर्वेदिक उपचारों के माध्यम से उन रोगों से राहत पाई है जिन्हें आधुनिक चिकित्सा पद्धति ठीक नहीं कर पाती। समकालीन विश्व में जैसे-जैसे प्राकृतिक और पूर्ण स्वास्थ्य सेवा में रुचि बढ़ रही है, आयुर्वेद चिकित्सा की भूमिका भी बढ़ती जा रही है।

आयुर्वेद को मूल रूप से अथर्ववेद का उपवेद माना जाता है। इसका मूल कारण यह है कि अथर्ववेद में न केवल बहुत स्पष्ट रूप से चिकित्सा का वर्णन है, अपितु ऋग्वेद की तुलना में औषधियों की संख्या भी अधिक अंकित है। यह बात सत्य है कि ऋग्वेद का औषधि सूक्त आयुर्वेद का सबसे पुराना दस्तावेज है, किन्तु अथर्ववेद में भारतीय चिकित्सा पद्धति का तुलनात्मक रूप से अधिक प्रायोगिक विस्तार मिलता है।

आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति भारत की मूल्यवान और अनोखी धरोहर है। आयुर्वेद का उद्भव काल 6000 ई. पू. माना जाता है, पर मतभिन्नता के बावजूद इसे 5000 साल पुरानी चिकित्सा पद्धति तो माना ही जाता है। आयुर्वेद का सबसे पुराना उपलब्ध ग्रन्थ ई. पू. पांचवी शताब्दी में आचार्य चरक द्वारा लिखित चरक संहिता है। उसके पश्चात् सुश्रुत संहिता, अष्टांग हृदय, सारंगधर संहिता, माधव निदान, भावप्रकाश आदि ग्रन्थ लिखे गये। इनमें से चरक संहिता से प्रारंभ कर 15वीं शताब्दी में लिखित भावप्रकाश तक का समयकाल लगभग 2000 वर्ष का है। इस यात्रा में आचार्य नागार्जुन की रस औषधियों सहित तमाम रोचक नवाचार हुये जो आज भी आयुर्वेद चिकित्सा के माध्यम से लोगों के चेहरे पर मुस्कराहट ला रहे हैं।

संक्षेप में देखा जाये तो अथर्ववेद काल में चिकित्सा मुख्य रूप से देवताओं के ऊपर आश्रित मानी जाती थी, यही कारण है कि इस प्रकार की चिकित्सा को बाद में आयुर्वेद संहिता काल में दैव-व्यापाश्रय चिकित्सा के रूप में जाना गया है। अथर्ववेद काल की चिकित्सा में एक महत्वपूर्ण बात यह है कि एक रोग के लिए एक औषधि का प्रयोग ही दृष्टिगत होता है, किन्तु साथ ही उपचार में देवताओं, मंत्रों, पूजा-पाठ आदि अनिवार्य रूप से प्रयुक्त हुये। दैवव्यपाश्रय चिकित्सा का यह श्रेष्ठ काल रहा है।

अथर्ववेद परम्परा का कौशिक सूत्र इस परम्परा का अगला पड़ाव माना जाता है। कौशिक सूत्र मूलतः अथर्ववेद परम्परा का सूत्र है। अतः स्वाभाविक रूप से अथर्ववेद की चिकित्सा तथा औषधीय पौधों के संदर्भ और प्रक्रिया यथावत पायी जाती है। तथापि अथर्ववेद और कौशिक सूत्र दोनों में उपलब्ध चिकित्सा विवरण में कुछ मूलभूत अन्तर है।

जहां एक ओर अथर्ववेद में एक रोग के लिये एकल औषधि और साथ में पूजा-पाठ का विधान प्रयुक्त किया गया है, वहीं कौशिक सूत्र में पूजा-पाठ का विधान तो है परन्तु एकल औषधियों की जगह रोगों के लिये अनेक औषधियों के मिश्रण या योग का प्रयोग हुआ। दूसरा अंतर यह आया कि कौशिक सूत्र में ऐसी अनेक औषधियां वर्णित हैं, जिनका संदर्भ अथर्ववेद में नहीं मिलता है। इसका स्पष्ट तात्पर्य यह हुआ कि आयुर्वेद के विकास की यात्रा में अथर्ववेद एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, किन्तु बाद में रचित कौशिक सूत्र में नई औषधियों और रोगों के लिये नवाचारी योग जुड़ गये। हालांकि कौशिक सूत्र में भी स्पष्टतया पूजा-पाठ को चिकित्सा में उपयोग लेने की अथर्व परम्परा को तो यथावत दिया गया, परन्तु केवल पूजा-पाठ और एक औषधि की बजाय बहुत औषधियां योग देने का तात्पर्य यह लगाया जाता है कि पूजा-पाठ के साथ-साथ औषधियों को भी बराबर का महत्त्व दिया गया है। अथर्व परम्परा का कौशिक सूत्र निश्चित रूप से आयुर्वेद के विकास में एक मील का पत्थर है। परन्तु यह भी सही है कि चिकित्सा के मूल दर्शन के रूप में पूजा-पाठ (दैवव्यपाश्रयचिकित्सा) आदि को कौशिक सूत्र में भी बराबर महत्व दिया गया है।

पिछले एक दशक के दौरान भारत के कई दिग्गज वैज्ञानिकों और आयुर्वेदाचार्यों की शोध ने आयुर्वेद का प्रमाण-आधार बहुत मजबूत किया है। आधुनिक विज्ञान के समावेश से आयुर्वेद का और बेहतर उपयोग मानवता के कल्याणार्थ किया जा सकता है, परन्तु यह तभी संभव है जब वर्ष 1600 से 1947 के मध्य आयुर्वेद को दुर्बल करने के जितने भारी प्रयास हुये, उससे दुगने प्रयास अब इसे आगे बढ़ाने के लिये किये जायें।

आगे चलकर संहिताकाल, जो लगभग 1000 वर्ष ईसा पूर्व से लेकर पहली शताब्दी तक माना जा सकता है, को आयुर्वेद का स्वर्णकाल कहा जाता है। एक अत्यन्त महत्वपूर्ण बात यह है कि संहिताकाल में उस समय तक चिकित्सा का जो भी ज्ञान वेदों, उपनिषदों, ब्राम्हणों या सूत्रों में उपलब्ध था, उस सम्पूर्ण ज्ञान को एकत्र कर संहिताकाल में आचार्यो ने जांच-परख कर और प्रत्यक्ष प्रायोगिक परीक्षण कर संहिताबद्ध किया। यही कारण है कि आयुर्वेद की मूल संहिताओं में चिकित्सा यर्थाततः युक्ति-व्यापाश्रय (प्रमाण-आधारित या रेशनेल मेडिसन) में बदल गई। इस प्रकार अंततः आयुर्वेद पूर्णतः वैज्ञानिक धरातल पर आ गया।

संहिताकाल का आयुर्वेद वांग्मय मूल रूप से चरकसंहिता और सुश्रुतसंहिता में उपलब्ध है। चरकसंहिता मूलतः कायचिकित्सा से संबंधित ग्रन्थ है, जबकि सुश्रुत संहिता मूलतः शल्यचिकित्सा से संबंधित है। दोनों में इस असमानता के बावजूद दोनों संहितायें प्रमाण-आधारित वैज्ञानिक दृष्टिकोण को ही प्रतिपादित करती हैं। इन संहिताओं में प्रमाण, कारण-कार्य प्रभाव, तर्क-संगतता आदि को उतना ही महत्व दिया गया है जितना कि आज के वैज्ञानिक शोध में दृष्टिगोचर होता है। यही कारण है कि पूरा विश्व आचार्य सुश्रुत को शल्य-चिकित्सा का जन्मदाता मानता है।

आचार्य सुश्रुत ने शल्य क्रिया के इतने विस्तृत सूत्र और विधियाँ लिखा कि उसमें कोई ऐसा कदम नहीं छूटा जिसे आज आधुनिक विज्ञान ने बिलकुल नये सिरे से खोजा हो। यहाँ तक कि शल्य क्रिया में प्रथक से काम आने वाले जो औजार जगह आचार्य सुश्रुत ने डिजाइन किये उसमें कोई बहुत बड़ा परिवर्तन आज भी नहीं आया है। लगभग समान औजार आज भी प्रयुक्त हो रहे हैं। आप यह कह सकते हैं कि इन औजारों के निर्माण के लिये आज बेहतर तकनीक तो उपलब्ध है, किन्तु उनके मूलभूत डिजाइन में कोई विषेष अन्तर नहीं आया है।

इस संक्षिप्त चर्चा से स्पष्ट हो जाता है कि वैदिक काल से लेकर संहिता काल तक और संहिता काल से आज तक आयुर्वेद के विकास की एक बड़ी रोचक यात्रा रही है।

आधुनिक विज्ञान की दृष्टि से परखने पर चरक संहिता शरीर-विज्ञान, भ्रूणविज्ञान, फिजियोलॉजी, फार्माकोलॉजी, खाद्य एवं पोषण, पाचनतंत्र एवं पाचन-क्रियाविज्ञान, रक्त-परिसंचरण तंत्र, मानस-विज्ञान, रोग निदान-विज्ञान, प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी, मेडिको-बॉटनी, एवं काय-चिकित्सा जैसे अनेक विषयों का महत्वपूर्ण ग्रन्थ है।

आज विश्वभर के वैज्ञानिक अपने शोध-पत्रों के प्रकाशन में पूर्ववर्ती शोध का संदर्भ देते हैं, ठीक उसी प्रकार प्राचीन आयुर्वेदाचार्यों ने, समय और ज्ञान की लंबी यात्रा में उत्तरोत्तर, अपने पूर्ववर्ती विद्वानों की शोध का विवरण देते हुये आयुर्वेद को उत्तरोत्तर स्वयं के अनुभवों से परिष्कृत किया। चरक संहिता में वर्णित औषधीय पौधों की प्रजातियों की संख्या और उपयोगिता का वर्णन बाद के ग्रन्थों में निरंतर बढ़ता गया है। चरक संहिता में कुल 627 औषधीय पादपों को पहचाना जा सका है। सुश्रुत संहिता और अष्टांगहृदय सहित मुख्य ग्रंथों को मिलायें तो 1250 औषधीय पौधों का आयुर्वेद में अधिक उपयोग हो रहा है।

आचार्यों ने अपने पूववर्ती विद्वानों द्वारा बताई गई औषधियों पर प्रमाण-आधारित भरोसा किया। साथ ही, स्वस्थ व्यक्तियों के स्वास्थ्य की रक्षा और रोगियों की रुग्णता शान्त करने के लिये समय के साथ नई-नई औषधियों की खोज, या पूर्व से ज्ञात औषधियों के नवीन गुणों को पहचाना, परिभाषित किया और अपने ग्रन्थों में उल्लेख किया।

समय के साथ बढ़ती विशेषज्ञता भी बड़ी रोचक है। चरक संहिता में यद्यपि आयुर्वेद चिकित्सा के सभी अंगों को समाहित किया गया, परंतु मूल ध्यान काय-चिकित्सा और रसायन चिकित्सा की ओर ही रहा। आचार्य सुश्रुत ने आयुर्वेद के विभिन्न पहलुओं का विवरण दिया, परंतु सुश्रुत संहिता में विशेषज्ञता शल्यक्रिया में केन्द्रित रही। काश्यप संहिता बाल एवं महिला स्वास्थ्य पर केन्द्रित है। आचार्य चक्रदत्त ने एकल औषधि चिकित्सा पद्धति में विशेषज्ञता विकसित कर लिखा। इसी प्रकार पॉली-हर्बल या बहु-पादपीय औषधियों द्वारा चिकित्सा में आचार्य सारंगधर का कोई सानी नहीं है।

आयुर्वेद में आधुनिक वैज्ञानिक शोध हालाँकि अभी बहुत अधिक नहीं है, फिर भी स्कोपस डेटाबेस से ज्ञात होता है कि वर्ष 1923 से 2025 के दौरान प्रकाशित कुल 65,508 शोधपत्रों में कहीं न कहीं आयुर्वेद का उल्लेख हुआ है, उनमें से 16,146 शोधपत्र विशेषकर आयुर्वेद पर केन्द्रित हैं। इसके अतिरिक्त आयुर्वेद में प्रयुक्त औषधीय पौधों पर कम से कम 15 लाख से अधिक शोधपत्र हैं। पिछले एक दशक के दौरान भारत के कई दिग्गज वैज्ञानिकों और आयुर्वेदाचार्यों की शोध ने आयुर्वेद का प्रमाण-आधार बहुत मजबूत किया है। आयुर्वेदिक बायोलॉजी, आयुर्वेदिक जीनोमिक्स, होल-सिस्टम क्लिनिकल ट्रायल्स आदि में उपयोगी कार्य हो रहा है। आधुनिक विज्ञान के समावेश से आयुर्वेद का और बेहतर उपयोग मानवता के कल्याणार्थ किया जा सकता है, परन्तु यह तभी संभव है जब वर्ष 1600 से 1947 के मध्य आयुर्वेद को दुर्बल करने के जितने भारी प्रयास हुये, उससे दुगने प्रयास अब इसे आगे बढ़ाने के लिये किये जायें।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

उच्च शिक्षा संस्थानों, विशेषकर विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति और पदोन्नति में देरी क्यों?

अशोक शर्मा

उच्च शिक्षा संस्थानों, विशेषकर विश्वविद्यालयों में, शिक्षकों की नियुक्ति और पदोन्नति में देरी एक गंभीर और बहुआयामी समस्या है। इसमें कई बार कुलपतियों द्वारा जानबूझकर की जाने वाली देरी की भी भूमिका होती है। यह सिर्फ प्रशासनिक अक्षमता का मामला नहीं है, बल्कि इसके पीछे कई जटिल कारण हो सकते हैं:

जानबूझकर देरी के संभावित कारण

कुलपतियों द्वारा पदोन्नति में जानबूझकर देरी करने के कुछ मुख्य कारण ये हो सकते हैं:–

राजनीतिक हस्तक्षेप और पक्षपात:–

चहेतों को लाभ: कुलपति कई बार अपने राजनीतिक आकाओं या व्यक्तिगत चहेतों को समायोजित करने के लिए नियुक्तियों या पदोन्नति को रोक सकते हैं, ताकि उनके पसंदीदा उम्मीदवारों के लिए रास्ता बनाया जा सके।

सत्ता का दुरुपयोग: कुलपति अपनी स्थिति का दुरुपयोग करके उन शिक्षकों को पदोन्नति से वंचित कर सकते हैं जिनसे उनके व्यक्तिगत या राजनीतिक मतभेद हों। नियंत्रण बनाए रखना: कुछ कुलपति देरी करके या नियमों को तोड़-मरोड़ कर शिक्षकों पर अपना नियंत्रण बनाए रखना चाहते हैं।

आर्थिक और वित्तीय दबाव:–

वित्तीय लाभ: कुछ मामलों में, देरी करके या पदोन्नति को रोककर वित्तीय लाभ कमाने की कोशिश की जा सकती है, जैसे किसी विशेष सलाहकार या बाहरी व्यक्ति को भुगतान करना।

बजट की कमी: विश्वविद्यालय के पास पर्याप्त बजट न होने पर भी कुलपति पदोन्नति को टाल सकते हैं, ताकि वेतन वृद्धि के अतिरिक्त बोझ से बचा जा सके। यह जानबूझकर न होकर मजबूरी का नतीजा हो सकता है, लेकिन इसका परिणाम देरी ही होता है।

प्रशासनिक जटिलताएं और अक्षमता (जो जानबूझकर भी हो सकती है):–

अधिकारों का केंद्रीकरण: कई बार कुलपति सभी निर्णय अपने हाथ में रखना चाहते हैं, जिससे प्रक्रियाएं धीमी हो जाती हैं।

जटिल प्रक्रियाएं: पदोन्नति की प्रक्रियाएं इतनी लंबी और जटिल होती हैं कि जानबूझकर देरी करने के लिए उनमें आसानी से (कमजोरियाँ) मिल जाती हैं।

निर्णय लेने में अनिच्छा: विवादास्पद मामलों या कानूनी उलझनों से बचने के लिए भी कुछ कुलपति निर्णय लेने में देरी करते हैं।

कार्यकाल का प्रभाव:

कार्यकाल के अंत में: जब कुलपति का कार्यकाल समाप्त होने वाला होता है, तो वे बड़े निर्णय लेने से बच सकते हैं, या फिर केवल उन नियुक्तियों और पदोन्नति पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं जो उनके लिए फायदेमंद हों।

देरी के व्यापक कारण (जानबूझकर के अलावा)

कुलपतियों की भूमिका के अलावा, शिक्षकों की पदोन्नति में देरी के कई अन्य संस्थागत और संरचनात्मक कारण भी हैं:–

सरकारी और नियामक बाधाएं:–

नोडल एजेंसियों का हस्तक्षेप: उच्च शिक्षा के लिए कई नोडल एजेंसियां (जैसे– शिक्षा मंत्रालय, राज्य सरकारें) होती हैं, जिनके बीच समन्वय की कमी और (अतिव्यापी) जिम्मेदारियां देरी का कारण बनती हैं।

नियमों में अस्पष्टता: पदोन्नित के नियमों और दिशानिर्देशों में अस्पष्टता या बार-बार बदलाव से भी प्रक्रियाएं बाधित होती हैं।

खाली पद: केंद्रीय विश्वविद्यालयों में हजारों और राज्य विश्वविद्यालयों में 40 प्रतिशत से अधिक शिक्षण पद खाली हैं। खाली पदों को भरने की प्रक्रिया ही इतनी धीमी होती है कि पदोन्नति के अवसर भी कम हो जाते हैं।

कानूनी मुकदमेबाजी:

न्यायालयीन हस्तक्षेप: नियुक्तियों या पदोन्नति से संबंधित विवादों के कारण कई बार मामले न्यायालयों में चले जाते हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया रुक जाती है। आरक्षण नीतियों, पात्रता मानदंडों या चयन प्रक्रिया में अनियमितताओं को लेकर अक्सर मुकदमे दायर होते हैं।

प्रशासनिक अक्षमता और भ्रष्टाचार:–

लंबित फाइलें: विश्वविद्यालयों के अंदर फाइलों का लंबित रहना, नौकरशाही की सुस्ती, और नियुक्तियों एवं पदोन्नति समितियों की निष्क्रियता आम समस्याएं हैं।

पारदर्शिता की कमी: चयन और पदोन्नति प्रक्रियाओं में पारदर्शिता की कमी भी देरी और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती है।

संसाधनों की कमी:–

वित्तीय बाधाएं: कई विश्वविद्यालयों को वित्तीय बाधाओं का सामना करना पड़ता है, जिससे वे नए पद सृजित करने या पदोन्नत शिक्षकों को बढ़ा हुआ वेतन देने में असमर्थ होते हैं।

बुनियादी ढांचे का अभाव: अपर्याप्त बुनियादी ढांचा और डिजिटल संसाधनों की कमी भी प्रशासनिक प्रक्रियाओं को धीमा करती है।

देरी का प्रभाव : शिक्षकों की पदोन्नति में देरी के गंभीर परिणाम होते हैं:–

शिक्षा की गुणवत्ता पर असर: योग्य शिक्षकों की कमी और मौजूदा शिक्षकों पर काम का बोझ बढ़ने से शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

अनुसंधान में कमी: शिक्षकों को पदोन्नति के लिए प्रोत्साहन न मिलने से वे अनुसंधान और उच्च स्तरीय शैक्षणिक गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते।

नैतिक पतन: पदोन्नति में अनिश्चितता और देरी से शिक्षकों में निराशा, नैतिक पतन और प्रेरणा की कमी आती है।

विश्वविद्यालयों की कार्यप्रणाली: फैकल्टी की कमी से कक्षाओं में भीड़भाड़, अकादमिक कैलेंडर में देरी और समग्र रूप से विश्वविद्यालय का कामकाज बाधित होता है।

प्रतिभा पलायन: योग्य शिक्षक बेहतर अवसरों की तलाश में अन्य संस्थानों या देशों का रुख कर सकते हैं।

समाधान के प्रयास और चुनौतियाँ

सरकार और ने इस समस्या के समाधान के लिए कुछ कदम उठाए हैं, जैसे:–

ड्राफ्ट रेगुलेशंस 2025: नई शिक्षा नीति 2020 के तहत भर्ती और पदोन्नति प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, लचीलापन लाने और चयन मानदंडों को अधिक समग्र बनाने का प्रस्ताव है। हालांकि, कुछ आलोचकों का मानना है कि ये नियम संविदाकरण को बढ़ावा दे सकते हैं, जिससे शिक्षकों की नौकरी की सुरक्षा प्रभावित होगी।

पारदर्शिता बढ़ाना: कई जगहों पर ऑनलाइन आवेदन और चयन प्रक्रियाओं को अपनाने की बात हो रही है। हालांकि, इन चुनौतियों से निपटने के लिए एक मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक सुधार, पारदर्शिता में वृद्धि और पर्याप्त वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता है। केवल तभी विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की समय पर नियुक्ति और पदोन्नति सुनिश्चित की जा सकेगी।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष राजस्थान
विश्वविद्यालय जयपुर

पावटा उपखंड क्षेत्र में संचालित सीबीईओ कार्यालय व कई सरकारी स्कूल जर्जर अवस्था में

बारिश में छत से पानी टपकता रहता है, दीवारों में दरारें है, ऐसे में जान जोखिम में डालकर बच्चे पढ़ाई करने को विवश हैं

पावटा, (निसं)। पिपलोदी गांव, झालावाड़ में राजकीय विद्यालय की छत ढहने की हृदयविदारक घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। यह दुखद हादसा न केवल एक स्थानीय त्रासदी है, बल्कि यह सरकारी विद्यालयों की जर्जर और असुरक्षित स्थिति को उजागर करने वाला एक गंभीर संकेत भी है। इस घटना ने उन लाखों बच्चों और शिक्षकों की सुरक्षा पर सवाल खड़े किए हैं, जो रोज़ाना इन खस्ताहाल भवनों में पढ़ने-पढ़ाने के लिए मजबूर हैं। उपखंड पावटा क्षेत्र में संचालित सरकारी स्कूलों की स्थिति भगवान भरोसे है। पावटा सीबीईओ कार्यालय सहित विद्यालयों के भवन जर्जर हो चुके हैं। बारिश में छत से पानी टपकता रहता है, दीवारों में दरारें है। ऐसे में जान हथेली पर रखकर बच्चे पढ़ाई करने को विवश हैं।

उपखंड पावटा क्षेत्र में संचालित कई सरकारी स्कूलों में छतें जीर्ण-शीर्ण अवस्था में पहुंच चुकी है।

उपखंड पावटा क्षेत्र के कई सरकारी स्कूल वर्षों पुराने हैं। रख-रखाव के अभाव में इन स्कूलों के भवन व छत जीर्ण-शीर्ण अवस्था में पहुंच गए हैं। इससे इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे जान जोखिम में रखकर शिक्षा ग्रहण करते हैं। उपखंड पावटा क्षेत्र के स्कूलों में कुछ को छोड़कर बाकी लगभग सभी संसाधनों का अभाव झेल रहे हैं। उपखंड पावटा क्षेत्र के आठ महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, 20 राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं पावटा सी बी ई ओ कार्यालय सहित 38 राजकीय प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कमरों की दीवारों पर दरार पड़ गई है। कई के छत क्षतिग्रस्त हैं जिससे कमरों में बारिश का पानी टपकता है। विवशता में बच्चे जर्जर भवन में पढ़ने को विवश है। विद्यालयों में कमरों, बरामदों में दरार को देखते हुए केवल दीवार ही नहीं बल्कि स्कूल की छत की दशा भी बेहतर नहीं है। छत से पानी रिसने के कारण बच्चों को खासी परेशानी होती है। अभिभावकों में डर

■ उपखंड पावटा क्षेत्र के स्कूलों में कुछ को छोड़कर बाकी लगभग सभी संसाधनों का अभाव झेल रहे हैं

बना रहता है। विद्यालयों की दशा में सुधार के लिए प्रशासन और नगरीय निकाय की ओर से अब तक कोई पहल नहीं की गई है। कमरों की दीवार ढहने या बरामदे की छत गिरने से कभी भी बड़ी घटना हो सकती है। यहां विद्यालयों में कमरे की छते जर्जर है जिससे हल्की सी बारिश में ही रिसाव होने लगता है। विद्यालय की छत व दीवारें दरक गई हैं। इसमें पढ़ने वाले छात्र छत गिरने की आशंका से सहमे रहते हैं। व्रहीं आंगनबाड़ी केंद्र के बाहर जलभराव से नन्हें-नन्हें बच्चों के आंगनबाड़ी केंद्र पर जाते समय गंदे पानी में गिरने का डर बना रहता है। विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में ही कई विद्यालय व आंगनबाड़ी के भवन पुराने और जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं।

सरवाड़ में जमकर बारिश, कई जगह पानी भरा

जलभराव के कारण लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा

सरवाड़, (निसं)। शहर सहित उपखंड क्षेत्र में शनिवार को सुबह से ही बरसात का दौर जारी रहा। वहीं उमस से लोगों को राहत मिली। जलभराव के कारण लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

सुबह तेज हवाओं व गर्जना के साथ शहर में बारिश का दौर शुरू हो गया जो पूरे दिन रुक-रुककर चलता रहा। बारिश से तापमान में भी गिरावट हुई है। बारिश के कारण शहर की बस्तियों में पानी का भराव हो गया। कई जगहों पर जलभराव के कारण लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वहीं तेज बारिश की संभावना को देखते हुए अजमेर जिला कलक्टर लोकबंधु ने सुबह ही सभी सरकारी व प्राइवेट स्कूलों के साथ ही आंगनबाड़ियों में अवकाश घोषित कर दिया था। बारिश के चलते चारों तरफ पानी पानी हो गया। लगातार हो रही बारिश के चलते फसलें भी नष्ट होने लगी है। शहर साहित उपखंड क्षेत्र में कई खेतों में दो बार बुवाई हो चुकी है, मगर फसलों में पानी भरने के कारण नष्ट होने की कगार पर है जिससे किसान परेशान नजर आ रहे हैं। वहीं खेतों में फसलों को बचाने के लिए किसान यूरिया का छिड़काव कर रहे हैं।

राशिफल रविवार 27 जुलाई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, मघा नक्षत्र सायं 4:23 तक, वारियान योग रात्रि 3:13 तक, तैतिल करण दिन 10:42 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क चन्द्रमा-सिंह, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से सायं 4:23 तक है। राजयोग सायं 4:23 से रात्रि 10:42 तक है। रवियोग सायं 4:23 से आरम्भ होगा। आज मधु श्रवा तीज, लघु तृतीया व्रत है। आज सकर मु. मास 2 आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:32 से 9:13 तक, लाभ-अमृत 9:13 से 12:33 तक, शुभ 2:13 से 3:54 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:52, सूर्यास्त 7:14

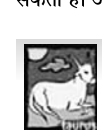

मेष

आवश्यक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। पारिवारिक मामलों में दुविधा बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा।

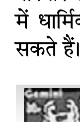

वृष

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

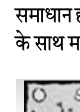

मिथुन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये-पुराने मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

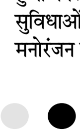

कर्क

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। घर-गृहस्थी की सुख-सुविधाओं पर धन खर्च होगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

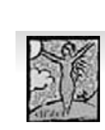

सिंह

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

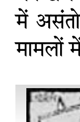

कन्या

आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। धन हानि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

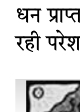

तुला

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी।

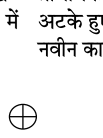

वृश्चिक

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

धनु

धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

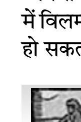

मकर

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

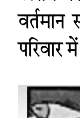

कुंभ

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

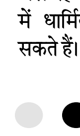

मीन

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होंगे। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

हीरापुरा पावर हाउस पर जबरन बस शिफ्टिंग के विरोध में प्रदेशव्यापी चक्का जाम

बस ऑपरेटर्स का आरोप - हीरापुरा में न तो पार्किंग, न वेटिंग एरिया और न ही पर्याप्त यात्री सुविधाएँ

- हीरापुरा पावर हाउस पर प्राइवेट स्लीपर बसों को जबरन स्थानांतरित करने के विरोध में प्रदेशभर की सभी बस यूनियनों के सहयोग से यह चक्का जाम किया
- परिवहन विभाग ने गैर कानूनी तरीके से खड़ी बसों का चालान कर हीरापुरा बस स्टैंड से इनका संचालन शुरु करने के लिए मजबूर करने का प्रयास किया

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में हीरापुरा बस स्टैंड से बस संचालन शुरू होने से पहले ही इसका विरोध शुरु हो गया और आल राजस्थान कॉन्ट्रैक्ट कैरिज बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन जयपुर की शनिवार को हड़ताल करने की घोषणा के बाद इन बसों का प्रदेशव्यापी चक्का जाम हो गया।

आल राजस्थान कांट्रेक्ट कैरिज बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन जयपुर के अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा ने मीडिया को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि हीरापुरा पावर हाउस (कमला नेहरू नगर) पर प्राइवेट बसों के जबरन स्थानांतरण के विरोध में राजस्थान स्तर पर चक्का जाम किया गया हैं। शर्मा ने बताया कि हीरापुरा पावर हाउस पर प्राइवेट स्लीपर बसों को जबरन स्थानांतरित करने के विरोध में प्रदेशभर की सभी बस यूनियनों के सहयोग से यह चक्का जाम किया गया।

उन्होंने बताया कि आरटीओ प्रशासन की ओर से एक अगस्त से सिंधी कैंप बस स्टैंड से अजमेर रूट की सभी प्राइवेट और रोडवेज बसों को हीरापुरा शिफ्ट करने के आदेश के विरोध में एक हजार से ज्यादा स्लीपर और प्राइवेट बस ऑपरेटरों ने हड़ताल शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि इन सभी संगठनों ने स्पष्ट कर दिया है कि वे हीरापुरा से बसें नहीं चलाएंगे।

उन्होंने बताया कि इन बसों का संचालन हीरापुरा से नहीं करने पर परिवहन विभाग ने गैर कानूनी तरीके से खड़ी बसों का चालान कर हीरापुरा बस स्टैंड से इनका संचालन शुरु करने के लिए मजबूर करने का प्रयास किया गया। उन्होंने बताया कि करीब एक हजार बसों का चालान किया गया हैं जो न्यायसंगत नहीं हैं। उन्होंने बताया कि एक अगस्त तक का भी इंतजार नहीं किया गया और इससे पहले ही निजी बसों का संचालन हीरापुरा से शुरु करने का दबाव बनाने के लिए परिवहन विभाग ने इन बसों पर चालान काटने के रुप में दमनकारी नीति अपनाकर हड़ताल पर जाने को मजबूर कर दिया गया।

उन्होंने बताया कि जब तक उनकी मांग पर सकारात्मक कदम नहीं उठाया जाता है तब तक यह हड़ताल जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि इस हड़ताल के तहत जयपुर से संचालित आने जाने वाली एक हजार बसों का संचालन बंद कर दिया गया हैं। आल राजस्थान कॉन्ट्रैक्ट कैरिज बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन जयपुर के महामंत्री प्रवीण अग्रवाल ने बताया कि सिंधी कैंप से हीरापुरा की दूरी ज़्यादा होने से यात्रियों को काफी असुविधा होगी। इसके अलावा हीरापुरा में पर्याप्त इंफ्रास्ट्रक्चर, वेटिंग एरिया, पार्किंग और यात्रियों के बैठने तक की सुविधा नहीं है वहीं रात में पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधा भी नहीं है। साथ ही ओला-उबर वाले एक हजार तक वसूली करेंगे। इतना तो बस किराया नहीं होता। वहीं किसी महिला यात्री के साथ छेड़छाड़ और अनहोनी हो गई तो इसका जिम्मेदार कौन होगा।

बस ऑपरेटर्स का कहना है कि परिवहन विभाग की यह कार्यवाही एकतरफा और बिना वैकल्पिक व्यवस्था के की जा रही है। इस निर्णय में व्यवहारिकता और संवाद की पूरी तरह अनदेखी की गई है। निजी बसों की हड़ताल से आम यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ रही है। इसके अलावा रविवार को होने वाली लाइब्रेरियन परीक्षा के 80 हजार अभ्यर्थियों के सामने संकट खड़ा हो गया है वहीं रोडवेज की मात्र 3050 बसें पूरे प्रदेश में चल रही हैं जो यात्री भार उठाने के लिए नाकाफी है।

राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ को प्रतिष्ठित 'संसद रत्न अवार्ड' मिला

जयपुर। देश की संसदीय प्रणाली को सशक्त बनाने में विशिष्ट योगदान देने वाले राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ को इस वर्ष का "संसद रत्न अवार्ड" प्रदान किया गया है। यह सम्मान उन्हें संसद में उनके उत्कृष्ट कार्य, जनहित के मुद्दों पर सक्रियता और विधायी योगदान के लिए दिया गया। "संसद रत्न अवार्ड" देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में उत्कृष्ट संसदीय प्रदर्शन को मान्यता देने के उद्देश्य से प्रदान किया जाता है।

यह पुरस्कार प्रतिष्ठित पार्लियामेंट्री रिसर्च संस्था प्राइम पॉइंट फाउंडेशन द्वारा स्थापित किया गया है और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के आशीर्वाद से प्रारंभ किया गया था। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने संसद के सत्रों में लगातार उपस्थिति, प्रभावशाली बहसों, प्रश्नों और जनहित

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू (बीच में) ने मदन राठौड़ (बांये) को सम्मानित किया ।

- राज्यसभा की ओवरऑल कैटेगरी में प्रभावशाली योगदान और सक्रिय भूमिका के लिए सांसद मदन राठौड़ को दिया गया संसद रत्न अवार्ड

याचिकाओं के माध्यम से अपनी सक्रिय भूमिका निभाई है। उन्होंने विभिन्न सामाजिक एवं विकासात्मक मुद्दों को संसद में उठाया, जिससे आम जन की समस्याओं को राष्ट्रीय मंच मिला।

पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन नई दिल्ली के न्यू महाराष्ट्र सदन में आयोजित किया गया। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ को यह पुरस्कार प्रदान किया। इसमें देश भर के वरिष्ठ सांसद, नीति निर्माता, सामाजिक कार्यकर्ता एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सांसद मदन राठौड़ ने कहा, यह सम्मान प्रदेश की जनता की सेवा का परिणाम है। मैं सदैव जनहित और राष्ट्रहित में कार्य करता रहूंगा। यह पुरस्कार मुझे और अधिक जिम्मेदारी से कार्य करने की प्रेरणा देता है।

पूर्व सैनिकों तक पहुंचेगी निशुल्क विधिक सहायता

जयपुर। राष्ट्रीय विधि सेवा प्राधिकरण की ओर से पूर्व सैनिकों, सेवानिवृत्त सैन्यकर्मियों और उनके परिजनों को निशुल्क व सुलभ विधिक सहायता मुहैया कराने के लिए वीर परिवार सहायता योजना-2025 की शुरुआत की गई है। योजना को लेकर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से से राज्य सैनिक बोर्ड, जयपुर में भी विधिक सेवा क्लिनिक का शुभारंभ किया गया।

प्राधिकरण के सदस्य सचिव हरिओम अत्री ने बताया की योजना के तहत प्राधिकरण की ओर से प्रदेश के प्रत्येक जिले में जिला सैनिक बोर्ड के परिसर में विशेष विधिक सहायता क्लिनिक स्थापित किए जाएंगे। इसके माध्यम से पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों को न्याय की पहुंच सुनिश्चित हो सकेगी। इस मौके पर प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा ने कहा कि प्राधिकरण सैन्य कर्मियों और उनके परिवार के निरंतर सहयोगी रहेंगे।

तीज के अवसर पर यातायात व्यवस्था में बदलाव किया

जयपुर। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 27 व 28 जुलाई की शाम 6 बजे तीज माता की सवारी निकाली जायेगी। जिसके चलते 27 व 28 जुल को यातायात व्यवस्था निम्न प्रकार से रहेगी।

तीज माता की सवारी के दौरान सामान्य यातायात पुराना पुलिस मुख्यालय के पीछे व जलेब चौक में से होकर सिटी पैलेस की तरफ नहीं आ सकेगा। तीज माता की सवारी के दौरान सामान्य यातायात आतिश मार्केट व सार्दुल सिंह की नाल की तरफ से किसी भी प्रकार के वाहन सिटी पैलेस की तरफ नहीं आ जा सकेगें, तीज माता की सवारी के दौरान सामान्य यातायात चीनी की बुर्ज की तरफ से किसी भी प्रकार का ट्रैफिक आतिश बाजार तथा सिटी पैलेस की तरफ नहीं आ सकेगा।

तीज माता की सवारी के दौरान रामनिवास बाग चौराहा, न्यूगेट चौराहा से चौड़ा रास्ता में जाने वाले सामान्य यातायात को डायवर्ट कर समानान्तर मार्गो से संचालित किया जायेगा, तीज माता की सवारी के दौरान बड़ी चौपड से त्रिपोलिया की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को बडी चौपड से डायवर्ट कर समानान्तर मार्गो से संचालित किया जायेगा। तीज माता की सवारी त्रिपोलिया से निकलने के बाद चौडा रास्ता से आने वाले सामान्य यातायात को त्रिपोलिया से बडी चौपड की तरफ डायवर्ट किया जाएगा। तीज माता की सवारी त्रिपोलिया गेट से बाहर आने से पूर्व छोटी चौपड से त्रिपोलिया की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को छोटी चौपड से डायवर्ट कर समानान्तर मार्गो से संचालित किया जायेगा।

संजय सर्किल, चौगान चौराहा से छोटी चौपड की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को डायवर्ट कर समानान्तर मार्गो से संचालित किया जायेगा, तीज माता की सवारी चौगान चौराहा पर आने से पूर्व बारह भाईयों का चौराहा, लंगर के बालाजी, ब्रह्मपुरी बस स्टैण्ड से चौगान चौराहा की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को डायवर्ट कर समानान्तर मार्गो से संचालित किया जायेगा।

लाखों रुपए के गहने चुराये

जयपुर। जालूपुरा थाना इलाके में एक ज्वेलरी की दुकान में ग्राहक बनकर आया बदमाश नजर बचाकर लाखों रुपए कीमत के गहने चुरा ले गया। दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज में शातिर चोर की करतूत कैद मिली। पुलिस फुटेज के आधार पर चोर की तलाश कर रही है।

थानाधिकारी हवा सिंह ने बताया कि एमआई रोड स्थित जेएसआर ज्वेलरी दुकान में चोरी की वारदात हुई है। जहां शुक्रवार की दोपहर ज्वेलर का बेटा दुकान पर बैठा था। इस दौरान खरीदारी करने के बहाने एक व्यक्ति ग्राहक बनकर दुकान पर आया। सोने ज्वेलरी दिखाने के लिए कहा। बैग में रखी ज्वेलरी काउंटर पर रखकर दिखाई। ज्वेलरी दिखाने के दौरान बातों में उलझाकर शातिर बदमाश ने नजर बचाकर पैकेट में रखी ज्वेलरी चोरी कर ली। कुछ समय बाद पसंद नहीं आने की कहकर दुकान से चला गया। देर शाम ज्वेलरी काउंटिंग के दौरान सोने की 3 चीन, 4 मंगलसूत्र और 2 ईयर रिंग कम मिले।

जस्टिस शर्मा रालसा के कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत

जयपुर। राज्य सरकार ने राजस्थान हाईकोर्ट के वरिष्ठतम न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा को राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण का कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत किया है।

वे अपनी सेवानिवृत्ति तक इस पद पर बने रहेंगे। विधि विभाग ने सीजे केआर श्रीराम से परामर्श के बाद जस्टिस शर्मा का मनोनयन किया है।

राजस्थान आवासन मण्डल निशुल्क बांटेगा 54 हज़ार पौधे

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र के विस्तार की दिशा में सतत रूप से कार्य किया जा रहा है । मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मार्गदर्शन में हरियाली तीज के उपलक्ष्य पर पूरे प्रदेश में वनमहोत्सव मनाया जा रहा है जिसमें विभिन्न विभागों द्वारा रविवार को विशेष पौधारोपण एवं पौधा वितरण किया जाएगा । इस अवसर पर राजस्थान आवासन मण्डल भी राज्यभर में पौधरोपण और पौध वितरण का एक भव्य कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। पर्यावरण संरक्षण और जनजागरूकता को समर्पित इस अभियान के अंतर्गत मण्डल के 26 खण्ड कार्यालयों से कुल 54,600 पौधे निशुल्क वितरित किए जाएंगे, जिससे आमजन को प्रकृति से जुड़ने का सशक्त अवसर मिलेगा।

इस विशेष अवसर पर जयपुर में भी पौध वितरण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन रविवार सुबह 8 बजे से सिटी पार्क, मानसरोवर में किया जाएगा। इस आयोजन में आमजन, स्थानीय निवासियों, स्कूली बच्चों, सामाजिक संगठनों और हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी रहेगी। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल पौधे बांटना नहीं, बल्कि पर्यावरण के प्रति लोगों की सोच में स्थायी परिवर्तन लाना है। आवासन मण्डल सभी से यह अपील करता है कि वे अपने नजदीकी डिवीजनल कार्यालय से पौधा प्राप्त कर राज्य सरकार द्वारा चलाई गई इस हरित पहल का हिस्सा बनें और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करें।

सघन वृक्षारोपण एवं पौधों का निशुल्क वितरण किया

जयपुर। मालवीय नगर विकास महासमिति द्वारा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने तथा नागरिकों को वृक्षारोपण के प्रति जागरूक करने के लिए मालवीय नगर के बिभिन्न सेकटर पार्कों एवं सार्वजनिक स्थानों पर 100 फल एवं छायादार पौधे लगाये गये तथा 200 से अधिक छोटे एवं बड़े पौधों का निशुल्क वितरण किया गया। महासमिति के अध्यक्ष आर बी अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रेरणादायी नेतृत्व में संकल्प से सिद्धि की ओर बढ़ते हुए प्रदेश ने 'हरियालो राजस्थान वृक्षारोपण महाभियान' के रूप में एक नयी हरित क्रांति का सूत्रपात किया है। कार्यक्रम के अतिथि महासमिति के मुख्य संरक्षक महेन्द्र कुमार हल्दिया एवं हरीश गुप्ता तथा क्षेत्रीय पार्षद राम प्रसाद शर्मा ने कम से कम एक पौधा प्रत्येक नागरिक को लगाने का संदेश दिया और वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डाला। राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा ने जनहित के इस कार्य को सराहनीय बताया।

सामाजिक कार्यकर्त्ता बाबूलाल गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम में विभिन्न

मालवीय नगर के बिभिन्न सेकटर पार्कों एवं सार्वजनिक स्थानों पर 100 फल एवं छायादार पौधे लगाये।

समितियों से पधारे हुए जन प्रतिनिधियों ने पोधे ले जाकर अपने अपने श्रेत्र में पौधारोपण कर इनकी देखभाल का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में राजेन्द्र कुमार गुप्ता, इन्द्र मोहन अग्रवाल, उमा गोतम, सुधीर गुप्ता, जुगल किशोर अग्रवाल ने स्लोगन, गाने एवं कविताओं के माध्यम से वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण को वर्षा, आक्सीजन एवं प्राणियों के जीवन के लिए उपयोगी बताया। महासमिति के महामंत्री सतीश चंद गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नन्द किशोर स्वर्णकार, सचिव मुरारी लाल गुप्ता, अनिल सकसेना, एल एन कुमावत, गोतम शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया एवं पार्क में पौधारोपण के साथ पोधे वितरित भी किये।

इस अवसर पर देवेन्द्र खन्ना, मोहन लाल चावला, तेज करण पाराशर अरुण माथुर, आर सी कटारा, पी डी अरोड़ा, बाबू लाल गुप्ता, सुदर्शन सिंह शेखावत, रजनीश अग्रवाल, राजेश खंडेलवाल, सुरेन्द्र बिन्दल, युधिष्ठिर लाल शर्मा सतीश कुमार जैन, आर के व्यास एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

राजस्थान की बिखरी और उपेक्षित धरोहरों को संरक्षण दिलाने की पहल

- केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को लिखा पत्र

जयपुर। राजस्थान की पारंपरिक छतरियों, बावड़ियों, देवलियों और अन्य ऐतिहासिक स्मारकों को राजस्व रिकॉर्ड में विधिवत दर्ज कर कानूनी संरक्षण देने की मांग को लेकर सेव ऑवर हेरिटेज फाउंडेशन की ओर से उठाए गए प्रस्ताव को केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखा है।

फाउंडेशन की इस मांग को लेकर 21 जुलाई को संस्था के चेयरमैन अरिहंत सिंह चरड़ास ने मंत्री शेखावत को पत्र भेजा था। इससे पूर्व 22 जून को हुई एक ऑनलाइन बैठक में संगठन के संयोजक हुकम सिंह पड़ासला ने यह मुद्दा मंत्री के समक्ष रखा था, जिस पर मंत्री शेखावत ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजने का सुझाव दिया था।

फाउंडेशन ने अपने पत्र में बताया कि संवत 2012 (वर्ष 1955) के भूमि सेटलमेंट में राजस्थान के विभिन्न जिलों में स्थित अनेक धरोहरें-जैसे छतरियां, बावड़ियां, देवलियां आदि-सामान्य खातेदारी भूमि के अंतर्गत दर्ज हो गईं, जिससे उनके संरक्षण में व्यावधान उत्पन्न हो गया है। कानूनी दर्जे के अभाव में इन स्थलों पर अतिक्रमण, क्षरण और अवैध निर्माण की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं।

इसी सन्दर्भ में केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने 25 जुलाई को मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में आग्रह किया है कि इन धरोहर स्थलों को संवत 2012 से पूर्व की स्थिति के अनुसार राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाए। पत्र में कहा गया है कि यह राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम होगा।

अरिहंत सिंह चरड़ास ने उम्मीद जताई है कि केंद्र व राज्य स्तर पर समन्वय बनाकर राजस्थान की बिखरी और उपेक्षित धरोहरों को राजस्व अभिलेखों में स्थान दिलाया जाएगा, जिससे भविष्य की पीढ़ियों को इन विरासतों का गौरवशाली इतिहास देखने और समझने का अवसर मिल सके।

आयोग ने स्कूल की छत गिरने की घटना पर लिया संज्ञान

जयपुर । राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने झालावाड़ जिले के पीपलोदी गांव की राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय की छत गिरने की घटना पर स्वतः संज्ञान लेते हुए राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव, जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक झालावाड़ को शनिवार को नोटिस जारी कर तीन दिन में पूरे मामले की जांच एवं प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है।

आयोग ने प्रेस तथा इलेक्ट्रोनिक मीडिया में प्रकाशित समाचार, जिसमें राजस्थान के झालावाड़ जिले के मनोहरथाना ब्लॉक के पिपलोदी सरकारी स्कूल के भवन का एक हिस्सा गिरने से सात बच्चों की मृत्यु होने एवं नौ बच्चों के गंभीर रूप से घायल होने तथा कई बच्चों के मलबे में दबकर घायल होने से संबन्धित समाचार का स्वतः संज्ञान लिया है। इसमें कई बच्चे कथित रूप से अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति वर्ग के हैं।

आयोग ने इस घटना को अत्यंत गंभीरता से लिया है और इस संबंध में नोटिस जारी कर तीन दिन में पूरे मामले की जांच एवं प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है।

डोटासरा ने सांसदों एवं विधायकों से सरकारी स्कूल भवनों की मरम्मत के लिए आगे आने की अपील की

जयपुर । राजस्थान में झालावाड़ जिले में पीपलोदी गांव में सरकारी स्कूल की छत गिर जाने की हृदयविदारक घटना के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने प्रदेश के सभी सांसदों एवं विधायकों से राजनीति से ऊपर उठकर जनता के प्रति जनप्रतिनिधि की जवाबदेही का दायित्व निभाते हुए जीर्ण-शीर्ण सरकारी स्कूलों के भवन एवं अन्य जन उपयोगी भवन की मरम्मत एवं उन्हें ठीक कराने के लिए आगे आने की अपील की है ताकि भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो। डोटासरा ने शनिवार को इस संबंध में एक पत्र लिखकर प्रदेश के सांसद एवं विधायक जनप्रतिनिधियों से यह अपील की। उन्होंने कहा "यह वक्त पक्ष-विपक्ष का नहीं, जवाबदेही का है। आइए.. हम सब राजनीति से ऊपर उठकर जनता के प्रति जनप्रतिनिधि की जवाबदेही का दायित्व निभाएं और संवेदना से संकल्प का प्रण दोहराएं ताकि फिर किसी स्कूल से चीखें ना आएं, फिर किसी मां की गोद सूनी ना हो, फिर किसी परिवार का चिराग ना बुझे, फिर झालावाड़ जैसे हादसों की पुनरावृत्ति ना हो' उन्होंने अपील करते हुए कहा कि समस्त सांसद एवं विधायक जनप्रतिनिधि अपने संसदीय एवं विधानसभा क्षेत्रों में संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपीलैड) एवं विधानसभा सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमएलएलैड) से जर्जर स्कूल के भवनों, आंगनवाड़ी केन्द्रों एवं जन उपयोगी भवनों की प्राथमिकता से मरम्मत और सुदृढ़ीकरण के लिए आवश्यकता अनुसार राशि स्वीकृत कराने के लिए आगे आना चाहिए।

उन्होंने पत्र में लिखा कि पीपलोदी गांव की घटना हृदयविदारक है और भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो। इसलिए हम सभी का दायित्व बनता है कि हम सब लोकसभा एवं विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों एवं कस्बों में स्थित शासकीय विद्यालय भवन, आंगनबाड़ी केंद्र तथा अन्य जनउपयोगी भवन जो वर्तमान में अत्यंत जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है।

मोटर साईकिल चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

जयपुर। अशोक थाना पुलिस ने शातिर वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चार चोरी की मोटर साईकिलें बरामद की है। पुलिस न गिरफ्तार आरोपी से अन्य वाहन चोरी की वारदातों को लेकर गहनता से पूछताछ करने में जुटी है।

- आरोपी के कब्जे से चोरी की चार मोटरसाईकिल बरामद

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि 1 अप्रेल 2023 को परिवादी मुकेश चौधरी किरण बिहार, त्रिवेणी नगर निवासी ने मामला दर्ज कराया था कि उसने अपनी अपनी मोटरसाईकिल सुदर्शनपुरा ,22 गोदाम पर खड़ी थी। जिसे कोई अज्ञात चोर चुरा ले गया। मामला दर्ज कर पुलिस ने विशेष टीम की मदद से तेलीपाडा, बापू बाजार निवासी शाहरुख उर्फ बकरी (26) पुत्र नियाज अहमद को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चार चोरी की मोटरसाईकिल बरामद की है।

परिवहन निरीक्षक सुजानाराम चौधरी के 7 ठिकानों पर एसीबी का छापा

2.5 करोड़ (201 फीसदी) की संपत्ति अपनी वैध आय से अधिक अर्जित की

- एसीबी ने आय से अधिक संपत्ति के तहत मामला दर्ज किया

जयपुर/ जालोर। राजस्थान के सिरोही जिले में कार्यरत परिवहन निरीक्षक सुजानाराम चौधरी एक बार फिर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के घेरे में हैं। राज्य के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में आज सुबह माउंट आबू, जोधपुर, भीनमाल और सिरोही के सात ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की कार्वाई को अंजाम दिया।

एसीबी महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि ब्यूरो को एक गोपनीय शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें आरोप था कि परिवहन निरीक्षक सुजानाराम चौधरी ने वाहन पंजीकरण, लाइसेंस जारी करने, गुजरात बॉर्डर पर अवैध वसूली और वाहन निरीक्षण जैसी सेवाओं के बदले नियमित रूप से रिश्वत लेकर, अपनी और अपने परिजनों के नाम पर अपार चल-अचल संपत्तियां अर्जित की हैं। इन संपत्तियों का मूल्य करोड़ों रुपये बताया गया।

एसीबी ब्यूरो की इंटेलिजेंस शाखा ने जब इस शिकायत की गोपनीय तरीके से जांच की, तो चौधरी द्वारा माउंट आबू, जोधपुर, सिरोही और भीनमाल में रिहायशी व व्यावसायिक भूखंड, मकान और कोठियों की जानकारी सामने आई। इसके बाद तथ्यों का दस्तावेजी संकलन हुआ और जांच में यह सामने आया कि आरोपी ने लगभग 2.5 करोड़ (201 फीसदी) की संपत्ति अपनी वैध आय से कहीं अधिक अर्जित की है। इसके आधार पर एसीबी ने आय से अधिक संपत्ति के तहत मामला दर्ज कर, जयपुर के उप महानिरीक्षक अनिल कयाल के सुपरविजन में, पाली-द्वितीय के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खींव सिंह के नेतृत्व में एक दर्जन से अधिक टीमों के साथ आज सुबह एक साथ छापे मारे।

वहीं एसीबीको छापामारी की कार्यवाही से सुजाना राम के भीनमाल में आलीशान8000 वर्ग फीट में निर्मित शानदार कोठी, महंगे इंटीरियर के साथ 21 ब्रांडेड एसी, हाई-एंड फ्रिज, टीवी और लग्जरी फर्नीचर व संपत्ति का मूल्य कई करोड़ रुपये, तकनीकी विशेषज्ञ द्वारा मूल्यांकन जारी।

वही जोधपुर में पॉश लोकेशन आशापूर्णा सिटी, पाल गांव जैसी प्रीमियम कॉलोनी में एक और आलीशान कोठी।एसीबी की टीमों द्वारा तलाशी अभियान अभी भी जारी है। जांच पूरी होने के बाद सुजानाराम चौधरी पर अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया जाएगा। साथ ही, उनके द्वारा अर्जित की गई अवैध संपत्तियों को जब्त करने की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी।

रिटायर महिला व्याख्याता को बकाया भुगतान के आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने हनुमानगढ़ की पीजी कॉलेज से रिटायर महिला व्याख्याता को उसका जनवरी 2016 से जुलाई 2019 तक का बकाया वेतन और समस्त सेवानिवृत्त परिलाभ तीन माह में अदा करने को कहा है। जस्टिस सुदेश बंसल ने यह आदेश कृष्णा जैन की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि एक बार जब राज्य सरकार ने कॉलेज का अधिग्रहण कर लिया तो उस संस्था के समस्त दायित्वों की जिम्मेदारी भी राज्य सरकार की ही मानी जाएगी। यदि राज्य सरकार यह मानती है कि कॉलेज का अधिग्रहण साल 2020 में हुआ था तब भी 70 फीसदी देनदारी राज्य सरकार की बनती है और वह शेष तीस फीसदी कॉलेज की प्रबंध समिति से वसूल सकती है।

याचिका में अधिवक्ता सार्थक रस्तोगी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता हनुमानगढ के अनुदानित कॉलेज में राजनीति विज्ञान के व्याख्याता के तौर पर साल 1983 में नियुक्त हुई थी। उस समय वह अनुदानित कॉलेज था और राज्य सरकार से 70 फीसदी अनुदान प्राप्त करता था। वहीं साल 2013 में कॉलेज को राज्य सरकार ने अधिगृहित कर लिया।

25 हजार का इनामी तस्कर सागर धाकड़ गिरफ्तार

जयपुर । पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए भीलवाड़ा पुलिस द्वारा 8 अगस्त 2024 को मांडल में जब्त किए गए भारी मात्रा में डोडा चूरा के मामले से जुड़े 25 हजार के इनामी तस्कर सागर धाकड़ को गिरफ्तार कर लिया है। सागर धाकड़ करीब एक साल से फरार था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था। आखिरकार एजीटीएफ की विशेष टीम के हत्थे चढ़ गया।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स दिनेश एमएन ने बताया कि गत वर्ष 8 अगस्त को मांडल पुलिस थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक क्रेटा कार से 81.400 किलोग्राम अफीम डोडा चूरा जब्त किया था। इस कार्रवाई में मौके से गंगानगर निवासी सुखभाल सिंह और प्रकट सिंह नामक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस की शुरुआती जाँच में यह बात सामने आई कि यह मादक पदार्थ एक बड़े तस्करी नेटवर्क का हिस्सा है और इसमें सागर धाकड़ की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई। धाकड़ पर आरोप था

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने डोडा चूरा के मामले से जुड़े 25 हजार के इनामी तस्कर सागर धाकड़ को गिरफ्तार किया।

कि वह नागौर जिले में कई स्थानीय तस्करों को बेंगू थाना क्षेत्र से डोडा चूरा की सप्लाई करता था।

एडीजी एमएन ने बताया कि सागर धाकड़ बेहद शातिर अपराधी था। वह अपने पास कोई मोबाइल नहीं रखता था और घर के बजाय अधिकतर दूर खेतों में ही सोता था, ताकि पुलिस की पकड़ में न आ सके। एजीटीएफ की टीम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन में पिछले करीब दो महीने से सागर की तलाश में जुटी थी।

पुलिस निरीक्षक राम सिंह नाथावत के नेतृत्व में गठित टीम सदस्य कांस्टेबल गोपाल धाबाई व विजय सिंह को सटीक सूचना मिली कि सागर धाकड़ भीलवाड़ा के मांडलगढ़ इलाके में लाड़पुरा चौराहे के पास अपने किसी साथी का इंतजार कर रहा है। सूचना पर टीम ने तुरंत कार्रवाई की।

करौली के इनायती गांव के सरकारी विद्यालय की जर्जर छत गिरी, बड़ा हादसा टला

गनीमत रही कि हादसा स्कूल खुलने से पहले हुआ, जिससे बड़ी जनहानि टल गई

करौली, (निसं)। करौली जिले के सपोटरा में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय इनायती की जर्जर छत शनिवार को विद्यालय खुलने से पूर्व भरभराकर गिर गई। गनीमत रही की हादसा स्कूल खुलने से पहले हुआ जिससे बड़ी जनहानि टल गई। इनायती गांव के सरकारी विद्यालय की छत गिरने की आवाज से विद्यालय परिसर के आसपास लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों में भय का माहौल बन गया।

विद्यालय के प्राधानाचार्य संतराम मीणा ने हादसे की जानकारी तुरंत शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों को दी। हैरानी की बात यह रही कि सूचना के बावजूद कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। विद्यालय भवन की खराब हालत को लेकर पहले भी कई बार विभाग को अवगत कराया जा चुका था, लेकिन मरम्मत की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक इंद्रेश तिवारी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही एसीबीईओ को मौके पर भेजा गया है। पीओ से फोन पर बातचीत कर वस्तुस्थिति की जानकारी ली गई है। सभी स्कूलों को आवश्यक सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि गिरा हुआ कमरा पहले से क्षतिग्रस्त था, इसलिए उसमें छात्रों को नहीं बैठाया जा रहा था।

सपोटरा में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय इनायती की जर्जर छत शनिवार को विद्यालय खुलने से पूर्व भरभराकर गिर गई।

- **विद्यालय के प्राधानाचार्य संतराम मीणा ने हादसे की जानकारी तुरंत शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों को दी**
- **स्थानीय अभिभावकों और ग्रामीणों ने स्कूल भवन की तुरंत मरम्मत कराने मांग की**

गौरतलब है कि एक दिन पहले ही झालावाड़ जिले के पिपलोदी गांव में स्कूल की छत गिरने से सात बच्चों की मौत हो चुकी है। इससे यह मामला और अधिक संवेदनशील हो गया है। स्थानीय अभिभावकों और ग्रामीणों ने मांग की है कि स्कूल भवन की तुरंत मरम्मत कराई जाए। जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोहराई न जाए। इधर इनायती गांव के विद्यालय की छत गिरने के बाद जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना ने शनिवार को करसाई, राजौर, अतैवा एवं कैलादेवी क्षेत्र के विभिन्न राजकीय स्कूलों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय परिसरों की स्थिति का जमीनी स्तर पर जायजा लेते हुए समस्त शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सक्सेना ने मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी गोपाललाल मीणा सहित समस्त शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले के समस्त विद्यालय परिसरों की छतों की साफ-सफाई तत्काल प्रभाव से करवाई जाए।

180 कार्टन शराब पकड़ी, तीन गिरफ्तार

चावल के कट्टों के बीच छिपाकर हरियाणा से गुजरात भेजी जा रही थी अवैध शराब

बीकानेर, (निसं)। हरियाणा से राजस्थान होते हुए गुजरात भेजी जा रही अवैध अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप को बीकानेर रेंज पुलिस और नापासर थाने की संयुक्त टीम ने जब्त कर लिया। मुखबिर की सूचना पर भारतमाला सड़क मार्ग पर एक ट्रक को रुकवाकर जांच की गई, जिसमें चावल के करीब 900 से 1000 कट्टों के बीच छिपाकर रखी गई 180 कार्टन अवैध अंग्रेजी शराब पकड़ी। वहीं पुलिस ने तीन जनों को गिरफ्तार किया है।

यह कार्रवाई आईजी ऑफिस बीकानेर के सब इंस्पेक्टर देवीलाल और नापासर थाने के एएसआई जगदीश कुमार के नेतृत्व में की गई। ट्रक चालक कुलविंदर सिंह जट सिख, सह चालक गुरभान सिंह जट सिख, सर्वजीत सिंह, (तीनों पंजाब निवासी) को मौके पर गिरफ्तार किया गया। जब्त शराब में विभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी शराब शामिल है, जिसे बड़ी चतुराई से चावल के कट्टों में छुपाकर ले जाया जा रहा था। पुलिस ने नापासर थाने में आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। प्राथमिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी काफी समय से इस तरह की तस्करी में संलिप्त थे और चावल के कट्टों की आड़ में शराब की आपूर्ति की जा रही थी।

बीकानेर रेंज पुलिस की स्पेशल टीम की यह कार्रवाई प्रदेश में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है। पुलिस विभाग ने आमजन से सहयोग की अपील करते हुए युवाओं को नशे से दूर रखने और अपराधियों की सूचना देने की अपील की है। देवीलाल सारण सब इंस्पेक्टर आईजी ऑफिस, लक्ष्मण सिंह नापासर थानाधिकारी, जगदीश कुमार एएसआई नापासर, आईजी ऑफिस से हेड कॉन्स्टेबल विमलेश कुमार, कांस्टेबल आत्माराम, कॉन्स्टेबल बाबूलाल, कॉन्स्टेबल आरिफ हुसैन, कॉन्स्टेबल सीताराम सभी रेंज ऑफिस बीकानेर की टीम शामिल रहे।

झालावाड़ स्कूल हादसा : शिक्षा विभाग की तथ्यात्मक रिपोर्ट सामने आई

बीकानेर, (निसं)। झालावाड़ के राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल पिपलोदी में छत गिरने के मामले में शिक्षा विभाग की तथ्यात्मक रिपोर्ट चौंकाने वाली है। विभाग ने सारी जिम्मेदारी ग्राम पंचायत पर डाल दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जो कमरे ग्राम पंचायत ने बनाए थे, वो क्षतिग्रस्त हुए हैं।

- **विभाग ने सारी जिम्मेदारी ग्राम पंचायत पर डाल दी है, रिपोर्ट में कहा गया है कि जो कमरे ग्राम पंचायत ने बनाए थे, वो क्षतिग्रस्त हुए हैं**
- **रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि स्कूल भवन का निर्माण साल 1994 में मनपसर ग्राम पंचायत ने करवाया था, ये ही हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है**
- **रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2011 में सर्व शिक्षा अभियान के तहत बना एक कमरा पूरी तरह सुरक्षित है**

शिक्षा विभाग की ओर से बनाए गए कमरे पूरी तरह सुरक्षित है। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि स्कूल में कार्यरत किसी शिक्षक ने भवन के किसी हिस्से के गिरने की संभावना कभी व्यक्त नहीं की गई। उधर, प्रारम्भिक एवं माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट आज प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों से जर्जर भवनों के बारे में रिपोर्ट मांग रहे हैं। मनोहर का थाना के मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि स्कूल के संस्थान प्रधान ने जीर्ण-शीर्ण या मरम्मत के लिए स्थानीय कार्यालय को कोई प्रस्ताव नहीं भेजा था। कार्यरत शिक्षकों ने भी कभी भवन की असुरक्षा स्थिति की संभावना व्यक्त नहीं की।

रिपोर्ट में कहा गया है कि स्कूल भवन का निर्माण साल 1994 में मनपसर ग्राम पंचायत ने करवाया था। ये ही हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है, जबकि वर्ष 2011 में सर्व शिक्षा अभियान के तहत बना एक कमरा पूरी तरह सुरक्षित है। सवाल ये उठ रहा है कि शिक्षा विभाग के अधिकारियों को हर महीने तय स्कूलों का निरीक्षण करना होता है। इसके लिए अधिकारियों को ऑनलाइन आदेश दिया जाता है। स्कूल का निरीक्षण होता है और उसकी रिपोर्ट निदेशालय तक आती है। इन अधिकारियों की रिपोर्ट में ये सब आया या नहीं पिछले सालों में क्या शिक्षा विभाग का कोई अधिकारी यहां निरीक्षण करने नहीं पहुंचा। अगर गया है तो उसने जर्जर अवस्था की रिपोर्ट क्यों नहीं की।

रिपोर्ट में कहा गया है कि लगातार अतिवृष्टि के कारण स्कूल भवन की पिछली दीवार की नींव में पानी भराव होने के कारण कमजोर हो गई। रिपोर्ट में ये नहीं बताया गया कि पानी पिछले कितने दिनों से भरा हुआ था और टीचर्स ने इसे क्यों नहीं देखा सुबह 7.40 बजे राउप्रावि पिपलोदी में प्रार्थना सभा के लिए कक्षा छह व सात के स्टूडेंट्स को इसी कक्ष में एकत्र किया गया। इसी दौरान छत गिर गई। घटना के बाद भी शिक्षा विभाग पूरी तरह हरकत में रहा। प्रारम्भिक व माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने सभी जिलों के जिला शिक्षा अधिकारियों की वीडियो कांफ्रेसिंग पर बात की। जर्जर स्कूलों के बारे में रिपोर्ट लेने के साथ ही मरम्मत करने के प्रस्ताव भी मांगे गए हैं।

स्कूल हेड मास्टर को प्रस्ताव बनाकर ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को देना होता है। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी इसे मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को भेजता है। जहां से मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी को प्रस्ताव भेजे जाते हैं। जो समग्र शिक्षा अभियान को ये प्रस्ताव भेजे जाते हैं। जहां पर नियुक्ति जेईएन अपने जिले के स्कूल का निरीक्षण करता है। मरम्मत की जरूरत होती है तो मरम्मत की जाती है, अन्यथा उसे ध्वस्त करने की कार्रवाई की जाती है।

क्षेत्र के विधायक और सांसद अपने कोटे से राशि स्वीकृत कर सकते हैं। ये राशि जिला पारिषद के माध्यम से खर्च होती है। जिला पारिषद चाहे तो सार्वजनिक निर्माण विभाग के माध्यम से या फिर किसी अन्य सरकारी एजेंसी से निर्माण या मरम्मत करवा सकती है। मुख्यमंत्री के विशेष कोटे से भी सरकारी स्कूलों में निर्माण और मरम्मत कार्य होते रहे हैं। इसके लिए संबंधित विधायक प्रयास करके बजट स्वीकृत करा सकता है। समग्र शिक्षा अभियान के तहत प्रदेश के किसी भी स्कूल में मरम्मत और निर्माण कार्य होता है। इसके लिए विभाग में जेईएन, एईएन, एक्सईएन की पोस्ट है। इसके बाद भी कोई इंजीनियर अपने स्तर पर स्कूलों का निरीक्षण करके मरम्मत की स्थिति को नहीं देखता है। प्रस्ताव आने पर ही आगे काम किया जाता है।

सड़क हादसे में नर्सिंग छात्र की मौत

उदयपुर, (निसं)। शहर के बड़गांव थाना क्षैत्र में ट्रेलर की चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई तथा उसका चचेरा भाई घायल हो गया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार सांय बडगांव थाना क्षेत्र बरोडिया नाका होटल भव्या के समीप ट्रेलर ने बाइक को चपेट में ले लिया। हादसे में बाइक सवार मेघवालों का मोहल्ला टेकण कूण थाना लसाड़िया सलूम्बर निवासी महेश कुमार (25) पुत्र सवाईलाल मेघवाल तथा उसका चचेरा भाई बाइक चालक नारायण पुत्र देवीलाल मेघवाल घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया, जहां महेश की मौत हो गई। सूचना मिलने पर हेडकांस्टेबल उम्मेदसिंह झाला ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

- **हादसे में चचेरा भाई घायल हो गया**

महेश भीलों का बेदला स्थित पैसिफिक कॉलेज से नर्सिंग कोर्स कर रहा था। वह अपने चचेरे भाई नारायण के साथ बाइक पर बैठ कर गोगुन्दा से उदयपुर की तरफ आ रहा था, जहां बीच रास्ते में हादसा हो गया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

नर्सिंग केयर सेंटर से नशीली व प्रतिबंधित दवाईयां जब्त

नर्सिंग केयर सेंटर पर केन्द्रीय नारोक्टीक्स ब्यूरो ने छापा मारकर नशीली दवाईयां पकड़ी।

कोटा, (निसं)। प्रदेश में अवैध मादक पदार्थ एवं नशीली दवाओं के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत् सूचना पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) जयपुर के अधिकारियों की टीम ने मालपुरा बस स्टैंड, जिला टोंक स्थित एक नर्सिंग केयर सेंटर पर छापामार कार्रवाई करते हुए टीम ने तस्करी की गई प्रतिबंधित ट्रामाडोल 11520 कैप्सूल, ट्रामाडोल 270 गोलियाँ और प्रतिबंधित अल्प्राजोलम 5010 गोलियाँ बरामद की तथा एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल के निर्देशन में की गई।

उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली थी कि मालपुरा बस स्टैंड पर एक नर्सिंग केयर सेंटर चलाने वाले व्यक्ति द्वारा अपने नर्सिंग केयर सेंटर से अवैध रूप से नशीली दवाओं का स्टॉक रखकर और आपूर्ति की जा रही है। उक्त सूचना पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) जयपुर के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई और टीम को मौके के लिये रवाना किया गया। गठित टीम द्वारा उक्त नर्सिंग केयर सेंटर पर छापा मारा गया, टीम ने तलाशी के दौरान अवैध रूप से स्टॉक की गई नशीली दवाएं ट्रामाडोल 11520 कैप्सूल, ट्रामाडोल 270 टैबलेट और अल्प्राजोलम 5010 टैबलेट बरामद की। टीम ने मौके पर कानूनी औपचारिकताएँ पूरी करने के बाद, बरामद प्रतिबंधित नशीली दवाओं को जब्त किया और एनडीपीएस एक्ट में कार्यवाही करते हुए उक्त व्यक्ति को गिरफ्तार किया। मामले में आगे की जांच प्रकिया जारी है।

गंभीर नदी में नहाने गया युवक डूबा, नहीं लगा सुराग

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के उच्चैन थाना इलाके में गंभीर नदी में नहाने गया एक 22 साल का युवक डूब गया। पांच घंटे के सर्च ऑपरेशन के बाद भी युवक का कुछ पता नहीं लग पाया है।

- **पांच घंटे के सर्च ऑपरेशन के बाद भी युवक का कुछ पता नहीं लग पाया**
- **युवक को एक स्टूडेंट ने डूबते हुए देखा, शोर मचाया तो मौके पर लोग इकट्ठे हुए**

युवक को एक स्टूडेंट ने डूबते हुए देख लिया था, जिसके बाद उसने शोर मचाया तो, मौके पर लोग इकट्ठे हो गये। उन्होंने युवक के परिजनों को घटना की सूचना दी। उच्चैन पुलिस ने बताया कि सेवला हेड से केवलादेव नेशनल पार्क के लिए गंभीर नदी के रास्ते से पानी छोड़ा जा रहा है। मंगल सिंह (22) निवासी बरकोली गंभीर नदी में नहाने के लिए गया था। नहाते समय वह अचानक गंभीर नदी में डूबने लगा। जब मंगल सिंह डूब रहा था तो, उसने खुद को बचाने के लिए आवाज लगाई। इस दौरान वहां से एक स्टूडेंट स्कूल जा रहा था। स्टूडेंट ने मंगल सिंह को डूबते हुए देखा तो उसने भी शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर इकट्ठे हो गए।

बचाव दल ने रेस्क्यू अभियान शुरु किया।

तब तक मंगल पानी में डूब चुका था। लोगों ने बरकोली गांव में जाकर घटना के बारे में बताया, जिसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों को बुलाकर मंगल को सर्च करवाया। सर्च ऑपरेशन के बाद भी मंगल सिंह का कुछ पता नहीं लगा।

बीसलपुर बांध में डूबे युवक का शव मिला

टोंक, (निसं)। बीसलपुर बांध में डूबे राजू जाट निवासी गांव जेठानी का शव शनिवार को एसडीआरएफ ने निकाला और देवली अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

जानकारी के अनुसार युवक गुरुवार शाम को अपने दोस्तों के साथ बांध पर आया था और नहाते समय डूब गया था। स्थानीय प्रशासन और एसडीआरएफ की टीम ने गुरुवार शाम और शुक्रवार को पूरे दिन युवक की तलाश की, अंधेरा होने के कारण सर्च अभियान रोकना पड़ा था, शनिवार सुबह फिर से तलाश शुरू की गई और शव मिल गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक का शव घटनास्थल से लगभग 100 मीटर दूर मिर्ची की झाड़ियों में फंसा हुआ था। तीन दिन में शव फूलकर ऊपर आ गया, जिसे एसडीआरएफ टीम ने बाहर निकाला और देवली अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

जानलेवा हमले के आरोपी तक सर्वेयर बनकर पहुंची पुलिस, आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। कैथून थाना इलाके में जानलेवा हमले के मामले में पिछले डेढ़ साल से फरार चल रहे आरोपी तक पहुंचने के लिये मुखबीर की सूचना पर पुलिस टीम ने मलेरिया, डेंगू सर्वेयर बनकर आरोपी के बारे में जानकारी जुटाई और टीम ने फरार 10 हजार के इनामी आरोपी समीर को बनेठा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया।

- **जानलेवा हमले के मामले में पिछले डेढ़ साल से फरार चल रहा था आरोपी**
- **आरोपी इतना शातिर था कि वह पुलिस टीम के पहुंचने से पहले ही फरार हो जाता था**

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 19 मार्च 2024 को फरियादी शौकत अली ने न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कैथून पुलिस को पर्चा बयान दिया था। फरियादी ने कहा था कि उसके पास उसके बेटे का फोन आया कि मस्जिद के पास कुछ लोगों ने उसको घेर रखा है और जब वह मौके पर पहुंचा तो शहजाद, उसके लड़के समीर, सलमान एवं शोयेब आदि ने मारपीट की व चाकू गण्डासी से जानलेवा हमला कर दिया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये टीम गठित कर दबिश दी गई। ग्रामीण एसपी ने बताया कि टीम ने कार्रवाई करते हुए पूर्व में आरोपी सलमान, शोयेब, अयान एवं साबिर को गिरफ्तार कर लिया था पर आरोपी समीर वारदात के बाद से ही परिवार सहित फरार हो गया था, जिसकी गिरफ्तारी को लेकर टीम ने जगह-जगह दबिश दी, पर आरोपी इतना शातिर था कि वह पुलिस टीम के पहुंचने से पहले ही फरार हो जाता था। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरार आरोपी पर 10 हजार के ईनाम की घोषणा की गई एवं आरोपी की गिरफ्तारी के लिये ग्रामीण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकल्याण मीणा के सुपरविजन में पुलिस अधीक्षक राजेश ढाका के नेतृत्व में कैथून थानाधिकारी संदीप शर्मा व साईबर सेल के सहायक उपनिरीक्षक भुपेन्द्र सिंह को शामिल कर टीम गठित की गई। ग्रामीण एसपी ने बताया कि गठित टीम के सदस्यों ने तकनीकी अनुसंधान व मुखबीर की सूचना तंत्र पर टोंक, जयपुर व सवाईमाधोपुर में संभावित स्थानों पर दबिश दी।

ग्रामीण एसपी ने बताया कि टीम को मुखबीर से फरार आरोपी समीर के बारे में टोंक शहर एवं थाना बनेठा क्षेत्र के ग्राम सूथरा में फरारी काटने की सूचना प्राप्त हुई जिस पर टीम को मौके के लिये रवाना किया गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि आरोपी के बारे में जानकारी जुटाने के लिये टीम के सदस्यों ने मलेरिया, डेंगू सर्वेयर बनकर आरोपी के संबध में जानकारी जुटाई एवं बाद में पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए फरार आरोपी लाड़पुरा निवासी समीर (23) को बनेठा थाना क्षेत्र से डिटेन कर प्रकरण में गिरफ्तार किया।

अजमेर शहर में ढाई इंच बारिश हुई

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर में करीब 60 मीमी (ढाई इंच) वर्षा दर्ज हुई। बारिश शुरू होते ही नगर निगम अजमेर की तकनीकी शाखा एवं स्वास्थ्य शाखा के अधिकारी सहित कर्मचारियों द्वारा शहर का दौरा किया गया।

स्वास्थ्य अधिकारी पृथ्वीराज सिंह ने बताया कि नगर निगम आयुक्त के निर्देश पर शनिवार को बारिश के बाद अधिकारियों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया और वर्तमान में वरूणसागर झोल पर जल की निकासी बांडी नदी की ओर जारी है एवं आनासागर झील का जल स्तर 11 फीट 9 इंच है। बांडी नदी अपने उच्चतम जल स्तर से 2.5 फिट नीचे चल रही है, क्योंकि आनासागर से वर्षा जल निकासी की जा रही है। वहीं सभी निचली बस्तियां जिसमें वर्षा जल भराव की स्थिति उत्पन्न हुई, वहां जल निकासी के लिए नगर निगम द्वारा मडपम्प लगावाए गए है। जिला कलेक्टर लोकबंधु ने बजरंगगढ चौराहा, सागर विहार क्षेत्र, बांडी नदी के आस-पास क्षेत्र का मौका निरीक्षण किया एवं सामान्य स्थिति बनाये रखने के निर्देश दिये।

इसके अतिरिक्त मलूसर बावडी में मंदिर की जर्जर अवस्था की छत लटकने की सूचन प्राप्त होते ही नगर निगम की टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर जर्जर भवन व मंदिर में से सभी किमती सामान निकलवाते हुए जर्जर हिस्से को तोड़कर मलबा इत्यादि हटवाया गया। चौरसियावास तालाब पर चल रही चादर पर आमजन की सुरक्षा हेतु दमकल को तैनात किया गया।

हथियारबंद बदमाशों ने साढ़े तीन लाख के जेवर सहित नगदी लूटी

चोरों ने मकान में लड़की के जागने पर सिर पर हथियार लगाकर जान से मारने की धमकी दी

रुदावल/भरतपुर, (निसं)। गांव सिंघाडा में रात्रि को अज्ञात चोर एक मकान में चोरी के लिए घुस गए। जब लड़की जागी तो बदमाश उसके सिर पर हथियार लगाकर जान से मारने की धमकी देकर घर में रखे सोने-चांदी के जेवर व तीन हजार रुपए की नकदी लूटकर ले गए। जेवर की कीमत साढे तीन लाख रुपए बताई गई है। घटना की सूचना पर पुलिस उपाधीक्षक नीरज भारद्वाज व थाना प्रभारी बालकृष्ण मय जाब्ता के मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। साथ ही एफएसएल की टीम ने मौके से साक्ष्य लिए हैं।

- **घटना की सूचना पर पुलिस उपाधीक्षक व थाना प्रभारी मय जाब्ता के मौके पर पहुंचे**

रुदावल थाना प्रभारी बालकृष्ण फौजदार ने बताया कि गांव सिंघाडा निवासी भूरीसिंह पुत्र भोलाराम जाटव ने मामला दर्ज कराते हुए बताया कि उसका मेडिकल वाली गली के पास मकान है। रात्रि को उसके दो बच्चे सो रहे थे। रात्रि करीब 1 बजे 6-7 हथियारबंद बदमाश घर में अंदर घुस गए। जब उसकी लड़की की आंखें खुली तो दो बदमाशों ने लड़की के सिर पर देशी कट्टा रख दिया और जान से मारने की धमकी दी। दो-तीन बदमाश चोरी करने लग गए। बदमाशों ने अलमारी के लॉकर की चाबी मांगी। जब लड़की ने चाबी नहीं होना बताया तो बदमाशों ने अलमारी व बक्सा के लॉक को तोड़ दिया। बदमाश अलमारी में रखे सोने की नथ, टीका, पेन्डल व चांदी की कोधनी, पायजेब, साट, तोडिया, नाक की लौंग और 4 अंगूठी, 2 माला, 6 जोड़ी चुटकी और तीन हजार रुपए निकाल लिए। चोरी हुए जेवरात की कीमत साढे तीन लाख है। रुदावल थाना प्रभारी बालकृष्ण ने बताया कि घटनास्थल का मौका मुआयना कर एफएसएल ने साक्ष्य ले लिए हैं। घटना का खुलासा करने के लिए एक टीम गठित की गई है।

करंट से अधेड़ की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र स्थित बापू नगर के शिव मंदिर पार्क में पार्क की देखरेख करने वाले बाबूलाल मीणा (41) पिता राम नारायण मीणा जहाजपुर निवासी जो हाल में बीलिया क्षेत्र में रह रहा था जिसकी पार्क में घास काटते समय करंट लग गया। जिसे तुरंत महात्मा गांधी जिला चिकित्सालय लाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को महात्मा गांधी चिकित्सालय में स्थित मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया। वहीं परिजन व समाज के लोगों द्वारा शनिवार को उचित मुवावजे की मांग व एक संविदा नौकरी की मांग को लेकर मोर्चरी के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया। काफी समय तक चले प्रदर्शन के बाद प्रताप नगर थाना एसएचओ व भीमगंज थाना प्रभारी द्वारा समझाइश के प्रयास के बाद उचित मुआवजा मिलने पर प्रदर्शन समाप्त किया गया।

प्रिंस बैरवा बने हेरिटेज निगम के वार्ड 66 के बाल पार्षद

जयपुर। नगर निगम हेरिटेज, फ्यूचर सोसायटी और डिजिटल बाल मेला की ओर से आयोजित हो रहे बाल पार्षद अभियान के तहत अब बाल पार्षदों का चुनाव शुरू हो चुका है। निगम की महापौर कुसुम यादव ने अपने कार्यालय में विभिन्न विद्यालयों के बच्चों के विचारों को सुना और उनमें से प्रिंस बैरवा की बात से प्रभावित होकर बाल निगम सभा के लिए उनके नाम का चयन किया है। वार्ड 66 के प्रिंस बैरवा मंडी खटीकान की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की कक्षा 7 के विद्यार्थी हैं। प्रिंस ने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक जागरूकता को लेकर जो दृष्टिकोण और सहभागिता दिखाई, उसने महापौर को प्रभावित किया। ऐसे में प्रिंस को वार्ड 66 का बाल पार्षद चुना गया है।

इस अवसर पर महापौर कुसुम यादव ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल एक चुनाव नहीं, बल्कि एक संदेश है कि हर बच्चा हमारे समाज की रीढ़ है। आज के बाल पार्षद ही कल के नेता, डॉक्टर, इंजीनियर और समाजसेवी बनेंगे।

उन्होंने खुशी जताते हुए कहा कि बच्चों के जरिए स्वच्छता का संदेश समाज के हर हिस्से तक पहुंचा है। बच्चे अपनी आवाज को अपने वार्ड के विकास के लिए बुलंद कर रहे हैं।

'स्कूलों के बच्चे हमारी जिम्मेदारी, लापरवाह शिक्षकों, अधिकारियों पर होगी कार्रवाई'

शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने पीपलोदी स्थित राजकीय विद्यालय की छत गिरने की घटना के बाद शिक्षा विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली।

- **समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए संवेदनशीलता के साथ बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश**

जयपुर। स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने कहा कि विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चे हमारी जिम्मेदारी हैं और इस बात को सभी शिक्षक व अधिकारी पूरी संवेदनशीलता के साथ समझें। शासन सचिव ने स्पष्ट किया कि जो भी शिक्षक या अधिकारी लापरवाही करेंगे उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शासन सचिव ने कहा कि सभी पीईईओ अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले राजकीय विद्यालयों में हर कमरे की भौतिक रिपोर्ट 30 जुलाई तक निर्धारित प्रपत्र में भिजवाएं। चाहे कोई कक्ष जर्जर है या नहीं, हर कक्ष की भौतिक रिपोर्ट भेजना आवश्यक है। इस रिपोर्ट के संकलन और बाद में मॉनिटरिंग के लिए उन्होंने डीओआईटी के सहयोग से जिओ टैगिंग आधारित एप बनाने के निर्देश दिए।

शासन सचिव झालावाड़ जिले के पीपलोदी स्थित राजकीय विद्यालय की छत गिरने की घटना के बाद शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिक्षा विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ले रहे थे। उन्होंने ऐसे मामलों में कार्रवाई होने पर राजनीति न करने और अपनी जिम्मेदारी समझने का स्पष्ट संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि स्कूल परिसर के साथ ही बच्चों के घर से स्कूल आने-जाने के मार्ग पर भी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें। बारिश के मौसम में रास्ते में जलभराव की स्थिति होने पर अतिरिक्त सावधानी बरतें और खतरे की सूचना तुरंत प्रशासन को दें। शासन सचिव ने हर विद्यालय में प्राथमिक चिकित्सा सुविधा तैयार रखने और प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण के निर्देश भी दिए।

कुणाल ने कहा कि दुर्घटना का शिकार हुए हर मृतक बच्चे के परिजनों को को राज्य सरकार की ओर से 10 लाख रुपए की सहायता दी जाएगी। साथ ही कक्षा कक्षों का नाम इन बच्चों के नाम पर रखा जाएगा। कृष्ण कुणाल ने अगले 7-8 दिन तक शोक स्वरूप विभागीय कार्यालयों में किसी भी प्रकार के आयोजन नहीं करने के निर्देश दिए।

शासन सचिव ने दुर्घटना में घायल बच्चों की उचित सार संभाल के लिए झालावाड़ के जिला अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसी कोई भी घटना होने पर किसी भी विभागीय औपचारिकता में फंसने के बजाय तुरंत मौके पर पहुंचें और जरूरी कदम उठाएं। साथ ही अपने आस पास की ऐसी घटना के प्रति पूर्ण जागरुक रहते हुए तुरंत उच्च स्तर पर सूचित करने को कहा। उन्होंने सभी विद्यालयों में डिजास्टर मैनेजमेंट की ट्रेनिंग दिए जाने, भारी बारिश की स्थिति में स्कूल बंद करने की प्रक्रिया तुरंत शुरू करने सहित अन्य निर्देश भी दिए।

बैठक के दौरान जानकारी दी गई कि विद्यार्थियों व महिला कार्मिकों की सुरक्षा के मद्देनजर गरिमा हेल्पलाइन पर सीधे सूचना दी जा सकेगी।

जिस पर त्वरित कार्रवाई की जा सकेगी। इसकी जानकारी के लिए विद्यालयों व कार्यालयों में सूचना चस्पा की जाएगी।

स्वदेशी जागरण मंच का आयोजन आज

- **स्वदेशी विचार वर्ग में संगठन की कार्य पद्धित रीति नीति,स्वदेशी भाव जागरण, स्वावलंबन,एवं देश में चल रहे स्वदेशी सुरक्षा एवं स्वावलंबन अभियान की योजना बनाई**

जयपुर। स्वदेशी जागरण मंच का 27 जुलाई रविवार को एक दिवसीय स्वदेशी विचार वर्ग का आयोजन आर्च कॉलेज ऑफ डिजाइन एंड बिजनेश, मालवीय नगर जयपुर मे आयोजित होगा।

जयपुर विभाग संयोजक दिनेश चंद्र शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि जयपुर सांगानेर महानगर का एक दिवसीय विचार वर्ग के आयोजन में स्वदेशी जागरण मंच राजस्थान के क्षेत्र संयोजक डॉ सतीश आचार्य संघ के जयपुर महानगर प्रचारक प्रशांत कुमार क्षेत्र प्रचार प्रमुख श्री सुदेश सैनी प्रांत सह संयोजक लोकेंद्र सिंह नरूका का प्रबोधन होगा। स्वदेशी विचार वर्ग में संगठन की कार्य पद्धित रीति नीति,स्वदेशी भाव जागरण, स्वावलंबन,एवं देश में चल रहे स्वदेशी सुरक्षा एवं स्वावलंबन अभियान की योजना बनाई जाएगी।

स्वदेशी विचार वर्ग की पूर्व तैयारी हेतु बैठक आयोजित की गई जिसमें प्रांत कोष प्रमुख ओम प्रकाश कुमावत, जयपुर विभाग सह संयोजक रामप्रसाद शर्मा

जयपुर महानगर संयोजक शंभू सिंह राजावत,जयपुर महानगर सह संयोजक विनोद कुमार शर्मा योगेन्द्र सिंह नरूका,सांगानेर महानगर संयोजक शेर सिंह सांगानेर महानगर सह संयोजक विनय शर्मा, जितेंद्र मलवा जयपुर महानगर महिला सह कार्य प्रमुख पूजा पाटीदार,विद्याधर भाग संयोजक ऋषिराज सिंह विद्याधर भाग सह संयोजक डॉ राजेश शर्मा मानसरोवर भाग संयोजक डॉ राजेश कुमार शर्मा मानसरोवर भाग संयोजक हनुमान पाल जादौन उपस्थित रहे।

महिला के गले की चेन तोड़ भागे बाइक सवार बदमाश

जयपुर। शिप्रापथ थाना इलाके में दीवार कूदकर आए बदमाश ने सहेलियों के साथ पार्क बैठी महिला के गले से सोने की चेन तोड कर बाइक सवार साथी के साथ लूट की वारदात कर फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और वारदातस्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेजों को खंगालने के साथ बाइक सवार लुटेरों की तलाश कर रही है।पुलिस ने बताया कि मानसरोवर के एसएफएस निवासी विजय बन्ना ने मामला दर्ज करवाया है कि एसएफएस के पास सेक्टर-5 में पृथ्वीराज उद्यान है, जहां शाम को उसकी मां अपनी सहेलियों के साथ बैंच पर बैठी थी। इस दौरान आपस में बातचीत करते समय बाइक सवार दो लड़के पार्क के पास घूमने लगे। पार्क की दीवार कूदकर एक लड़का अंदर आया।

ग्रुप में बैठकर बातचीत करते समय उसकी मां के गले पर झपट्टा मारकर सोने की चेन तोड़ ली। शोर मचाने पर वह दीवार कूदकर पार्क के बाहर बाइक लेकर खड़े साथी के साथ फरार हो गया। चेन स्नेचिंग की सूचना पर पुलिस सूचना पर पहुंची।

हेरिटेज निगम एक दिन में डेढ़ लाख पौधे लगाएगा

पौधों की जिओ टैगिंग फोटो भी पोर्टल पर अपलोड की जाएगी

- **एक दिन में विभिन्न स्थानों पर रो पे जाएंगे डेढ़ लाख पौधे**
- **हेरिटेज निगम के चारों जोन में पौधरोपण के लिए चला युद्ध स्तर पर कार्य**
- **महापौर कुसुम यादव और आयुक्त डॉ निधि पटेल ने लिया विशेष लक्ष्य**

जयपुर। राज्यस्तरीय हरियालो राजस्थान अभियान में हेरिटेज निगम की ओर से एक दिन में डेढ़ लाख पौधे लगाए जाएंगे। खास बात ये है की इन सब पौधों की जिओ टैगिंग फोटो भी पोर्टल पर अपलोड की जाएगी।

हेरिटेज निगम आयुक्त डॉ निधि पटेल खुद इस अभियान की मॉनिटरिंग कर रही है। एक दिन में डेढ़ लाख पौधे एक साथ लगाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए हेरिटेज निगम के करीब 4 हजार सफाईकर्मी, 120 अधिकारी, और 300 ऑपरेटर स्पैरो टीम और अन्य एजेंसी के करीब 500 लोग एक साथ पौधरोपण के लिए जुटेंगे।आयुक्त डॉ निधि पटेल ने प्लानिंग के तहत एक दिन पहले ही चिन्हित स्थानों पर गड्ढे खोदने का टास्क दे दिया। प्रकृति की रक्षा के लिए सभी लोगों का जुनून इस प्रकार बढ़ गया की शनिवार शाम सात बजे तक में ही 63400 गड्ढे खोद दिए। रविवार को सुबह छह बजे से ही पौधारोपण कार्य शुरू कर दिया जाएगा, इस दौरान क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, चेयरमैन, स्वयंसेवी संस्थाओं और आमजन का भी सहयोग रहेगा।

मध्यस्थों के मानदेय में बढोतरी

जयपुर। राज्य सरकार की ओर से मुकदमों का आपसी राजीनामे से निपटाने में भूमिका निभाने वाले मध्यस्थों को मिलने वाले मानदेय में बढोतरी की है। इस संबंध में हाईकोर्ट की मध्यस्थ एवं सुलह प्रोजेक्ट कमेटी की ओर से मानदेय बढ़ाने के लिए राज्य सरकार को तीन साल पहले अपनी सिफारिश भेजी थी।

मध्यस्थ को अब मुख्य प्रकरण के सफल निपटारे के लिए सात हजार रुपए प्रति प्रकरण एवं इससे जुड़े प्रत्येक संबंधित प्रकरण के लिए एक हजार रुपए मिलेंगे।

जिसकी अधिकतम सीमा नौ हजार रुपए तक होगी। वहीं प्रकरण का निपटारा नहीं होने पर एकमुश्त तीन हजार रुपए दिए जाएंगे। पूर्व में सफल निपटारा होने पर मध्यस्थ को तीन हजार रुपए का मानदेय दिया जाता था। प्राधिकरण के सदस्य सचिव हरिओम अत्री ने बताया कि मानदेय में यह वृद्धि मध्यस्थें को उनके प्रयासों के लिए उचित पारिश्रमिक सुनिश्चित करेगी और इससे मध्यस्थता प्रक्रिया और अधिक सुदृढ बनेगी।

नकबजनी करने वाले हिस्ट्रीशीटर सहित दो बदमाश गिरफ्तार

- **पानी की 2 मोटर, नल व चोरी किया गया अन्य माल बरामद किया**

जयपुर। मालपुरा गेट थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नकबजनी करने वाले हिस्ट्रीशीटर सहित दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है और साथ ही पुलिस आरोपियों के कब्जे से चुराई गई पानी की 2 मोटर, नल व चोरी किया गया अन्य माल बरामद किया है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) तेजस्वनी गौतम ने बताया कि मालपुरा गेट थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नकबजनी करने वाले हिस्ट्रीशीटर विशाल श्रीवास्तव उर्फ सोनु बच्चा निवासी सिनदोली जिला शाहजहांपुर(युपी) हाल मुहाना जयपुर और आकाश वर्मा निवासी मालपुरा गेट जयपुर गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों के कब्जे से चुराई गई पानी की 2 मोटर, नल व चोरी किया गया अन्य माल बरामद किया है। आरोपितों के खिलाफ पहले भी दर्जनों मुकदमे दर्ज है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नकबजनी करने वाले हिस्ट्रीशीटर सहित दो बदमाशों को गिरफ्तार किया

लूट का माल खरीदने वाला गिरफ्तार

जयपुर। ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस ने शातिर चैन स्नेचर सहित लूट के माल को खरीदने वाले बदमाशों को गिरफ्तार कर लूट की चैन बरामद की है। पुलिस गिरफ्तार दोनो आरोपियों के अन्य चैन स्नेचरों के बारे में गहनता से पूछताछ करने में जुटी है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 23 जुलाई को परिवादिया शकुंतला जैने ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। वो दिन में करीब डेढ बजे घर के पोर्च में कपड़े सुखाने के लिए गई थी। तभी एक बदमाश कंधे पर काला बैग लटकाए मैन मेट की कुंदी खोलकर अंदर आ गया और गले पर झपट्टा मार चोने की चैन पैंडिल सहित तोड कर बाइक से फरार हो गया। इस प्रकरण में पुलिस ने तकनीकी सहायता के आधार पर 25 जुलाई को तरुण पारीक को गिरफ्तार कर लिया । पुलिस पूछताछ में तरुण ने बताया कि उसने लूटी गई सोने की चैन अपने साथी अक्षय सैनी (24) पुत्र रुपनारायण सैनी लालबास बंधा, नाई की थड़ी,जयसिंहपुरा खोर निवासी को 40 हजार रुपए में बेच दी थी।

'तंबाकू के साथ ही वायरस, नुकीले दांत और ओरल हाइजीन की कमी भी हेड एंड नेक कैंसर का कारण'

जयपुर। नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, देश में मुंह और गले के कैंसर से ग्रसित 70 से अधिक रोगी एडवांस स्टेज में अस्पताल पहुंचते हैं।

राजस्थान में भी यही स्थिति है। भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल में संचालित कैंसर रजिस्ट्री के अनुसार 2024 में कुल 10,363 नए कैंसर मरीज पंजीकृत हुए, जिनमें से लगभग 40 मरीजहेड एंड नेक कैंसर के थे। ऑन्को-सर्जन डॉ. नरेश लेडवानी का कहना है कि आमतौर पर धारणा है कि सिर्फ गुटखा, तंबाकू, सिगरेट के कारण ही हैड एंड नेक कैंसर होता है, लेकिन इनके वायरस (एचपीवी एवं ईबीवी), नुकीले दांत, ओरल हाइजीन की कमी के कारणों से भी यह कैंसर हो सकता है।इन कारणों की वजह से जहां पहले यह बीमारी आमतौर पर 45 वर्ष की उम्र के बाद देखने को मिलती थी, अब 35 वर्ष से कम उम्र के सैकड़ों युवा इसकी चपेट में आ चुके हैं।

रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. नरेश जाखोटिया ने बताया कि इन कैंसर की शुरुआती स्तर पर जांच हो इसके लिए लोगों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में स्क्रीनिंग में भाग लेना चाहिए। नियमित स्क्रीनिंग के चलते रोग की प्रारंभिक अवस्था में पहचान कर उपचार की शुरुआत की जा सकती है। हेड एंड नेक के कैंसर के केसेज जहां एक ओर तेजी से बढ रहे है वहीं दूसरी ओर ट्रीटमेंट में भी काफी एडवांसमेंट आया है। मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ पवन अग्रवाल ने बताया कि इन कैंसर में अब इम्यूनोथेरेपी की कई अच्छे परिणाम सामने आ रहे है।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण ने नालसा वीर परिवार सहायता योजना-2025 का शुभारंभ किया

- **नालसा के कार्यकारी अध्यक्ष एवं माननीय सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश सूर्यकांत ने वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ किया**
- **रालसा और राजस्थान सैनिक कल्याण कार्यालय के समन्वय से विधिक सेवा क्लिनिक का वर्चुअल शुभारंभ कलेक्ट्रेट जयपुर में आयोजित कार्यक्रम में किया गया**

जयपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नालसा वीर परिवार सहायता योजना 2025 का शुभारंभ केंद्र शासित प्रदेश जम्मू एवं कश्मीर से किया गया। नालसा के कार्यकारी अध्यक्ष एवं माननीय सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश सूर्यकांत ने वर्चुअल माध्यम से शनिवारको केंद्र शासित प्रदेश जम्मू एवं कश्मीर में आयोजित नॉर्थ जोन कॉन्फ्रेंस के दौरान नालसा वीर परिवार सहायता योजना 2025 के तहत जयपुर में विधिक सेवा क्लिनिक का शुभारंभ किया।

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव हरिओम शर्मा अत्रि ने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य रक्षा मंत्रालय के सैनिक कल्याण विभाग के अंतर्गत आने वाले केंदीय सैनिक बोर्ड, राज्य सैनिक एवं जिला सैनिक कार्यालय के सहयोग से समर्पित विधिक सेवा क्लिनिक स्थापित कर रक्षा कर्मियों, पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों को नि:शुल्क और सुलभ कानूनी सेवाएँ प्रदान करना है। ये क्लिनिक रक्षा कर्मियों और उनके परिजनों को त्वरित और प्रभावी कानूनी सहायता के लिए निर्बाध पहुँच सुनिश्चित करेंगे। अब हमारे सैनिक और उनके परिजनों के कानूनी मुद्दों पर विधिक सेवा क्लिनिक मदद करेगें जिससे वे बेफिक्र होकर देश की सेवा कर सकेंगें। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर द्वितीय की अध्यक्ष और जिला एवं सैशन न्यायाधीश रीटा तेजपाल ने बताया कि यह पहल हमारे राष्ट्र के रक्षकों की निस्वार्थ सेवा के प्रति आभार एवं श्रद्धांजलि है और नालसा के सभी के लिए न्याय तक पहुंच के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाती है।

रीटा तेजपाल ने कहा कि नालसा कि यह योजना विषम परिस्थितियों में काम कर रहे सैनिकों के लिए कानूनी मामलों में अपना पक्ष रखने में वरदान साबित होगी।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर द्वितीय की सचिव पल्लवी शर्मा ने जानकारी दी कि इस विधिक सेवा क्लिनिक को विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला प्रशासन, राज्य एवं जिला सैनिक कल्याण कार्यालयं के समन्वय से स्थापित किया गया है।वर्चुअल उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान लोकेंद्र सिंह शेखावत, संयुक्त सचिव रालसा, अजय कुमार डूडी, विशेष सचिव, संतोष कुमार मीणा, अतिरिक्त जिला कलेक्टर जयपुर दक्षिण, रालसा के अधिकारीगण, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर प्रथम के सचिव दीपेन्द्र माथुर, जयपुर जिला के

नालसा के कार्यकारी अध्यक्ष सूर्यकांत ने नालसा वीर परिवार सहायता योजना 2025 के तहत जयपुर में विधिक सेवा क्लिनिक का शुभारंभ किया।

केनरा बैंक डॉक्टर्स म्यूजिक प्रीमियम लीग सीजन 4 में सुरों की जंग जारी

जयपुर। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर जयपुर में डॉक्टर्स की तीन दिवसीय गायन प्रतियोगिता केनरा बैंक डीएमपीएल सीजन 4 का दूसरा दिन था। लीग चेयरमैन डॉ संजीव गुप्ता ने बताया कि आज प्रतियोगिता के लीग व प्रीमियर मैच खेले गए। लीग संयोजक डॉ संदीप निझावन ने बताया कि55 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के एकल मुकाबलों में डॉ अतुल पुरोहित प्रथम, डॉ लीग आयोजन सचिव डॉ अनिल यादव ने बताया कि टीम मुक़ाबलों में टीम सीता देवी हॉस्पिटल ने टीम कृष्णा हॉस्पिटल को व टीम निविक हॉस्पिटल ने टीम एएलसीएस -एस आरके हॉस्पिटल को हराया, लीग चीफ कोर्डिनेटर डॉ हरीश भारद्वाज ने बताया कि 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के युगल मुकाबलों में डॉ महेश कडेल-डॉ माया बागड़ी की जोड़ी ने प्रथम व डॉ भूपेन्द्र -डॉ शालिनी की जोड़ी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

सार-समाचार

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि स्वरूप पौधारोपण

जयपुर। कारगिल विजय दिवस के पावन अवसर पर मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान एवं महिला सशक्तिकरण फाउंडेशन ने राष्ट्र की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों एवं वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर ट्रस्ट द्वारा विशेष पौधारोपण कार्यक्रम की शुरुआत राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय गूलर की ढाणी सीतापुरा से की गई और बहुतायत में पौधे लगाने का संकल्प लिया गया। सभी ने यह संकल्प लिया कि शहीदों के बलिदान को सदैव याद रखते हुए, आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरित और स्वच्छ वातावरण का निर्माण किया जाएगा। स्वास्थ्य कल्याण होम्योपथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर के चिकित्सक, वरिष्ठ आचार्य एवं ट्रस्ट सदस्य व मीडिया प्रभारी प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना ने बताया कि आज रिमझिम -2 व हरियाली वातावरण में वर्षाअभिनंदन व हर्षोल्लास के साथ पौधारोपण की शुरुआत की, ये अभियान विभिन्न विद्यालयों, पार्कों, मंदिरों, अनेक स्थानों, संस्थानों तथा विभिन्न संस्थाओं में पूर्ण किया जाएगा, जिसमें छायादार एवं फलों के पौधे लगाए जायेगें । इस अवसर पर प्रधानाध्यापक रामदेव बैरवा, स्टाफ अनिता मीना, अनिता खींची, संगीता शर्मा खुशी, आकांक्षा, स्टीफन, त्रिशांत स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

अंजलि सिंह बनीं सीआईआई उत्तरी क्षेत्र की चेयरपर्सन

जयपुर। भारतीय उद्योग परिसंघ उत्तरी क्षेत्र ने आनंद समूह की एग्जीक्यूटिव चेयरपर्सन अंजलि सिंह को वर्ष 2025-26 के लिए सीआईआई उत्तरी क्षेत्र की नई चेयरपर्सन नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सोना कॉमस्टार के चेयरमैन संजय कपूर के आकस्मिक निधन के बाद की गई है। कपूर, जिन्होंने इस वर्ष की शुरुआत में यह पदभार संभाला था, एक प्रेरणादायक नेता और कई प्रगतिशील औद्योगिक पहलों के सूत्रधार थे। उनका निधन उद्योग जगत और सीआईआई परिवार के लिए एक गहरी क्षित है। नेतृत्व की यह जिम्मेदारी संभालते हुए अंजलि सिंह दशकों का कॉरपोरेट गवर्नेंस, नेतृत्व और रणनीतिक दिशा में अनुभव लेकर आई हैं। वे भारत के प्रमुख ऑटो कंपोनेंट समूहों में से एक की अगुवाई करती हैं और 'मेक इन इंडिया' पहल की प्रबल समर्थक रही हैं। इस नई भूमिका में वे सीआईआई के सात उत्तरी राज्यों-दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश-तथा केंद्र शासित प्रदेशों-चंडीगढ़, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में संस्था की गतिविधियों का नेतृत्व करेंगी। उनकी नियुक्ति न केवल उनके व्यावसायिक नेतृत्व का प्रतीक है, बल्कि भारत की विकास गाथा के प्रति उनके गहरे समर्पण को भी दर्शाती है-एक दृष्टिकोण जो दृढ़ता और महत्वाकांक्षा से आगे बढ़ रहा है। अपने दृष्टिकोण को साझा करते हुए, सिंह ने कहा, यह एक ऐसा क्षण है जो सोच और जिम्मेदारी दोनों की मांग करता है। मैं यह भूमिका बेहद दुखद परिस्थितियों में संभाल रही हूं, लेकिन क्षेत्र और राष्ट्र की सेवा के लिए पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करूंगी।

सप्त शक्ति कमांड ने मनाया कारगिल विजय दिवस

जयपुर। भारतीय सेना ने वर्ष 1999 में जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर कारगिल में एक गौरवपूर्ण विजय प्राप्त की, जिसमें उन्होंने अत्यंत विषम और दुर्गम परिस्थितियों में अद्वितीय साहस, दृढ़ संकल्प और शौर्य का परिचय दिया। भारतीय सेना की इस ऐतिहासिक विजय को ऑपरेशन विजय (कारगिल - 1999) के नाम से जाना जाता है व इसकी स्मृति में हर वर्षको 'कारगिल विजय दिवस' मनाया जाता है। सप्त शक्ति कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने जयपुर मिलिट्री स्टेशन स्थित प्रेरणा स्थल पर राष्ट्र सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर योद्धाओं को पुष्पांजलि अर्पित की। जनरल अधिकारी ने कारगिल युद्ध के वीरों के परिजनों, वीर नारियों और सभी पूर्व सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर उन्होंने कमान के सभी अधिकारियों एवं जवानों को शुभकामनाएं दीं और राष्ट्र की सुरक्षा एवं अखंडता सुनिश्चित करने के लिए सदैव सजग रहने का आव्हान किया।

तीन दिवसीय संगीत समारोह आज से

जयपुर। संगीत आश्रम संस्थान का तीन दिवसीय संगीत समारोह रविवार से शुरू होगा। संस्थान सचिव अमित अनुपम ने बताया कि समारोह के पहले दिन शास्त्रीनगर स्थित संस्थान परिसर में शाम 5:30 बजे मशहूर सीनियर सितारिस्ट हरिहरशरण भट्ट का एकल वादन होगा। समारोह के दूसरे दिन 28 जुलाई, सोमवार को शाम 5:30 बजे शास्त्रीनगर स्थित साइंसपार्क ऑडिटोरियम में नृत्य संध्या संजोई जाएगी। इसमें नृत्यांगनाएं जयपुर घराने का शुद्ध पारंपरिक कथक की प्रस्तुति देंगी। फिर संगीत समारोह के आखिरी दिन 29 जुलाई, मंगलवार को शाम 4:30 बजे खुदा के नूर गायक मरहूम मो.रफी के गाए सदाबहार नगमे संस्थान के बाल व युवा कलाकार अपनी आवाज में पेश करेंगे।

राजस्थान विद्युत् उत्पादन निगम की महिला कर्मचारियों ने मनायी तीज

जयपुर। राजस्थान विद्युत् उत्पादन निगम की महिला कर्मचारियों और कर्मचारियों की पत्नियों ने सुचना केंद्र जयपुर स्थित एक होटल में पूरे उल्लास और रंगबिरंगी परंपरा के साथ तीज उत्सव का आयोजन किया। कार्यक्रम में 50 से अधिक महिलाएं आकर्षक पारंपरिक लिबास में सजी-धजी नजर आईं और महिलाओं ने पारंपरिक लोकगीतों पर नृत्य, संगीत के माध्यम से तीज के उत्सव को और भी जीवंत बना दिया। कार्यक्रम का संचालन एंकर शालिनी वार्ष्णेय ने किया,वहीं सेवानिवृत कर्मचारियों की पत्नियों ने भी इस अवसर पर मौजूद रहीं। उत्सव के दौरान विभिन्न रोचक गेम्स और इंटरएक्टिव एक्टिविटीज ने भी सभी को पूरे समय उत्साहित बनाए रखा। समारोह में तीज के पारंपरिक रंगों और सांस्कृतिक गरिमा की झलक स्पष्ट रूप से देखने को मिली, जिससे यह आयोजन सभी के लिए यादगार बन गया।

युवक ने आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम थाना इलाके में युवक ने घर में फांसी का फन्दा लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार रोजड़ी निवासी दिव्यांशु ने घर में फांसी का फन्दा लगा लिया, घटना के समय युवक घर में अकेला था। घटना का पता लगने पर परिजनो ने जब कमरे में देखा तो युवक फांसी के फन्दे पर लटका हुआ था।

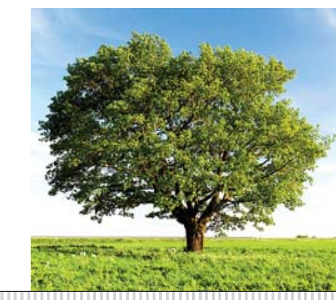

Trees Around, Green Around

National Tree Day is a vibrant celebration dedicated to the importance of trees in our lives. It's a day when people come together to appreciate the beauty and benefits of trees. This event encourages everyone to plant trees and enjoy the outdoors. Whether you're in a city park or your own backyard, planting a tree connects us to nature and each other. To celebrate the day, plant a tree in your backyard or local park. Grab a sapling, some friends, and enjoy the fresh air while contributing to a greener planet. It's a fantastic way to bond with nature and each other.

#MALAKWA, BRITISH COLUMBIA

An Enchanted Forest

By 1970, a million people had stopped to visit the castle and marvel at the statues and tree houses and all the other surprises nestled in the Needhams'

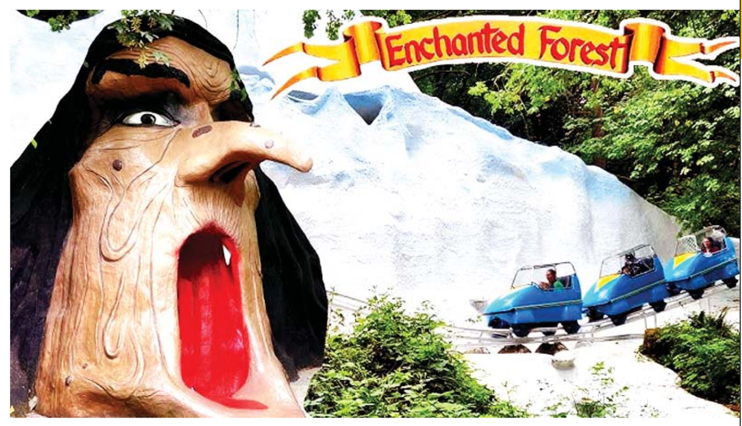

Artist Doris Needham and her husband Ernest needed a place to put her hand-sculpted cement creations, so, they bought a forest and filled it with enchanted figures from fairy-tales and nursery rhymes.

During the 1950s, they cleared trails and constructed rock walls over 8 acres with nothing but hand tools. Ernest built them a little home that looked a bit like a gingerbread house, and installed a gravity water system using the waterfall across the highway, which is still in use today.

When Rogers Pass opened, traffic began being diverted through the Needhams' unusual haven, and in 1960, they decided to officially open up their Enchanted Forest to the public. What was once just a project they enjoyed together to invent their own happy place for their retirement was now a highly popular tourist spot for sightseers. One could not drive by and resist dragons and pirates lurking on boulders and behind trees, dwarves and fairies sharing the pools at the foot of waterfalls, or the adorable Candy Cane house belonging to the couple that created it all.

By 1970, a million people had stopped to visit the castle and marvel at the statues and tree houses and all the other surprises nestled in the Needhams' forest. The couple realized that it had become unmanageable, and their retirement idea had turned into a challenging full time job. Wanting to enjoy the fruits of their labor before it was too late, Doris and Ernest sold their forest to Rocky and Juliet Ehlers and their children, Aza, Silas and Naomi.

Fortunately, the Ehlers loved the Enchanted Forest for what it was, and have continued to care for it and keep it available to visitors. The forest is full of twists and turns, each corner revealing a new small cottage with ferns growing on the roof, or a favorite nursery character sitting on a wall, full of whimsy. They boast over 350 figurines, a pirate ship, and the tallest treehouse in British Columbia. The forest itself is a beautiful site, with beaver ponds for boating, 800 year-old cedars, salmon spawning and moose and caribou sightings during migration months.

"Bol Chhatrapati Shivaji Maharaj ki Jai"

During this war, all battalions had upheld the proud Maratha tradition of loyalty, efficiency, discipline, toughness and fearless courage that have always been the hallmarks of the regiment. What stands out in these operations was the frontline leadership of the officers, who fought gallantly with the troops. Three commanding officers killed and one taken as prisoner and over a dozen company commanders killed and wounded testify to their motivation, courage and leadership. Other junior commanders also set fine examples, not only for their jawans but also for the entire army. This ethos of leaders always leading their troops gallantly and with élan is the hallmark of the Maratha Light Infantry. The sacrifices of the Marathas will long be remembered and hopefully emulated. Even when the Maratha troops were launched at short notice and at times with limited reconnaissance, they rose to the occasion and gave a tough fight to the Pakistanis.

Lt Gen Vijay Oberoi

Marathas in the 1965 Indo-Pak War- After Independence in 1947 and the merger of the former princely states in 1949, two new battalions joined the regiment. These were the 19th Battalion from the former Kolhapur state forces and the 20th from the former Baroda state forces. After the Hyderabad police action, one more battalion joined the regiment from the Hyderabad State Forces and was designated as 22nd Battalion. In addition, the regiment had three Territorial Army units, viz. 101, 109 and 115 Infantry Battalions (TA).

During the rapid expansion of the Indian Army in early sixties, the Maratha Regiment re-raised five new battalions in succession. These were the 6th in February 1962; 17th in November 1962; 7th in January 1963; 8th in October 1963; and 9th in October 1964.

When the war with Pakistan started in 1965, the Regiment fielded a total of 11 infantry and three TA battalions, besides the Regimental Centre at Belgaum, which played a stellar role in provision of trained manpower to the battalions. All the battalions participated directly in the war with Pakistan in different theatres, except one, viz. the 17th, which was defending the forward posts in Nathu La and Yak La in Sikkim against the Chinese army. The battalions of Maratha Light Infantry participated in the 1965 War in the following sectors as under: Kashmir Sector: 1, 7 and 20 Maratha LI. Jammu Sector: 22 Maratha LI. Punjab: 2, 6 and 19 Maratha LI. Rajasthan: 4, and 5 Maratha LI. Sikkim: 17 Maratha LI. Three battalions, 7, 20 and 22 Maratha LI were already deployed on the ceasefire line (CFL) in J&K and 17 Maratha LI was deployed at Nathu La in Sikkim. The rest were moved to their operational areas as the situation developed.

#MARATHAS IN THE 1965 WAR

The Kashmir Sector

The curtain raiser of the regiment was the short-notice move of 1 Maratha LI (Jangi Paltan) to counter the Pakistani infiltrators. The battalion was on its field tenure in Ladakh since mid 1964, as part of 163 Infantry Brigade. The entire brigade was moved to the Srinagar Valley in J&K on 08 August 1965 to deal with the Pakistani infiltration. The battalion, under the command of Col SA (Mini) Mohite, first took up a defensive position at Badgam and then moved to the Srinagar airfield for its defence. Company level operations were launched in area Yusmarg on 15 August; in area Khunmuh on 20 August; in Dachigam forest on 22 August; and in area Watrad-Dalbal on 28 August. During the sweep in the Dachigam forest, the column was ambushed. In the ensuing fire-fight, two officers, Maj. Vijay Oberoi (the author of this essay) and 2/Lt AG Raut were severely wounded. While brave Raut succumbed to his wounds, Oberoi survived, though his right leg was amputated. He eventually retired as the Vice Chief of the Army after over 40 years of service. During the operations, the battalion lost one officer, one JCO and 11 Other Ranks (OR's) killed and one officer and four OR wounded.

When Operation Gibraltar commenced, 7 and 20 Maratha LI were deployed in the crucial Uri sector of the CFL, with 7 Maratha LI on the south of river Jhelum and 20 Maratha LI on the north. The entire defence of this important sector was thus in the capable hands of these two Maratha battalions. Once the Pakistani infiltration commenced in the Srinagar Valley, Uri became the hub of counter-infiltration operations by the Indian Army.

7 Maratha LI, then under the command of Lt Col HW Kulkarni, defended its area with dogged determination and thwarted all attempts by the Pakistani troops to gain important ground in their area. In addition, it launched a number of offensive operations which included the capture of Point 9108 and a major operation across the CFL by a company-plus strong patrol. During the entire operation, the battalion lost four OR, and nine wounded and earned one 'Mentioned-in-Despatches.' 20 Maratha LI was guarding the northern shoulder of the Uri bowl in rugged terrain and was then under the command of Lt Col KC Aiayanna. It was also responsible for protecting the vital Mahura Power House. The battalion distinguished itself in the capture of the enemy picquet Jhandimali after hand-to-hand fighting, as well as two subsidiary posts, Babar and Burji. Three were killed and 23 wounded, which included Maj. RCS Mann, Sub. Waryam Singh and Hav. Niwruti Saste. For his bravery and leadership, Maj. Mann was awarded the Sena Medal and L/Nk Shrirang Pol was 'Mentioned-in-Despatches' for gallantry.

The Jammu Sector 22 Maratha LI, under the command of Lt Col GR (George) Shinde, was deployed over an extended sector in area Gambhir, with all four rifle companies fully committed on the CFL. It was also responsible for protecting the line of communications between Rajauri and Bhimber Gali. It was this section under the command of Nk Keshav Rao Salunke that first made contact with the enemy, while forming part of a large fighting patrol under Capt. CN Singh from the brigade HQ and Capt. VJ Chauhan from the battalion. In the fierce encounter that followed, Nk. Salunke and Capt. CN Singh were killed. Capt. CN Singh was later awarded the Mahavir Chakra posthumously and Capt Chauhan was awarded the Sena Medal.

For keeping the road axis open, patrols operated successfully against great odds. Two important bridges on the axis, Dubey and Yadunath, were defended. On 19th September, a rifle company successfully inflicted heavy casualties on an enemy infiltrating force and on 26 Sep, three enemy attacks were thrown back. During these operations, the unit suffered four OR killed and seven wounded. The battalion earned three Sena Medals, including one posthumously, while the Commanding Officer was awarded a Commendation Card.

The Punjab Sector

Three battalions, 2 Maratha LI (Kali Panchwin), 6 and 19 Maratha LI, took part in operations in the Punjab Sector. The ferocity of operations in this sector can be gauged by the number of casualties collectively suffered by these battalions, which numbered 39 killed, 163 wounded and 110 missing. Two battalion commanders, out of a total of seven officers were killed.

2 Maratha LI, under the command of Lt Col TTA Nolan, moved to Ferozepur on 4 September to defend the important Hussainiwala headworks on the Sutlej River. A high enemy observation tower and the Kujianwali post were captured and extensive patrolling kept the enemy on the defensive. On 19 September, a major enemy attack was repulsed, although the company commander was wounded. Throughout the operations, the commando platoons successfully harassed the enemy. On 21 September, Col Nolan was killed by a shell splinter and command of the battalion devolved on Lt Col Ranjit Singh. During the entire operations, the casualties of the battalion were two officers (including the CO) and 11 other ranks killed. One officer, four JCOs and 22 OR were wounded.

6 Maratha LI, under the command of Lt Col AM (Mathew) Manohar, moved to its operational area on 7 September and went into action the same night. The battalion was a part of the offensive in the Sialkot Sector and was tasked to take part in the important attack on Chawinda. The brigade attack commenced on the night of 18 September and met with strong resistance. The battalion fought its way against heavy odds and captured its assigned objective, but it was isolated as it was the only battalion to reach the objective. Enemy armour and infantry launched a number of counter-attacks, in which the battalion suffered heavy casualties. Two officers, including the CO, two JCOs and 36 OR were killed; two officers and 30 OR were wounded; and two officers, four JCOs and 110 OR were taken prisoners of war. In the overall context, the Chawinda attack was a failure.

19 Maratha LI, under the command of Lt Col SD Parab, operated on road Hudiara-Barki in Pakistani territory. In preliminary operations, the battalion secured areas Manihala, Jahman and Chatanwala. In the last attack, a company commander was seriously wounded and a JCO and two OR were killed and 29 were wounded. On 20 September, the battalion contacted the strong enemy position at Thatti Jaimal Singh and secured it after heavy fighting. The enemy launched a number of counter attacks in succession over the next two days but all were repulsed. Although the ceasefire had become effective, the enemy launched one more counter attack, which was also driven back. Despite the heavy attacks, the Marathas stood their ground doggedly, beating back each attack, with the officers leading their men courageously, but the battalion casualties were heavy. In this fierce battle, all rifle company commanders were either killed or wounded. Three officers, one JCO and 20 OR were killed and 105 all ranks, including three officers and six JCOs were wounded. For this epic battle, the battalion earned four Vir Chakras, five Sena Medals and five 'Mentioned- in- Despatches.'

The Rajasthan Sector

4 and 5 Maratha LI were in action from September 1965 to January 1966 in the desert, as the Pakistani troops did not adhere to the ceasefire in this sector. They endured tremendous hardships in the desert, where logistics, especially water supplies, were often poorly organised and there was lack of specialist equipment for desert warfare. 4 Maratha LI, under the command of Lt Col VVK Nambiar, moved to its operational area on 7 September, but remained in reserve initially. It then saw action for the next four months, as Pakistani troops had commenced their old game of infiltration to recover lost territory. The battalion secured Sundra Village after a gruelling march in the desert on 28 September. The enemy mounted a major attack the next day and surrounded our troops.

A withdrawal was ordered. However, as the enemy had blocked all routes, our troops were cut off and the commanding officer, four other officers, two JCOs and 20 OR were taken prisoners. Despite reverses and losing a large number of officers, the battalion captured Kelnor. The next day, the battalion attacked the important area of Kelnor Ka Tal, at short notice and with grim determination against a superior force, the enemy was driven included the officiating commanding officer. On 10 Nov, Lt Col VG Joag took over command of the battalion, while the plans for attacking the important position of Miajlar were being finalised. The attack was launched on night 17/18 November by a mixed force. It was a highly successful operation in which the entire enemy force was either killed or captured. The battalion suffered a total of one JCO and 20 OR killed and one officer and 113 OR wounded. The battalion was awarded two Vir Chakras, one Sena Medal and three 'Mentioned in- Despatches.'

5 Maratha LI, under the command of Lt Col Rattan Singh, was moved to Barmer on 02 September and later to Gadra Road. It secured Gadra City on 08 September and then advanced towards Khokrapara and firmed in at Sakarbu. On 21 September, a mixed force attacked Naupatia and captured it against heavy opposition. However, the position was later lost, along with the nearby position at Dali, just prior to the ceasefire coming in to force. Despite the ceasefire, the enemy tried to grab as much territory as possible. Skirmishes and jockeying for positions continued till January 1966. During these operations, the battalion had also provided a firm base to 4 Maratha LI for its attacks on Kelnor and Subhala. It also provided a commando platoon for the attack on Miajlar, which successfully cut off enemy reinforcements. During the operations, the battalion suffered one officer and six OR killed and two officers and 27 OR wounded.

The Sikkim Sector

17 Maratha LI, under the command of Lt Col MA Shaikh, was deployed on the Sikkim-Tibet border during the War. Its brigade commander, Brig E D'Souza, had earlier raised and commanded the battalion. The Chinese troops had massed a major force opposite the Natu La Pass. Although heavily outnumbered, the Marathas held the position with determination, while the Chinese troops brought down heavy machine gun fire. After a face-off of two days, the Chinese troops withdrew, realising that the Marathas were neither subdued nor backing out from a fight. Another similar incident occurred at the remote Yak La, where the position was again held with tenacity. The battalion suffered two casualties; one OR was killed and one wounded. The battalion was awarded one Sena Medal and two Commendation Cards.

rajeshsharma1049@gmail.com

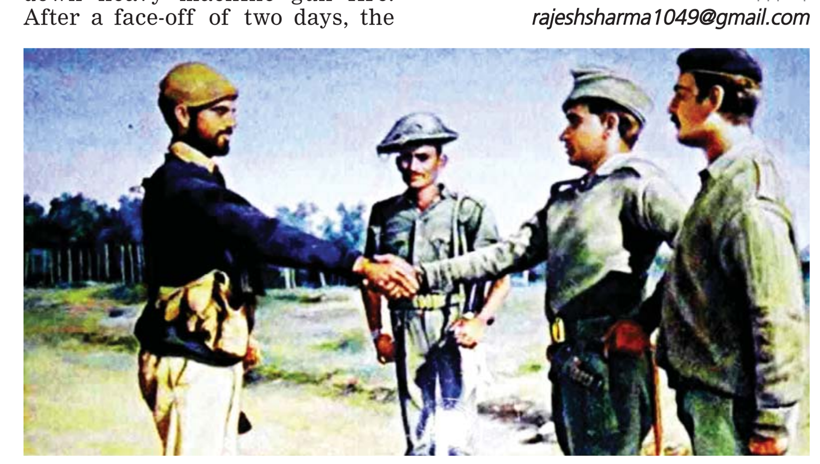

#CONNECT

Aizawl Unlocked

A Historic Milestone: Mizoram's Capital Aizawl now connected by Indian Railways

After decades of anticipation, a landmark moment has arrived for Mizoram and its people. For the very first time since India's independence, Aizawl, the capital city of Mizoram, is officially connected to the Indian Railways network. This historic achievement comes through the completion of the 51.38-kilometre Bairabi-Sairang railway line, a critical infrastructure project under the Indian government's ambitious plan to boost connectivity and development in the Northeast region. The eagerly awaited inauguration of this rail link is set to be led by Prime Minister Narendra Modi, underscoring its national importance.

The journey on this newly operational route begins at Bairabi railway station, which until now marked the furthest reach of rail travel into Mizoram. However, that has now changed dramatically. The train route has been extended all the way to Sairang, a mere short drive from Aizawl, finally opening the gates of Mizoram's heartland to seamless rail travel.

"This is no ordinary railway," said Vinod Kumar, the Chief Engineer overseeing the project. "We had to carve this line through one of the most challenging terrains in India - constructing 50 tunnels and over 150 bridges. At this very moment, we stand on a bridge 81 metres above a river, surrounded by dense forests, far away from any major road. Transporting construction materials here was an enormous challenge."

Mountains, Landslides, and Endless Rains

The geography of Northeast India is notoriously difficult. Mizoram's rugged hills and dense forests, combined with a relentless monsoon season lasting eight months each year, posed significant hurdles for engineers and workers alike. "In the initial years, landslides blocked access roads for nearly two years, bringing construction to a standstill," Kumar recounted. "But we adapted our strategy and managed to complete the construction within four years."

Limited space for construction compounded the difficulties. "We didn't have large flat lands or open areas to work on. The terrain was cramped, and we only had about four to five months of favourable weather annually. Winters were spent working continuously, but frequent rains forced us to halt progress for weeks," he explained.

Affordable, Faster, and Safer Travel for Mizoram's Residents

The new railway connection is set to transform travel for Mizoram's residents by cutting down both journey times and costs significantly. Currently, the road trip from Guwahati to Aizawl takes over 18 hours. With the train service now operational, the same journey will take less than 12 hours, a remarkable improvement in accessibility.

Moreover, the fare is set at just Rs. 450, making it an economical choice compared to air travel or long road journeys. This affordability is expected to benefit a wide range of passengers, including students, patients seeking medical care, traders transporting goods, and tourists eager to explore Mizoram's natural beauty.

Importantly, the railway infrastructure has been designed with safety as a priority, built to withstand seismic activity, a critical feature given Mizoram's location in an earthquake-prone zone.

Strategic Significance and Boost to Tourism

Beyond civilian benefits, the new rail line holds immense strategic importance. Mizoram shares international borders with Myanmar and Bangladesh, and enhanced rail connectivity will enable faster movement of armed forces and supplies, bolstering national security and border management. "The military can now respond more quickly to border situations, with improved logistics and transportation," a senior official noted.

At the same time, the railway is poised to unlock Mizoram's tourism potential. Once hidden due to difficult access, the state's breathtaking hills, lush forests, and rich cultural heritage are expected to attract visitors from across India and beyond. Local residents expressed optimism: "We believe tourism will see a significant boost as more travelers discover Mizoram's natural charm and vibrant culture."

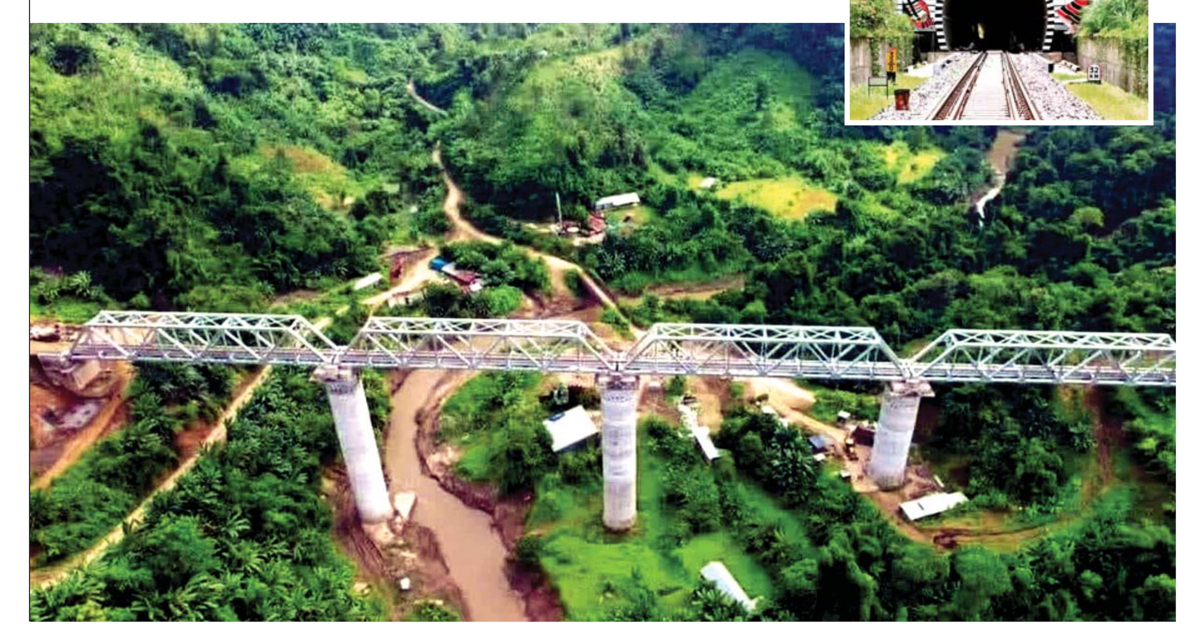

THE WALL

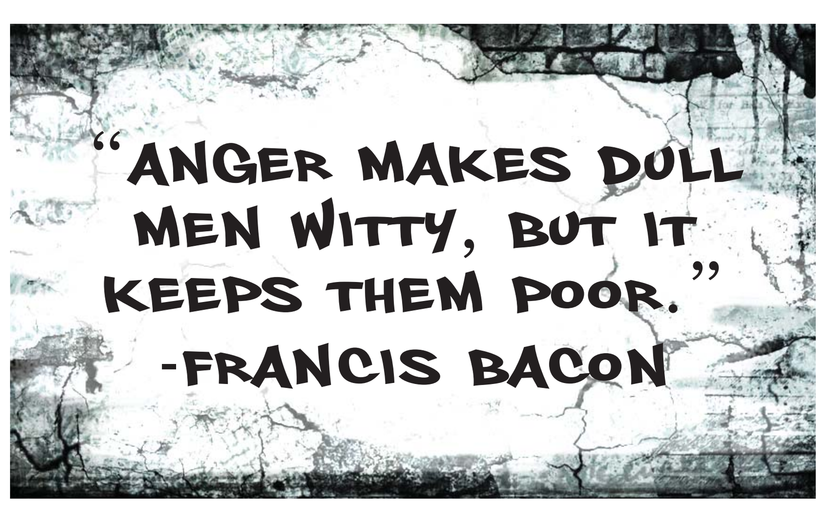

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

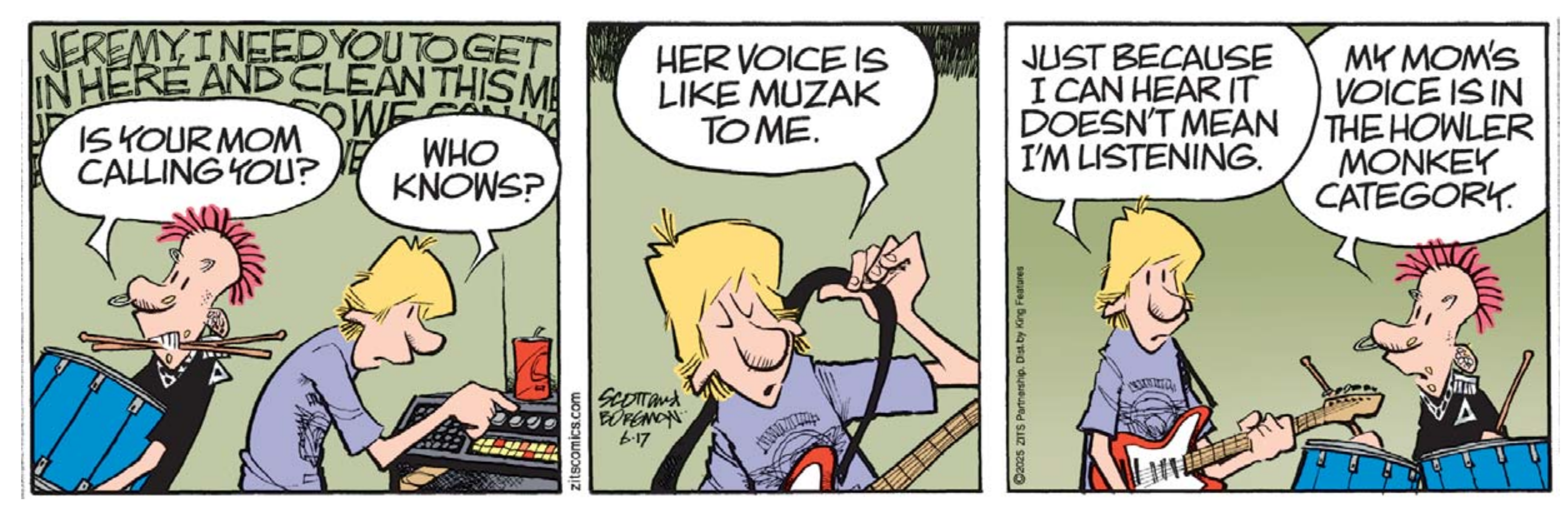

अवैध बजरी भरे चार ट्रैक्टर-ट्रॉली व दो ट्रेलर जब्त, वाहन चालक गिरफ्तार

पुलिस की अचानक हुई कार्रवाई से बजरी माफ़िया में हड़कम्प मचा

माण्डलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ क्षेत्र में भीलवाड़ा पुलिस की स्पेशल टीम ने शनिवार को प्रात: सड़क पर खुलेआम दौड़ रहे बजरी माफ़िया के बिना नम्बरी अवैध बजरी भरे आधा दर्जन वाहनों को जब्त कर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस की इस कार्रवाई से बजरी माफ़िया में हड़कम्प मच गया और सड़क पर अवैध बजरी भरे दौड़ रहे अन्य वाहन भूमिगत हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर वाहन चालकों को गिरफ्तार किया है।

मांडलगढ़ पुलिस ने जब्त किए बिना नम्बरी अवैध बजरी भरे वाहनों को थाने में खड़ा करवाया।

■ जब्त आधा दर्जन वाहनों के खिलाफ मामला दर्ज कर ड्राइवरों को गिरफ्तार किया

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मांडलगढ़ में डीएसटी प्रभारी कालूराम धायल ने एनएच 27 पर बीगोद और मांडलगढ़ में फर्जी रवन्ना से बजरी भरे दो ट्रेलर को जब्त किया है, वहीं लाडपुरा के पास अवैध बजरी भरे बिना नम्बरी चार ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है।

मांडलगढ़ थानाधिकारी शंकर सिंह ने बताया कि जब्त एक ट्रेलर और चार ट्रैक्टर-ट्रॉली के खिलाफ मामला दर्ज कर वाहन चालकों को गिरफ्तार किया है। वहीं बीगोद में सड़क पर जा रहे बजरी भरे ट्रेलर को रोकने का इशारा किया, लेकिन चालक ट्रेलर को लोडियान गाँव की ओर भगा ले गया। आगे रेलवे की पुलिया आने से और पुलिस टीम के पीछा करने ट्रेलर पकड़ में आ गया। बीगोद थाना पुलिस ने ट्रेलर को फर्जी रवन्ना से अवैध बजरी परिवहन करने के मामले में प्रकरण दर्ज कर चालक को गिरफ्तार किया है।

खनिज विभाग द्वारा अवैध बजरी परिवहन के मामले में मांडलगढ़ ओर बीगोद में पकड़े गए दोनों ट्रेलर की जाँच की तो रवन्ना फर्जी पाया गया हैं। दोनों ट्रेलर रामनगर (बीगोद) के बताए जा रहे है। और लम्बे समय से बनास नदी से अवैध खनन की बजरी परिवहन कर रहे थे। जानकारी में आया कि पूर्व में भी खनिज विभाग और पुलिस ने दोनों ट्रेलर के खिलाफ कार्रवाई की थी। लेकिन इस बार पुलिस में प्रकरण दर्ज होने से जुर्माना राशि निर्धारित से अधिकगुणा वसूली की कार्रवाई की जा सकती हैं। इस मामले में खनिज विभाग के साथ परिवहन विभाग को भी कार्रवाई के लिए सूचित किया गया हैं। ट्रेलर में बजरी ओवरलोड हैं या नहीं इसकी जांच परिवहन विभाग करेगा। वहीं जिस स्टॉक पर अवैध बजरी परिवहन कर खाली की जा रही थी, स्टॉक मालिक के खिलाफ भी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

"एरिया डोमिनेशन अभियान" के तहत आठ जने गिरफ्तार

विराटनगर पुलिस थाना टीम ने एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत कार्रवाई की।

पावटा, (निसं)। विराटनगर पुलिस थाना टीम ने एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए 6 गिरफ्तारी वारंटी, 1 अभियुक्त को आर्म्स एक्ट व 2 अभियुक्तों को जुआ खेलते गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक कोटपुतली बहरोड़ देवेंद्र कुमार विश्नोई ने बताया कि पुलिस मुख्यालय द्वारा वर्तमान में वांछित अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान एरिया डोमिनेशन के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली वैभव शर्मा के निर्देशन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के सुपर विजन एवं विराटनगर थाना प्रभारी सोहनलाल के नेतृत्व में गठित विशेष पुलिस टीमो द्वारा कार्रवाई करते हुए वांछित 6 गिरफ्तारी वारंटी राधेश्याम पुत्र परसाराम निवासी बड़ा कांकराणा विराटनगर, महावीर पुत्र परसाराम निवासी बड़ा कांकराणा विराटनगर, कुबेरराज उर्फ गिरधारी पुत्र हनुमान सहाय निवासी पौधेश्वर मंदिर के पास मैड विराटनगर, ओमप्रकाश पुत्र कैलाश निवासी सर की ढाणी मैड विराटनगर, प्रभुदयाल पुत्र मूलचंद निवासी सर की ढाणी मैड विराटनगर, उमराव पुत्र प्रभाती निवासी वार्ड नं. 2 सेवरा की ढाणी विराटनगर को गिरफ्तार किया गया।

वहीं ग्राम कुकडेला अभियुक्त इंद्राज पुत्र नारायण निवासी कुकडेला विराटनगर के कब्जे से बिना लाइसेंस के अवैध हथियार एक तलवार जप्त कर आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया। वहीं नवरंगपुरा तन बिलवाडी में सार्वजनिक स्थान आत्मादास मंदिर के पास एक चबूतरे पर ताशपत्ती पर रुपए दाव पर लगाकर जुआ खेलते पाए जाने पर मंगलराम पुत्र भैरूराम निवासी भामोद विराटनगर, कैलाश पुत्र हरसहाय निवासी कुकडेला विराटनगर के कब्जे से जुआ राशि जप्त कर मामला दर्ज कर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

अजमेर : कारगिल विजय दिवस के मौके पर जिला सैनिक कल्याण कार्यालय द्वारा बजरंगगढ़ स्थित विजय स्मारक पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अतिथि सेवानिवृत्त कमौडोर अंशुमान दत्त, सेवानिवृत्त कैप्टन अशोक तिवारी, सेवानिवृत्त कमांडर जे.एस. राजावत एवं जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल आलोक कुमार साह ने शहीदों को नमन करते हुए पुष्पचक्र और श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल आलोक कुमार साह ने बताया कि भारतीय सेना ने विषम और विपरीत परिस्थितियों से जूझते हुए कारगिल युद्ध में अदम्य साहस और देश प्रेम का परिचय दिया था। कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों, अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद अजमेर के सदस्यों एवं जिला सैनिक कल्याण कार्यालय व रैक्सकों के स्टाफ ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई एवं स्मारक पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

लावारिस हालत में जिंदा नवजात शिशु मिला

बोरावड़, (निसं)। बोरावड़ कस्बे में शनिवार को सुबह लावारिस हालत में एक जिंदा नवजात शिशु मिला, जो स्वस्थ है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने अजमेर रैफर किया है। जानकारी के अनुसार शहर के गणेश डूंगरी क्षेत्र में सुबह-सुबह लोग टहल रहे थे। इस दौरान एक नवजात शिशु के रोने की आवाज लोगों को सुनाई दी, जिस पर लोगों ने पास जाकर देखा तो कपड़े व पॉलीथिन में लिपटा हुआ एक नवजात शिशु था, जिसके ऊपर एक बड़ा सा पत्थर डालकर कोई उसे छोड़कर चला गया। मौके पर काफी लोग इकट्ठा हो गए और उन्होंने मकराना पुलिस व बोरावड़ के राजकीय चिकित्सालय प्रभारी डॉ. सुनील कुमार विश्नोई को सूचना दी, जिस पर डॉक्टर सुनील कुमार विश्नोई व पुलिस मौके पर पहुंची और नवजात को अपने कब्जे में लिया और चिकित्सालय ले जाकर प्राथमिक उपचार दिया गया। डॉ. विश्नोई ने बताया कि नवजात एकदम स्वस्थ है, जिसे उपचार हेतु अजमेर रेफर किया गया है।

डेंटल कॉलेज के छात्रों ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया

छात्रा को सुसाइड के लिये प्रेरित करने के दोषियों की गिरफ्तारी की मांग

उदयपुर, (का.सं.)। उदयपुर में प्राइवेट डेंटल कॉलेज की बीडीएस फाइनल ईयर की छात्रा के सुसाइड करने के मामले में शनिवार को दूसरे दिन भी स्टूडेंट्स ने कलेक्ट्रेट के बाहर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। स्टूडेंट्स ने दोषियों पर जल्द कार्रवाई की मांग की।

■ स्टूडेंट्स ने दोषियों पर जल्द कार्रवाई की मांग की

मामले के अनुसार भीलों का बेदला स्थित पैसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल परिसर में संचालित डेंटल कॉलेज की छात्रा श्वेता सिंह (25) ने गुरुवार रात सुसाइड कर लिया था। वह जम्मू-कश्मीर की रहने वाली थी। उनके पिता, चचेरे भाई, मामा उदयपुर शव लेने पहुंचे। उन्होंने कहा कि इस संबंध में पुलिस को लिखित में शिकायत दी है। पुलिस इसमें सख्त कार्रवाई करें और हमें एफआईआर की कॉपी उपलब्ध कराए। इधर कलेक्ट्रेट के बाहर पहुंचे स्टूडेंटस ने नारेबाजी करते हुए श्वेता सिंह को न्याय दिलाने की मांग की। मीडिया से बातचीत करते हुए श्ववेता के चचेरे भाई शशिकांत ने गंभीर आरोप लगाए है। उसमें भगवत और नैनी पर कई आरोप लगाए और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने की बात लिखी गई है। उन्होंने कहा कि हमने पुलिस को लिखित में शिकायत दी है दोनों को गिरफ्तार की जाए, एफआईआर की कॉपी हमें दी जाए।

मामले को लेकर मृतक श्वेता सिंह के पिता बलवंत सिंह ने सुखेर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। जिसमें बीएनएस की धारा 108 के तहत सुसाइड के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है। इसमें विशेष रूप से कॉलेज एडमिन स्टाफ भगवत उर्फ भगवान सिंह और माही उर्फ नैनी जैन के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दी गई है। पिता ने रिपोर्ट में बताया कि बेटी ने सुसाइड नोट में इन दोनों द्वारा बार-बार टॉर्चर करने का आरोप लगाया है। उसकी मौत के लिए कॉलेज स्टाफ जिम्मेदार है। इधर मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मृतका का पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर परिजन अपने गावं रवाना हो गये।

गंभीर नदी हादसा : पिता-पुत्र के शव मिले

हिंडौन सिटी, (निसं)। गंभीर नदी में हुए दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र को शोक में डुबो दिया है। बुधवार को भैंस खरीदने निकले पिता-पुत्र नदी में बह गए थे। करीब 39 घंटे की रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद शुक्रवार सुबह पिता राजुद्दीन का शव बरामद कर लिया गया। इससे पहले गुरुवार सुबह बेटे सोहेल (20) का शव मिल गया था। मृतक राजुद्दीन चौबे पाड़ा के तेली का नला मोहल्ले का निवासी था और सोहेल उसका इकलौता पुत्र था। जानकारी के अनुसार, दोनों बुधवार दोपहर करीब 3:20 बजे घर से भैंस खरीदने के लिए बाइक से निकले थे। लगभग 4 बजे जब वे कटकड़ की गंभीर नदी की पुलिया पार कर रहे थे, उसी दौरान पांचना बांध के दो गेट खोल दिए जाने से नदी में तेज बहाव आ गया। पुलिया पर पानी का स्तर बढ़ने से बाइक अनियंत्रित हो गई और दोनों नदी में बह गए।

घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना प्रभारी देवेंद्र शर्मा मौके पर पहुंचे और एसडीआरएफ टीम को रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए बुलाया गया।

चाचा ने नाबालिग भतीजी से छेड़छाड़ की

नोखा, (निसं)। जिले के नोखा थाना में एक नाबालिग भतीजी ने अपने चाचा पर छेड़छाड़ का मामला दर्ज कराया है। पीड़िता की मां जब असम गई थी, तब लड़की अपनी दादी के साथ नोखा में रह रही थी।

■ दादी के पास रह रही थी, मां के लौटने पर बताई घटना

घटना का खुलासा तब हुआ जब पीड़िता की मां वापस लौटी। उन्होंने अपनी बेटी को डरा-सहमा देखा। शुरू में लड़की ने कुछ नहीं बताया, लेकिन मां के बार-बार पूछने पर उसने पूरी घटना बताई। पीड़िता ने बताया कि जब वह घर पर अकेली थी, तब उसका चाचा घर आया और उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगा। जब लड़की ने विरोध किया और शोर मचाया, तो आरोपी ने उसे और उसकी मां को जान से मारने की धमकी दी। डर के कारण पीड़िता ने यह बात किसी को नहीं बताई। पीड़िता का आरोप है कि उसका चाचा पहले से ही उस पर गलत नजर रखता था। मामले की जानकारी मिलने के बाद पीड़िता की मां उसे लेकर थाने पहुंची। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। सब इंस्पेक्टर राधेश्याम मामले की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने पीड़िता का बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

रावलिया कलां-बरवाड़ा मार्ग पर 24 घंटे में सड़क सम्पर्क बहाल हुआ

उदयपुर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में आमजन को राहत प्रदान करने की दृष्टि से प्रदेश का प्रशासनिक अमला पूरी संवेदनशीलता के साथ मुस्तैदी से जुटा है। गोगुंदा के अवानी गांव के पास पुलिया टूटने पर 24 घंटे के भीतर सड़क सम्पर्क बहाल कर प्रशासन ने इसकी बानगी पेश की। प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

■ गोगुंदा के अवानी गांव के पास पुलिया टूट गई थी

गोगुंदा पंचायत समिति के रावलिया कलां से बरवाड़ा जाने वाले मुख्य मार्ग पर अवानी गांव के समीप शुक्रवार को पुलिया भरभराकर गिर गयी थी, जिससे आसपास के कई गांवों का आपसी सम्पर्क टूट गया। सूचना पर जिला कलक्टर नमित मेहता मौके पर पहुंचे और सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को तुरंत सम्पर्क बहाली के निर्देश दिए। शनिवार प्रात:काल विभाग की टीम एक एल एंड टी, दो जेसीबी, दो डम्पर के साथ मौके पर पहुंची। जिला कलेक्टर के निर्देश पर उपखंड अधिकारी शुभम भाईसारे ने मोर्चा सम्भाला। उनके साथ तहसीलदार, बीडीओ, पटवारी, पीडब्लूयूडी अधिशाषी अभियंता अनिल खींची, जेइएन भावेश सहित पूरी टीम थी। ग्रामीणों ने साथ दिया और सड़क मार्ग से गांवों की सम्पर्क बहाली में अपना योगदान दिया और देखते ही देखते समस्या का समाधान हो गया। विभाग के अभियंताओं ने ग्रामीणों के सहयोग से एक स्थान का चयन किया। यहां पर पानी की निकासी के लिए दो पंक्तियों में छह सीमेंट पाइप बिछाकर नई पुलिया बनाई गई। पाइप पर मिट्टी का भराव भरकर पुलिया को मजबूती प्रदान की गई। सांयकाल 5 बजने तक नई पुलिया तैयार कर डाउन स्ट्रीम में 150 मीटर का नया ट्रेक बनाकर वैकल्पिक मार्ग को आवागमन के लिए खोल दिया गया। पुलिया पर यातायात प्रारम्भ करने से पूर्व डम्पर एवं अन्य वाहनों को से ट्रायल लिया गया जिसके सफल होने पर आमजन के लिए यह रास्ता खोल दिया गया। पुराने टूटे पुलिया दो दोनों छोर पर अवरोधक लगाये गये हैं ताकि कोई दुर्घटना ना हो। पुरानी पुलिया के पुनर्निर्माण तक वैकल्पिक मार्ग से यातायात बहाल होने पर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। रावलिया कलां सरपंच हीरालाल और पूर्व सरपंच देवी सिंह ने प्रशासन की तत्परता एवं पीडब्लूयूडी टीम की कर्मठता की प्रशंसा की।

दो भाइयों को पिकअप ने कुचला, एक की मौत

दोनों भाई मजदूरी करते थे और डिवाइडर पर सो जाते थे

कोटा, (नि.स.)। कोटा के गुमानपुरा थाना इलाके में डिवाइडर पर सो रहे दो भाइयों को लोडिंग वाहन पिकअप ने कुचल दिया। इस हादसे में एक भाई की मौत हो गई व दूसरा गंभीर रुप से घायल हो गया।

मामले में सामने आया कि दोनों भाई मजदूरी करते थे और डिवाइडर पर सो जाते थे। गुमानपुरा थाना अधिकारी अनिल टेलर ने बताया कि छावनी चौराहे पर डिवाइडर पर सो रहे दो भाइयों पर लोडिंग पिकअप चढ़ गई, हादसे में

■ मौके से पिकअप चालक को डिटेन कर लिया

कुन्हाड़ी निवासी वजीर की मौके पर मौत हो गई और हादसे में उसका बड़ा भाई अकबर गंभीर घायल हो गया, जिनको उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। थाना अधिकारी ने बताया कि मौके से पिकअप चालक को डिटेन कर लिया गया है मामले की जांच दुर्घटना थाना कर रहा है।

40 साल पुराने स्कूल के जर्जर भवन में चल रहा है आंगनबाड़ी केंद्र

रानीवाड़ा, (निसं)। झालावाड़ में सरकारी स्कूल की छत गिरने से सात मासूमों की दर्दनाक मौत के बाद जहां पूरा प्रदेश सदमे में है, वहीं शिक्षा विभाग की कागजी सतर्कता की पोल खुलती नजर आ रही है। रानीवाड़ा क्षेत्र में रतनपुर के सरकारी गर्ल्स स्कूल का भयावह सच सामने आया है। यहां 1985 में बना एक 40 साल पुराना जर्जर भवन, जिसके दो कमरे पूरी तरह से खंडहर हो चुके हैं, उसमें आंगनबाड़ी केंद्र चलाया जा रहा है। यहां सीधे तौर पर मासूमों की जान से खिलवाड़ हो रहा है।

■ सरकारी गर्ल्स स्कूल के जर्जर भवन के दो कमरे पूरी तरह से खंडहर हो चुके हैं

■ इन्हीं खतरनाक कमरों में बच्चों के लिए भोजन भी पकाया जा रहा है और आंशिक रूप से वहीं वितरित भी किया जा रहा है

जानकारी के अनुसार रतनपुर के इस गर्ल्स स्कूल के जर्जर कमरों में आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हो रहा है। इतना ही नहीं, इन्हीं खतरनाक कमरों में बच्चों के लिए भोजन भी पकाया जा रहा है और आंशिक रूप से वहीं वितरित भी किया जा रहा है।

रतनपुर गर्ल्स स्कूल की प्रधानाचार्या गीता बहन ने बताया कि स्कूल में 120 बच्चियां पढ़ रही हैं। हालांकि, मुख्य स्कूल भवन का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है, लेकिन आंगनबाड़ी केंद्र इसी जर्जर ढांचे में चल रहा है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भी इस भयावह स्थिति से अवगत हैं। उन्होंने साफ शब्दों में कहा है कि यह भवन बच्चों के लिए बेहद खतरनाक है और इसे तुरंत धराशायी कर नया भवन बनाया जाना चाहिए ताकि बच्चों, अभिभावकों और ग्रामीणों को खतरे से मुक्त किया जा सके। यह चौंकाने वाली जानकारी रतनपुर के सजग कार्यकर्ता और समाजसेवी गणपत सिंह देवड़ा ने वीडियोग्राफी सहित उपलब्ध कराई है। उन्होंने पूरी जिम्मेदारी के साथ बताया है कि इस खतरनाक भवन की शिकायत उच्च अधिकारियों को कई बार की जा चुकी है, लेकिन नतीजा सिफर है।

खंडहर हो चुके कमरों में आंगनबाड़ी केंद्र चलाया जा रहा है।

कोटा के सरकारी स्कूल में प्लास्टर गिरा, आज होनी थी परीक्षा

कोटा, (निसं)। झालावाड़ जिले के मनोहर थाना के पीपलोदी गांव में शुक्रवार को सरकारी स्कूल की बिल्डिंग गिरने से 7 बच्चों की मौत हो गई और कई बच्चे घायल हो गए थे। इसके बाद अब शनिवार को कोटा के एक सरकारी स्कूल के कमरे का प्लास्टर गिर गया।

■ शिक्षा विभाग के अधिकारी पहुंचे, परीक्षा में यहां बच्चों को बैठाने पर भी पाबंदी लगाई

हादसे के दौरान ये कमरा बंद था लेकिन रविवार को यहां पर परीक्षा होनी है। घटना की सूचना मिलने पर प्रशासनिक अधिकारी और शिक्षा विभाग के अधिकारी भी पहुंचे। एहतियातन रविवार को होने वाली परीक्षा में यहां बच्चों को बैठाने पर भी पाबंदी लगा दी गई है।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रशासन मुकेश चौधरी का कहना है कि नयापुरा बाग स्कूल में प्लास्टर गिरा है। रविवार को भर्ती परीक्षा आयोजित होनी है। ऐसे में उन चार कक्षा का उपयोग नहीं करने के लिए कहा है। दूसरी वैकल्पिक व्यवस्था देख रहे हैं। जिसके

कोटा में राजकीय विद्यालय का प्लास्टर गिरने के बाद अधिकारी मौके पर पहुंचे।

तहत टीन शेड के नीचे बच्चों की परीक्षा कराई जाना तय किया गया है। दूसरी तरफ मामले की जानकारी मिलने पर जिला शिक्षा अधिकारी केके शर्मा और सरस्वती शर्मा सहित कई लोग मौके पर पहुंचे हैं।

यह दो मंजिला भवन है जिसमें ऊपर के फ्लोर जर्जर होने के चलते वहां पर क्लासेस नहीं लगती हैं। चार कमरे बने हुए हैं जहां पर परीक्षा रविवार को होनी थी। इनमें से एक कमरे का प्लास्टर गिर गया। हालांकि कोई नहीं होने से हताहत नहीं हुआ है। 12वीं कक्षा की छात्रा दीपिका का कहना है कि नीचे की मंजिल पर चलने वाले कमरों में भी छत की कंक्रीट के साथ सरिया नजर आ रहे हैं। वहां भी प्लास्टर गिरता है। हमारे कमरे में भी कभी-कभी प्लास्टर गिर जाता है। बच्चों और बालिकाओं को एडजस्ट करके बैठने को कहा गया है।

स्कूल की प्रभारी सपना चतुर्वेदी का कहना है कि घटनाक्रम के संबंध में प्रिंसिपल ने उन्हें वीडियो भेजा था। जिसके बाद वो आई हैं। इस पूरे मामले में उच्च अधिकारियों को भी अवगत करा दिया है।

हरियालो राजस्थान अभियान को जनसहभागिता से सफल बनाए : नागर

टोंक। टोंक जिले के प्रभारी एवं ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश हरियालो राजस्थान के रूप में पहचान बना रहा है। हरियाली, जल संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा और सतत् विकास राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शीर्ष पर है। राज्य सरकार हरियालो राजस्थान महाअभियान के तहत 5 साल में 50 करोड़ पौधारोपण के लक्ष्य को लेकर काम कर रही है। पिछले मानसून में साढे

- **हरियाली राजस्थान अभियान के तहत इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया**

टोंक जिले के प्रभारी एवं ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने टोंक में पौधारोपण किया।

सात करोड पौधे लगाए थे और इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इस दौरान देवली-उनियारा विधायक राजेंद्र गुर्जर, निवाई-पीपलू रामसहाय वर्मा, जिला प्रमुख सरोज बंसल, जिला प्रभारी सचिव अर्चना सिंह, जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक राजेश मीणा, जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान समेत विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

नागर ने शनिवार को जिला परिषद सभागार में आयोजित बैठक में हरियालो राजस्थान अभियान को जनसहभागिता से सफल बनाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही, पौधों की सुरक्षा एवं देखभाल भी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह अभियान प्रदेश में ग्रीन कवर बढाने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा मं महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

ऊर्जा मंत्री ने राज्य सरकार द्वारा राज्य निधि से संचालित व केंद्र प्रवर्तित योजनाओं से संबंधित फ्लैगशीप स्कीम की समीक्षा की तथा राज्य सरकार की मंशानुसार अधिकाधिक पात्र लोगों को इन योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने 25 फ्लैगशिप स्कीम में जिले की प्रगति और आवंटित लक्ष्यों को हासिल करने को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। श्री नागर ने फ्लैगशीप स्कीम जल जीवन मिशन में ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल कनेक्शन के लिए खोदी गई सड़कों के मरम्मत कार्यों की कमेटी बनाकर जांच करने के लिए जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल को निर्देश दिए। साथ ही, पेयजल लाइनों में अवैध कनेक्शन करने वालों के विरूद्ध कानूनी कार्रवाई करने के लिए जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता राजेश गोयल एवं बीसलपुर परियोजना के अभियंताओं को निर्देशित किया। नागर ने बजट घोषणा वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं वर्ष 2025-26 में भूमि आवंटन, वित्तीय स्वीकृति एवं कार्य प्रगति को लेकर अतिरिक्त जिला कलेक्टर रामरतन सौंकरिया से जानकारी ली। एडीएम ने बताया कि बजट घोषणाओं में 33 भूमि आवंटन किये जाने थे।

तीज महोत्सव उमंग-उत्साह के साथ संपन्न

भरतपुर (निस)। खंडेलवाल महिला मंडल का तीज महोत्सव कार्यक्रम बडी ही उत्साह और उमंग के साथ खंडेलवाल धर्मशाला में संपन्न हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ संत सुंदर दास की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण करके किया गया कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष शिवानी दायमा रही महिला मंडल अध्यक्ष अर्चना खंडेलवाल ने अपनी टीम के साथ शिवानी दायमा का माला पटका साफा दुपट्टा एवं स्मृति चिन्ह देखकर उनका स्वागत किया महामंत्री सोनू खंडेलवाल ने बताया कि सभी सखियों का प्रवेश द्वार पर चंदन टीका लगाकर उन्हें गिफ्ट दिया गया उसके पश्चात हमारा कार्यक्रम गणेश वंदना के साथ महिला मंडल की सखियों के द्वारा किया इसी के साथ मंडल की बहनों के द्वारा विभिन्न प्रकार की नृत्य प्रस्तुतियां दी गई एवं हास्य नाटय जिसमें परिवार को बांधने के संदेश भी समाहित थे ,कार्यक्रम की संयोजिका विमलेश पितलिया एवं वंदना खंडेलवाल ने एंकर चिरायु सिंगल के साथ मंडल की बहनों को पंक्चुअलिटी गेम एवं विभिन्न प्रकार के ग्रुप गेम्स खिलाकर कार्यक्रम को सफल किया।

देशभक्ति की गाथाओं का स्मरण

भरतपुर (निस)। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ दयाचंद पचौरी के नेतृत्व में कारगिल दिवस मनाया गया । इस अवसर पर किला स्थित शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर एवं शहीदों को नमन कर याद किया गया। इस अवसर पर शहर अध्यक्ष डॉ दयाचंद पचौरी एवं पीसीसी सदस्य साहब सिंह एडवोकेट ने देश पर मर मिटने वाले शहीदों को याद करते हुए शहीदों की गौरव गाथाओं पर प्रकाश डाला। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों को मारने पर भारतीय जवानों की सराहना की। इस अवसर पर अभी हाल ही में झालावाड जिले में सरकारी स्कूल की बिल्डिंग ढहने से मासूम बच्चों की हुई मौत पर उन्हें भी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। अंत में सभी का आभार जिला कांग्रेस के संगठन महासचिव योगेश सिंघल ने किया। इस अवसर पर गंगाराम पाराशर, रमेश पाठक प्रेम सिंह प्रजापत, इंजीनियर जीवन लाल शर्मा, भगवान कटारा, नदीम मलिक,रामेश्वर सैनी, चंद्रकांत शर्मा,बशीर खान, किशन सिंह जायसवाल, पूनम चंद शर्मा, सरदार सतपाल सिंह, वीरेंद्र नागर, कैलाश सारस्वान, गजराज सिंह, हेमंत गादोली, रामचरन पावटा, दीपक लवानिया, आशीष राजपूत,इंदुसेखर शर्मा आदि मौजूद रहे।

जागरूकता शिविर का आयोजन

भरतपुर (निस)। राजकीय आयुर्वेद एवं योग प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध जिला आयुर्वेद चिकित्सालय में वार्षिक निशुल्क चिकित्सा शिविर एवं कार्यशालाओं के आयोजन की श्रृंखला में एक दिवसीय निशुल्क मधुमेह जांच एवं चिकित्सा शिविर प्राचार्य डॉ. यशपाल सिंह उपाधीक्षक डॉ चन्द्र प्रकाश दीक्षित की मौजूदगी में भारत विकास परिषद लोहागढ़ शाखा के सहयोग से लगाया गया। शिविर का शुभारंभ भगवान धन्वंतरि की पूजा अर्चना द्वारा किया गया। शिविर में 80 से अधिक रोगियों की जांच कर निशुल्क औषधि उपलब्ध कराई गई। शिविर में आए रोगियों को मधुमेह से बचाव हेतु नियमित रूप से योग व्यायाम करने एवं सुबह-शाम घूमने को दिनचर्या में शामिल करने एवं संतुलित खान-पान के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बने रहने की सलाह दी गई। शिविर में सचित्र प्रदर्शनी के माध्यम से मधुमेह में उपयोगी योग व्यायाम एवं फायदेमंद आहार में शामिल किए जाने वाली चीजों के बारे में बताया गया। शिविर प्रभारी डॉ मनीषा गुर्जर सहित प्रधान चिकित्सक डॉ रीना खंडेलवाल डॉ कुलदीप शर्मा डॉ रेनू वर्मा डॉ अरविन्द शर्मा डॉ राजकुमार झा डॉ प्रियंक शर्मा आदि मौजूद रहे।

नाम परिवर्तन

मैं आर्मी नं. 16026326W नायक जयपाल सिंह चन्द्रावत 17 राजरिफ सवाईमान)। मेरे सैन्य दस्तावेजों में माताजी का नाम नंदा कुंवर (NAND KUNWAR) और जन्मदिनांक 05.08.1975 है जो की गलत है मेरी माताजी का सही नाम नंद कुंवर राजपूत (NAND KUNWAR RAJPUT) और जन्म दिनांक 01.01.1974 है।

मैं आर्मी नं. 16026326W नायक जयपाल सिंह चन्द्रावत 17 राजरिफ सवाईमान)। मेरे सैन्य दस्तावेजों में मेरे पिताजी का नाम ईश्वर सिंह चंद्रावत (ISHWAR SINGH CHANDRAWAT) और जन्मदिनांक 20.10.1971 है जो की गलत है मेरे पिताजी का सही नाम ईशवर सिंह राजपूत (ISHWAR SINGH RAJPUT) और जन्म दिनांक 01.01.1971 है।

मैं आर्मी नं. 16024449K लांस हवलदार राहुल यूनिट 17 राजरिफ सवाईमान) है। मेरे सैन्य दस्तावेजों में मेरी माताजी का नाम कुमन देवी (Kuman Devi) और जन्मदिनांक 07.05.1970 है जो की गलत है मेरी माताजी का सही नाम कुमन (Kuman) और जन्म दिनांक 04.06.1979 है।

मैं आर्मी नं. 16029111H राइफलमैन जितेन्द्र सिंह यूनिट 17 राजरिफ सवाईमान) है। मेरे सैन्य दस्तावेजों में मेरी माताजी का नाम उच्छब कँवर (UCHCHHAB KANWAR) जो की गलत है मेरी माताजी का सही नाम उच्छब कँवर (UCHHAB KANWAR) है।

I, Savitha Kumari spouse of JC-829947Y Sub (GD) Santosh Kumar resident of Village Lutfullan Chak, Post: Patria, Teh: Jahanabad, Police Station: Jahanabad, Dist: Jahanabad, State Bihar, PIN-804454 have changed my name from SAVITHA KUMARI to SAVITA KUMARI Vide affidavit No. CD547845 Date 25.07.2025

I, Bhavri Kunwar spouse of No. 8038698H LNK (GD) Chauhan Hitesh Vikramsinh resident of Village Dharampura, Post: Shahibaug, Teh: Ahmedabd, Police Station: Madhupura, Dist: Ahmedabd, State Gujarat, PIN-380004 have changed my name from BHAVRI KUNWAR to CHAUHAN BHAVARI KUNWAR HITESH Vide affidavit No. CD547844 Date 25.07.2025

सेप्टिक टैंक सड़क किनारे खाली करने से लोगों का जीना दुश्वार

पावटा। मल-मूत्र अपशिष्ट के टैंकों को सही स्थान पर रिक्त करने की बजाए कुछ चालक इन्हें कहीं भी सड़क किनारे रिक्त कर रहे हैं। इससे गंदगी फैलने के साथ आसपास का वातावरण दुर्गंध से भर रहा है।

- **इससे गंदगी फैलने के साथ आसपास का वातावरण दुर्गंध से भर रहा है**

यह कार्यप्रणाली लोगों के स्वास्थ्य को भी खतरा बनी हुई है। हैरानी की बात है कि यह कार्य कहीं भी सड़कों व बरसाती नालों पर किया जा रहा है। पावटा कस्बा स्थित सेवी मंदिर के सामने सर्विस रोड पर बरसाती पानी की निकासी के लिए बने नाले में मल-मूत्र अपशिष्ट छोड़ा जा रहा है। क्षेत्र में टैंकों की सफाई के बाद अपशिष्ट को जहां-तहां फेंका जा रहा है। इस कार्य को अधिकांश निजी टैंकर अंजाम दे रहे हैं। इन्हें रोकने पर प्रशासन का ध्यान नहीं है। क्षेत्र में सेप्टिक टैंक संचालकों द्वारा खुले में गंदगी फैलाई जा रही है। पावटा प्रागपुरा नगरपालिका की तरफ से भी इस तरफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। नगर निगम का गठन होने के बाद अधिकारियों ने खुले में सेप्टिक टैंक खाली करने वालों के चालान काटने की चेतावनी दी थी लेकिन फिर नालों में सेप्टिक टैंक खाली किए जा रहे हैं। इसके साथ ही गोपाल भैया मंदिर के पीछे खाली जमीन पर सेप्टिक टैंक खाली किए जा रहे हैं। जिसकी लोगों द्वारा शिकायत भी दी गई थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में रोजाना सेप्टिक टैंक वाले गंदगी फैलाते हैं। इस बारे में रोकने पर झगड़ा करना शुरू कर देते हैं। इस प्रकार के टैंक खाली करने के नाम पर मकान मालिकों से हजार से 12 सौ रुपये लिए जाते हैं। नियमों के अनुसार इन टैंकरों को शोधन प्लांट में खाली किया जाता है। लेकिन टैंकर चालक इन्हें खाली जमीन और नालों में डाल देते हैं। इससे दूसरे लोगों को बदबू का सामना करना पड़ता है। इससे यहां लोगों में बीमारी फैलने का डर बना रहता है। नगरपालिका को ऐसे लोगों के विरुद्ध सख्त कदम उठा टैंकर जब्त करने के निर्देश दिए जाए।

आवासीय छात्रावास पावटा में प्रवेश जारी

पावटा। कस्बा स्थित नर्बदा देवी बिहारी लाल जोशी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय पाव टा के अधीन भारत सरकार के समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत स्थापित तथा शिक्षा विभाग राजस्थान द्वारा संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय छात्रावास ब्लॉक पावटा में सत्र 2025- 26 में बालिकाओं के प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ है। जानकारी देते हुए नोडल प्रधानाचार्या विजया कौशिक ने बताया कि इस आवासीय छात्रावास में कक्षा 9 से 12 तक बालिकाओं के प्रवेश जारी है। छात्रावास में कुल 100 सीटे है। इस छात्रावास में रहने वाली बालिकाओं को आवास, रहना, खाना, कपडे, स्टेशनरी, छात्रवृति सहित शैक्षणिक भ्रमण की सुविधा भी निशुल्क प्राप्त होती है । वही छात्राओं को सहशैक्षिक गतिविधियां, खेल, एनएसएस आदि सुविधाएं भी उपलब्ध रहेगी। प्रवेश में एकल महिला, विधवा, परित्यक्ता, बीपीएल, एसटी, एससी, ओबीसी को नियमानुसार प्राथमिकता दी जाएगी। इसका उद्देश्य बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना है।

नरेश मीणा गिरफ्तार, रिहाई के लिए समर्थक सड़कों पर उतरे

टोंक, (निसं)। झालावाड़ जिले में स्कूल भवन गिरने से सात बच्चों की हुई मौत के बाद मौके पर पहुंचकर नरेश मीणा द्वारा किये जा रहे धरने को लेकर पुलिस ने मीणा को गिरफ्तार कर लिया। उसके बाद उनके समर्थक उग्र हो गए और जिले में भी उनके समर्थकों ने उनकी रिहाई की मांग को लेकर अलीगढ़ और समरावता के पास से गुजर रहे हाइवे पर जाम लगा दिया और बीती रात को सरकार के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। बाद में इसकी सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और समर्थकों को समझाकर हाइवे से दूर कर दिया। इस दौरान उनके समर्थकों ने हाइवे से हटते समय पुलिस को चेतावनी दी कि शनिवार दोपहर तक नरेश मीणा को रिहा नहीं किया गया तो फिर से हाइवे जाम किया जाएगा। इस दौरान उनियारा थानाधिकारी व पुलिस अधिकारी और बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद थे।

- **समर्थकों ने अलीगढ़-समरावता के हाइवे पर प्रदर्शन किया**
- **झालावाड़ हादसे के बाद मौके पर पहुंचे नरेश मीणा धरना देने पहुंचे थे**

जानकारी के अनुसार शुक्रवार को झालावाड़ जिले के मनोहर थाना ब्लॉक के पिपलोदी की एक सरकारी स्कूल भवन का हिस्सा गिरने से सात बच्चों की मौत हो गई थी व 27 बच्चे घायल हो गए थे। इस बड़ी घटना का पता लगने के बाद नरेश मीणा भी अपनी जन क्रांति यात्रा को बीच में ही छोड़कर मृतकों के परिजनों को सांत्वना देने के लिए जा रहे थे, उन्हें पहले तो झालावाड़ जिले में एक टोल प्लाजा के पास पुलिस ने लाइन ऑर्डर बिगड़ने की बात कहकर काफी देर तक रोक लिया। बाद में वहां पहुंचने पर नरेश मीणा ने सरकार से मृतक के आश्रितों को एक-एक करोड़ रुपए और घायलों को 50-50 लाख रुपए देने की मांग की, लेकिन सरकार और प्रशासन की ओर से कोई सकारात्मक जवाब नहीं आया। इस दौरान नरेश मीणा और उनके मौके पर मौजूद हजारों समर्थकों ने नारेबाजी की।

पुलिस अधीक्षक ने पौधारोपण किया

करौली । राष्ट्रीय वन एवं पर्यावरण अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन स्वामी विवेकानंद पार्क करौली में प्रमुख खनन व्यवसायी अखिलेश लवानिया द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल रहे इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि श्रीमती इंदु देवी एवं पूर्व जिला अध्यक्ष रमेश राजोरिया, मदन मोहन पचौरी, जिला महामंत्री भाजपा सुरेश शुक्ला, मदन मोहन लवानिया, कन्हैया लाल शर्मा, मनोहरी लाल शर्मा, अरुण शर्मा, राजेंद्र सारस्वत, कल्याण शर्मा पिपरानी वाले, नारायण सिंह, लड्डू गोपाल गुप्ता, बजरंग लाल शर्मा, महेंद्र सूरौठिया, पप्पू माली, रामेश्वर प्रजापत, बंटी लवानिया, प्रमोद शर्मा, पप्पू दाढ़ा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इसके अलावा खनन व्यवसायी अखिलेश लवानिया ने लवानिया पैलेस पर नवगठित भाजपा जिला कार्यकारणी में जिला महामंत्री सुरेश शुक्ला एवं जिला प्रवक्ता जितेंद्र सिंह पिचानोत का माला साफा पहनाकर स्वागत किया।

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक:5796 जाहिर आम-सूचना दिनांक:25.07.2025

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 94/17A (HIG), (एरिया 191.70 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री पर्वत सिंह शेखावत पुत्र श्री कुन्दनसिंह शेखावत को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 4386 दिनांक 26.06.2003 एवं संशोधित आवंटन पत्र क्रमांक 1939 दिनांक 25.03.2004 को जारी किया गया। श्री पर्वत सिंह शेखावत के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 29.03.2006 को उप पंजीयक जयपुर-द्वितीय के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्री पर्वत सिंह शेखावत द्वारा उक्त आवास को दिनांक 06.05.2016 के द्वारा श्री रवि कुमार होतचन्दानी पुत्र श्री गिरधारी होतचन्दानी को विक्रय कर उप पंजीयक जयपुर-नवम्, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्री रवि कुमार होतचन्दानी द्वारा उक्त आवास को दिनांक 12.09.2019 के द्वारा 1. श्री आशीष पाराशर एवं 2. श्री गौरव पाराशर पुत्रान् श्री सुभाष चन्द शर्मा को विक्रय कर उप पंजीयक-चतुर्थ, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। क्रेता/केती 1. श्री आशीष पाराशर एवं 2. श्री गौरव पाराशर पुत्रान् श्री सुभाष चन्द शर्मा द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास में अपना नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, 1. श्री आशीष पाराशर एवं 2. श्री गौरव पाराशर पुत्रान् श्री सुभाष चन्द शर्मा का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

खोया पाया

मेरे प्लॉट संख्या 144-सी श्रीनाथ पूरम कोटा, राजस्थान के रजिस्ट्री पेपर दिनांक 11.01.2001 कहीं गुम हो गए है मिलने पर सूचित करें। कमलेश कुमार जैन-9950291425

मेरा प्लॉट नं. 176 श्री गणेश नगर जयपुर (जय अम्बे कॉ-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड जयपुर) का आवंटन पत्र, साइट प्लान, रसीद जो सी-स्कीम के आसपास कहीं खो गया है। जिस व्यक्ति को मिले तो सम्पर्क करें- श्रीमती पापिया बैनर्जी, 5-क-5 ज्योति नगर जयपुर

मेरे भूखण्ड संख्या एन-140, जेडीए की योजना अशोक विहार-बी की मूल नाम ट्रांसफर पत्र कहीं गुम हो गया है मिलने पर सूचित करें-सुनीता गोठवाल मो-9414613530

मेरे भूखण्ड संख्या 14/OA/128 ग्राम ग्वार जाटान, सांगानेर जयपुर का मूल आवंटन पत्र संख्या-जविप्रा/उपा. जोन 14/रिंग रोड/2011/डी-2025 व कब्जा पत्र संख्या जविप्रा/उपा.जोन 14/रिंग रोड/2011/डी-2025 जेडीए द्वारा जारी किये गये कहीं खो गये। मिलने पर सूचित करें-रामनिवास पुत्र श्री रामचन्द्र जाट 9928929583

बाजारों में सिंजारा पर्व व हरियाली तीज का रंग चढ़ा

पावटा, (निसं)। पावटा उपखंड व आसपास के क्षेत्रों मे हरियाली तीज का पर्व रविवार को परंपरागत तरीके से धूमधाम से मनाया जायेगा। वहीं बाजारों में भी हरियाली तीज का रंग चढ़ा हुआ है। दुकानों से लेकर ब्यूटी पार्लरों में महिलाओं की भीड़ लगी रही। रविवार को हरियाली तीज को लेकर जहां बाजार में रौनक छाई, वहीं महिलाओं में सजने संवरने का क्रेज चरम पर है। शनिवार को बाजार में सौंदर्य प्रसाधन की दुकानों पर अन्य दिनों के मुकाबले महिलाओं की अधिक भीड़ लगी दिखी। वही वस्त्र व्यापारी मनोज मित्तल, संतोष गुप्ता व वस्त्र व्यापार मंडल महामंत्री रतन जिंदल ने बताया कि शनिवार को सिंजारा व रविवार को तीज त्यौहारो को देखते हुए कपड़े और साड़ी की दुकानों पर भी महिला ग्राहकों की भीड़ बनी रही। बाजार में सामान खरीदने आई महिलाओ ने बताया कि रविवार को हरियाली तीज को लेकर

- **हरियाली तीज पर पति के दीर्घायु और वैवाहिक जीवन में सुख और समृद्धि लाने के लिए रखा जाता है व्रत**
- **रविवार को हरियाली तीज को लेकर जहां बाजार में रौनक छाई, वहीं महिलाओं में सजने संवरने का क्रेज चरम पर है**

अलग तरीके का उत्साह और उमंग है। उन्होंने त्योहार की तैयारी करते हुए दुकानों से साड़ी, कपड़े और मेकअप आदि सामान खरीद पूरी तैयारी करती दिखाई दी। वही घरों, मंदिरों सहित जगह जगह पेड़ों व पिल्लरो पर झूले भी बांधे गए है जिस पर आज महिलाए झूलती हुई नज़र आयेगी। हरियाली तीज पर सुहागन महिलाएं निर्जला व्रत रखती है, भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करती हैं। यह व्रत पति के दीर्घायु और वैवाहिक जीवन में सुख और समृद्धि लाने के लिए रखा जाता है। इस दिन सुहागिन महिलाओं के अलावा कुंवारी कन्याएं मनचाहा वर पाने के लिए पूजा पाठ करने के साथ व्रत रखती हैं। जिसे लेकर पावटा उपखंड व आस पास के क्षेत्रों मे हरियाली तीज का पर्व रविवार को परंपरागत तरीके से धूमधाम से मनाया जायेगा। वही शनिवार को सिंजारा पर्व को लेकर बाजार में ग्राहकों की भीड़ मिठाई की दुकानों पर भी लगी रही। हरियाली तीज पर बहनों के यहां सिंजारा ले जाने की परंपरा है। सिंजारे पर घेवर, मिठाई, मठरी और बताशों को ले जाने का प्रचलन है। तीज से एक दिन पहले बाजार में सिंजारा के लिए, सामान खरीदने के लिए लोगों की भीड़ रही। लोगों ने घेवर, मिठाई, मठरी और बताशों की जमकर खरीदारी की।

शहीदों को श्रद्धांजलि दी

भरतपुर (निस)। भरतपुर में फोस्टर किड्स प्ले स्कूल में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर वीर शहीदों को नमन कर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों, शिक्षकों एवं अभिभावकों ने दो मिनट का मौन रखकर देश के लिए बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्ले स्कूल के निदेशक शुभम सक्सेना ने नन्हे बच्चों को कारगिल विजय दिवस का महत्व समझाते हुए बताया कि यह दिन उन सैनिकों की वीरता और बलिदान को याद करने का है जिन्होंने देश की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर किए। उन्होंने स्वदेशे आते हैं... गीत के माध्यम से बच्चों के भीतर देशभक्ति का भाव जागृत किया और संदेश दिया कि हम भारत माता के सच्चे देशभक्त बनकर ईमानदार, चरित्रवान और निष्ठावान रहना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया। शुभम सक्सेना ने वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह पर्यावरण को स्वच्छ एवं हरित बनाए रखने में योगदान दे।

पंचायतीराज मंत्री ने अधिकारियों की बैठक ली

भरतपुर (निस)। पंचायत राज मंत्री मदन दिलावर ने पंचायत राज विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर निर्देश दिए की सरकार की मंशा के अनुरूप सभी अधिकारी ग्रामीण क्षेत्र के विकास, साफ सफाई के कार्य को प्राथमिकता में रखें।

- **स्वच्छता से समझौता नहीं, विकास कार्यों की गुणवत्ता हो सुनिश्चित : पंचायतीराज मंत्री**

पंचायत राज मंत्री नगर निगम सभागार में भरतपुर एवं डीग जिले के पंचायत राज विभाग की समीक्षा बैठक में उपस्थित अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक गांव में नियमित रूप से साफ सफाई हो, नियमित नालियों की सफाई एवं कचरा उठाओ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं होगा नियमित रूप से नालियों की सफाई, गांव में झाड़ू लगाना तथा कचरा उठाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने दो माह का समय देते हुए सभी गांव में स्वच्छता का कार्य सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा की अधिकारी नियमित रूप से क्षेत्र भ्रमण कर ग्रामीणों से रूबरू हो, विकास अधिकारी महीने में चार दिवस ग्रामीण क्षेत्रों में रात्रि विश्राम कर विकास कार्यों मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण कर ग्रामीणों से सीधा संवाद बनाएं।

उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं, विकास कार्यों को गुणवत्ता, सांसद विधायक निधि के कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हरियालो राजस्थान के तहत लक्ष्य को पूरा करते हुए चारागाह, सड़कों के किनारे, तालाबों की मेड, सरकारी कार्यालय, स्कूलों में अधिकाधिक पौधे लगाये जायें। उन्होंने प्रत्येक नरेगा कार्मिक को 300 पौधे लगाने का लक्ष्य पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि पौधों की उपलब्धता नहीं होने पर ऐसे पेड जिनकी टहनियां लग सकती है

बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए अनूठी पहल

भरतपुर (निस)। भरतपुर में जघीना गेट स्थित महर्षि दयानंद वैदिक साधु आश्रम बच्चों के शारीरिक, मानसिक और नैतिक विकास के लिए प्रतिदिन निशुल्क योग कक्षाएं एवं बॉक्सिंग प्रशिक्षण के माध्यम से बच्चों को अनुशासन, आत्मविश्वास और स्वस्थ जीवनशैली की ओर अग्रसर किया जा रहा है।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

सरकार का उद्देश्य जनहित में पारदर्शी, जवाबदेह और संवेदनशील प्रशासन सुनिश्चित करना है : मंत्री किरोड़ी

खैरथल। जिला प्रभारी मंत्री एवं कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा शनिवार को खैरथल में जिला प्रशासन के पौधारोपण कार्यक्रम में पहुंचे और सरकार के हरियालो राजस्थान अभियान के तहत पौधारोपण किया व मुख्यमंत्री कृषक साथी योजना के तहत लाभार्थियों को चेक प्रदान किए और लोगों को अधिक से अधिक पेड लगाने व लगाए गए पौधों को बडा करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान मंडी परिसर में 1100 पौधे रोपित किए गए।

मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कृषक साथी योजना के तहत लाभार्थियों को चेक प्रदान किए ।

कार्यक्रम के दौरान प्रभारी सचिव एवं प्रबंध निदेशक रीको शिवांगी स्वर्णकार, कलैक्टर किशोर कुमार, एसपी खैरथल मनीष कुमार व भिवाडी एसपी प्रशांत किरण, पूर्व विधायक रामहेत यादव, जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर, भाजपा जिला अध्यक्ष महा सिंह चौधरी, नगर परिषद सभापति हरीश रोघा सहित अधिकारी जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि राजस्थान, जो जल की कमी, मरुस्थलीय भूमि और कम वनावरण की समस्या से झूझता राज्य नजर आता था, अब हरित भविष्य की ओर अग्रसर है। जिसके परिणामस्वरूप जैव विविधता का संरक्षण, जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी समस्याओं का निराकरण, शहरी हरियाली के संवर्धन के साथ रोजगार और आर्थिक विकास जैसे आयामों को सफलतापूर्वक प्राप्त किया जा सकेगा।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने मुख्यमंत्री कृषक साथी योजना के अंतर्गत लाभान्वित महिला श्रीमती सुमन देवी को 2 लाख का सहायता राशि का चेक प्रदान किया महिला के पति का निधन खेत में पानी देते समय करंट लगने से हो गया था। इसके अलावा मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना के तहत नगर निकाय द्वारा रमन देवी को 10,000 की आर्थिक सहायता का चेक प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि जिले को हरा भरा करने के हेतु अब तक 1,58000 पौधे लगाए जा चुके हैं, आमजन के सहयोग से जिले के दिए गए लक्ष्य को पूरा कर अतिरिक्त पौधारोपण करने का आह्वान किया। हरियाली तीज के अवसर पर जिला स्तर पर 3:50 लाख पौधे रोपित किए जाएंगे। इसमें भिवाड़ी स्थित प्रस्तावित नगर वन ए में मियावाकी पद्धति से प्रातः 50,000 पौधे लगाए जाएंगे, जहां वन महोत्सव का आयोजन भी किया जाएगा। उन्होंने इस मौके पर उपस्थित आमजन को अधिक से अधिक पौधे लगाने का संकल्प भी दिलाया। इस अवसर पर पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव ने जिले में पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली बढाने की दिशा में किए गए विशेष प्रयासों का उल्लेख किया। यादव ने आमजन से आ न किया कि वे अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी देखभाल सुनिश्चित करें ताकि जिला पर्यावरणीय संतुलन के क्षेत्र में पूरे राजस्थान में एक उदाहरण बन सके। उन्होंने युवाओं, विद्यालयों, ग्राम पंचायतों और सामाजिक संगठनों से भी अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की इसके बाद मंत्री किरोडी लाल मीणा ने जिला सचिवालय के सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति समीक्षा की बैठक में राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों, विभागीय उपलब्धियों एवं योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा कर मंत्री ने अधिकारियों को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इत्तलानामा बनाम रेस्पोंडेन्ट

न्यायालय संभागीय आयुक्त महोदय, जयपुर (संभाग जयपुर) राजस्थान अपील नंबरी मुतफरिक या इजराय :
458/2013
2014/00015
डिग्री नं....सन...बिनाराजी
तजबीज....अदालत
मुकाम...मुकाम....मवरिखा....सन....
भारत संघ वगैरह — अपीलान्ट
बनाम
जे.डी.ए. वगैरह — रेस्पोडेन्ट

बनाम (1) श्रीमती मेखा बेवा प्रभू, (2) भूरिया, (3) मोती पुत्रान श्री लादू, (4) मनोज, (5) ब्रजेश पुत्रान बाबूलाल (6) सीमा, (7) बीना, (8) रचना पुत्रीयान बाबूलाल, समस्त जातियान मीणा जरिये आनन्द भवन गृह निर्माण समिति, जगन्नाथपुरा, खातीपुरा रोड, जिला जयपुर राजस्थान (9) सचिव, आनन्द गृह निर्माण समिति जगन्नाथपुरा, खातीपुरा रोड मुत्तिला हो कि अपील बिनाराजी डिक्री व तारीख....इस मुकदमें में......में पेश किया है और अदाल की तजबीज 05 माह 08 सन् 2025 ई. वास्ते समाअत इस अपील के मुकर्रर की गई है, अगर खुद आप या आपके वकील या कोई सख्श जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जवाब व सवालत करने का माजज हो हाजिर न आवेगा, तो उसकी समाअत और की जायेगी। आज तारीख 22 माह 07 सन् 2025 ई. मेरे दस्तखत और मोहर अदालत से जारी किया।

मोहर अदालत
आदेशानुसार-रीडर
न्यायालय संभागीय आयुक्त, जयपुर

इत्तलानामा बनाम रेस्पोडेन्ट

न्यायालय संभागीय आयुक्त महोदय, जयपुर (संभाग जयपुर) राजस्थान अपील नंबरी मुतफरिक या इजराय :
236/2014
2014/00005
डिग्री नं....सन...बिनाराजी
तजबीज....अदालत
मुकाम...मुकाम....मवरिखा....सन...
भारत संघ वगैरह — अपीलान्ट
बनाम
जे.डी.ए. वगैरह — रेस्पोडेन्ट

बनाम गुलाब बाजी गृह निर्माण सहकारी समिति लि. रजिस्ट्रेशन नंबर 2564/एल जरिये अध्यक्ष शिव विजय शर्मा, पता-चार नंबर डिस्पेन्सरी के पास, सोडाला, जिला जयपुर, राजस्थान मुत्तिला हो कि अपील बिनाराजी डिक्री व तारीख....इस मुकदमें में......में पेश किया है और अदाल की तजबीज 05 माह 08 सन् 2025 ई. वास्ते समाअत इस अपील के मुकर्रर की गई है, अगर खुद आप या आपके वकील या कोई सख्श जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जवाब व सवालत करने का माजज हो हाजिर न आवेगा, तो उसकी समाअत और की जायेगी। आज तारीख 22 माह 07 सन् 2025 ई. मेरे दस्तखत और मोहर अदालत से जारी किया।

मोहर अदालत
आदेशानुसार-रीडर
न्यायालय संभागीय आयुक्त जयपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत भदलाव पंचायत समिति स.मा. जिला सवाई माधोपुर
क्रमांक-ग्रा.प./2025-26/54 **ई-निविदा सूचना संख्या /2025-26** दिनांक-23.07.2025
पंचायत समिति सवाई माधोपुर के अधीन ग्राम पंचायत भदलाव जटवाडा कला में विभिन्न योजना में स्वीकृत कार्यो हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेंट प्रक्रिया में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित नियम, शर्ते व सम्बन्धी दस्तावेज लोक उपापन की वेबसाईट पर देखे एवं डाउनलोड किये जा सकते है-
NIB CODE- ZSM2526A0486, ZSM2526A0487, ZSM2526A0470
UBN - ZSM2526WSOB0552, ZSM2526WSOB0553, ZSM2526WSRC00533
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत भदलाव, पं.स. सवाई माधोपुर
राधा देवी, प्रशासक, ग्राम पंचायत भदलाव, पं.स. सवाई माधोपुर

संक्षिप्त

चोरी के दो आरोपी पकड़े

गंगापुर सिटी । समीपवर्ती पिपलाई कस्बे के सुनार की दुकान से हुई चोरी का मामला बामनवास पुलिस ने सुलझा कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक सवाई माधोपुर अनिल कुमार बेनिवाल के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बौंली नीलकमल मीना और पुलिस उपाधीक्षक बामनवास सीताराम मीना के सुपरविजन में थानाधिकारी राकेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में टीम ने आरोपियों को पकडा। घटना 15 मई 2०25 की रात की है। चोरों ने पिपलाई में सुनार की दुकान का ताला तोडकर सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चुरा ली थी। इस मामले में बामनवास थाने में प्रकरण संख्या 97/2०25 दर्ज किया गया था। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल कॉल डिटेल का विश्लेषण भी किया गया। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर राजकुमार (21) पुत्र कन्हैयालाल, निवासी पिपलाई को पकड कर पुलिस की कडी पूछताछ में राजकुमार ने अपने साथी लोकेश (26) पुत्र हरकेश, निवासी पिपलाई का नाम बताया। दोनों से पूछताछ के बाद चोरी की पुष्टि हुई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों का पीसी रिमांड लिया है। चोरी गए आभूषणों की बरामदगी के प्रयास जारी हैं। इस कार्रवाई में थानाधिकारी राकेश शर्मा, सहायक उपनिरीक्षक वीर सिंह, कॉन्स्टेबल ओमप्रकाश, राकेश और मोनू धाकड शामिल रहे।

भगवान शिव की विशेष पूजा

पावटा। सावन महीना देवों के देव महादेव भगवान शिव जी का पवित्र महीना माना जाता है। मान्यता है कि यह महीना भगवान भोलेनाथ जी को अतिप्रिय है और जो भक्तगण इस पवित्र महीना में प्रतिदिन भगवान शिवजी की पूजा-अर्चना रुद्राभिषेक यज्ञ का आयोजन विधि विधान से करते हैं उनकी समस्त मनोकामनाएं भगवान भोलेनाथ जी पूरी करते हैं।

गांव दतवास में जर्जर स्कूल बिल्डिंग को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

टोंक। निवाई उपखण्ड क्षेत्र के ग्राम दतवास में जयपुर-सवाईमाधोपुर मार्ग पर राजकीय बालिका माध्यमिक विद्यालय के सामने छात्राओं, अभिभावकों और ग्रामीणों ने रोड जाम कर प्रदर्शन किया। इस दौरान ग्रामीणो ने बताया कि विद्यालय की बिल्डिग इतनी जर्जर को गई है कि बारिश के दिनों में बैठने की जगह नहीं है और दीवारों में दरारें पड गई हैं, इससे बिल्डिंग गिरने का खतरा बना हुआ है। इस मुद्दे पर गत वर्ष भी छात्रों ने धरना प्रदर्शन किया था और उच्च अधिकारियों को अवगत कराया था, लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं की गई। जाम की सूचना मिलने पर दत्तवास थानाधिकारी कालूराम मीणा मय पुलिस जाप्ते के मौके पर पहुंचे तथा धरना पर मौजूद छात्राओं और अभिभावकों को समझाने

पुलिस ने धरना स्थल पर पहुंच कर ग्रामीणों से समझाई की।

की कोशिश की, लेकिन प्रदर्शनकारी उच्च अधिकारियों को बुलाने पर अडे रहे। बाद में थानाधिकारी ने उच्च अधिकारियों को सूचना दी, जिसके बाद नायब तहसीलदार जीवन राम शर्मा, वृताधिकारी निवाई मृत्युंजय मिश्रा और बीईओ मंजू शर्मा मौके पर पहुंचे। इस दौरान उच्चाधिकारियों ने पीडब्ल्यूडी के एईएन को मौके पर भी बुलाया गया,

■ स्कूल जर्जर मुद्दे पर गत वर्ष भी छात्रों ने धरना प्रदर्शन किया था और उच्च अधिकारियों को अवगत कराया था, लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं की गई।

पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि विद्यालय भवन क्षतिग्रस्त है और इसमें विद्यालय का संचालन नहीं किया जा सकता। जिस पर अधिकारियों ने मौके पर जिला शिक्षा अधिकारी से फोन पर बात कर विद्यालय को थाने के समीप के भवन में शिफ्ट करने का निर्णय लिया गया।

सार-समाचार

शांतिपूर्ण होगी महापंचायत

सवाई माधोपुर । जिला कलेक्टर काना राम एवं जिला पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बैनीवाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी 27 जुलाई को मकसूदनपुरा में प्रस्तावित डूंगरी बांध संबंधी महापंचायत को लेकर प्रशासन और महापंचायत कमेटी के सदस्यों के साथ सद्भावपूर्ण माहौल में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में ईआरसीपी के सहायक अभियंता दीपक प्रजापत द्वारा प्रस्तावित डूंगरी बांध की स्थिति पर तकनीकी ब्रीफिंग दी गई। उन्होंने बताया कि वर्तमान में केवल सेटेलाइट के माध्यम से संभावित हवाई सर्वेक्षण किया गया है, जबकि विस्तृत भौतिक सर्वे अभी शेष है। इस तकनीकी जानकारी के आधार पर आयोजकों को स्पष्ट किया गया कि परियोजना फिलहाल प्रारंभिक स्तर पर है और अंतिम निर्णय के लिए विस्तृत सर्वे के उपरांत ही कोई प्रक्रिया अपनाई जाएगी। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने आयोजकों से शांतिपूर्ण और अनुशासित ढंग से महापंचायत आयोजित करने की अपील की, जिस पर आयोजकों ने सहमति जताते हुए शांतिपूर्ण आयोजन का आश्वासन दिया। बैठक के पश्चात अधिकांश आयोजक प्रशासन की बातों से संतुष्ट नजर आए। इस महत्वपूर्ण बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, उपखंड अधिकारी मलारना डूंगर चंद्रप्रकाश वर्मा, तहसीलदार रामजी लाल मीणा, पटवारी प्रेमराज मीणा, गिरदावर रूपसिंह मीणा सहित प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे । महापंचायत समिति एवं आयोजनकर्ताओं की ओर से सरपंच पति मकसूदनपुरा मोहर सिंह गुर्जर, मलारना स्टेशन जगदीश सिंह गुर्जर, पूर्व सरपंच पनियाला मटरूलाल गुर्जर, पूर्व सरपंच ऐबरा रामकिशन गुर्जर, रिटायर्ड फौजी रामसहाय गुर्जर (ऐबरा), पूर्व सरपंच मकसूदनपुरा रामकरण गुर्जर, बाबूलाल गुर्जर (श्यामोली), किशनलाल गुर्जर (बिलोली नदी), तथा लक्ष्मण गुर्जर (जमादार, मकसूदनपुरा) सहित अनेक स्थानीय जनप्रतिनिधि व सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।
प्रशासन ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की भ्रांतियों से बचते हुए सभी विषयों पर खुला संवाद ही समाधान का आधार है।

चोरी करने के दो आरोपी पकड़े

बौंली -बामनवास । क्षेत्र के पिपलाई कस्बे से 15 मई 2025 को सुनार की दुकान से शटर का ताला तोड़कर सोना, चांदी के आभूषण व नगदी चोरी करने के आरोपी राजकुमार ब्राह्मण उम्र 21 वर्ष निवासी पिपलाई व लोकेश रैगर उम्र 26 वर्ष निवासी पिपलाई को बामनवास थाना पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। बामनवास थाना प्रभारी राकेश शर्मा ने बताया कि 15 मई 2025 की रात्रि को पिपलाई कस्बे में सुनार की दुकान से अज्ञात चोर सटर का ताला तोड़कर सोना, चांदी के आभूषण व नगदी चुरा ले गए थे, इस मामले में पुलिस थाना बामनवास में प्रकरण संख्या 97 /2025 दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया, इस मामले को लेकर सहायक उप निरीक्षक वीर सिंह कांस्टेबल ओमप्रकाश, राकेश व मोनू धाकड़ की गठित टीम ने घटनास्थल पर बारीकी से निरीक्षण कर सीसीटीवी फुटेज व मोबाइल डिटेल के आधार पर आरोपी राजकुमार ब्राह्मण को दस्तयाब कर पूछताछ की गई, पूछताछ पर आरोपी द्वारा अपने साथी लोकेश रैगर का भी घटना में शामिल होना पाया गया ।

झालावाड हादसे में नरेश मीणा की गिरफ्तारी पर मीणापाडा मोड पर रास्ता जाम

गंगापुर सिटी । शनिवार को भारतीय किसान यूनियन ने मीणापाडा स्टैंड पर बडा प्रदर्शन करते हुए सवाई माधोपुर गंगापुर मेघा हाइवे को कटिली झांडियां डाल कर अवरोध कर दिया। यूनियन के प्रदेश प्रभारी मदन मोहन राजौर के नेतृत्व में दर्जनों किसान और जनप्रतिनिधि गंगापुर सिटी-सवाई माधोपुर स्टेट हाईवे पर पहुंचे। उन्होंने सडक पर जाम लगाकर प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। यह प्रदर्शन झालावाड स्कूल हादसे में न्याय की मांग और नरेश मीणा की गिरफ्तारी के विरोध में आयोजित किया गया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि नरेश मीणा पीडितों को न्याय दिलाने की मांग कर रहे थे। इसलिए उनकी गिरफ्तारी गलत है। प्रदर्शन के दौरान यूनियन पदाधिकारियों ने थाना अधिकारी वीर सिंह के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में नरेश मीणा की बिना शर्त रिहाई, दोषियों पर सख्त कार्रवाई और स्कूल हादसे की उच्च स्तरीय जांच की मांग की गई। मदन मोहन राजौर ने चेतावनी

■ गंगापुर सिटी शनिवार को भारतीय किसान यूनियन ने मीणापाडा स्टैंड पर बडा प्रदर्शन करते हुए सवाई माधोपुर गंगापुर मेघा हाइवे को कटिली झांडियां डाल कर अवरोध कर दिया। यूनियन के प्रदेश प्रभारी मदन मोहन राजौर के नेतृत्व में दर्जनों किसान और जनप्रतिनिधि गंगापुर सिटी-सवाई माधोपुर स्टेट हाईवे पर पहुंचे। उन्होंने सडक पर जाम लगाकर प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई।

दी कि यदि नरेश मीणा को शाम तक रिहा नहीं किया गया तो दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक जाम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक पीडति परिवार को न्याय नहीं मिलता, आंदोलन जारी रहेगा। सरकार ने यदि जल्द ठोस कदम नहीं उठाया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रशासन मौके पर मौजूद रहा। करीब एक घंटे तक चले जाम से यातायात प्रभावित रहा। बाद में समझाइश के बाद प्रदर्शनकारी शांतिपूर्वक हट गए। प्रदर्शन में बडी संख्या में ग्रामीण, किसान और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। ज्ञापन में पांच प्रमुख मांगें रखी गईं। इनमें नरेश मीणा की तत्काल रिहाई, स्कूल हादसे की उच्च स्तरीय जांच, दोषी अधिकारियों और ठेकेदार पर कार्रवाई शामिल हैं। साथ ही मृतकों और घायलों के परिजनों को मुआवजा और सरकारी सहायता और सरकारी स्कूल भवनों की स्थिति की जांच और सुधार की मांग भी की गई। भारतीय किसान यूनियन ने स्पष्ट किया कि जब तक इन मांगों पर कार्रवाई नहीं होती, संघर्ष जारी रहेगा।

फुलेरा जंक्शन पर ट्रेन का ठहराव होगा

फुलेरा । पिछले कई महीनों से दैनिक रेल यात्रियों के सामने एक गंभीर समस्या आ रही थी कि रतलाम ट्रेन (जयपुर भोपाल ट्रेन 19711) में जयपुर, कनकपुरा से काफी संख्या में दैनिक रेल यात्री शाम को फुलेरा जाते है। गौरतलब है कि यहां पर यात्रियों की भीड अधिक होने के कारण काफी पैसेंजर्स को ट्रेन में चढ़ने व उतरने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। यहां तक कि यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने व उतरने से पहले ही ट्रेन को रवाना कर दिया जाता था। जबकि ट्रेन का स्टॉपेज अधिकारीक रूप से 2 मिनट का है, लगभग मगर 1 मिनट रवाना कर दिया था, कई बार तो ट्रेन रूकने से पहले ही सिगनल दे दिए जाते थे। इसके चलते ट्रेन में चढ़ने वाले पैसेंजर भी कई बार रह जाते थे।

इस समस्या को लेकर दैनिक रेल यात्री संघ एकीकृत के अध्यक्ष व शिष्ट मण्डल ने गुरुवार को सीनियर डी ओ एम अजीत मीना से मुलाकात कर इस समस्या से अवगत कराया, साथ ही अन्य बिन्दुओं को लेकर विस्तार से चर्चा

■ सीनियर डी ओ एम मीणा द्वारा आदेश जारी कर दिए कि जयपुर भोपाल ट्रेन 19711 अब फुलेरा जंक्शन पर 4 मिनट ठहराव करके जाएगी। वहीं आगे बताया कि इसके आदेश की कॉपी फुलेरा भी भिजवा दी गई है।

भी की गई। वहीं बीकानेर ट्रेन के लिए भी बताया गया कि यह ट्रेन भी फुलेरा कम समय रुक कर जाती है। जिस पर तुरन्त कार्रवाई करते हुए सीनियर डी ओ एम मीणा द्वारा आदेश जारी कर दिए कि जयपुर भोपाल ट्रेन 19711 अब फुलेरा जंक्शन पर 4 मिनट ठहराव करके जाएगी। वहीं आगे बताया कि इसके आदेश की कॉपी फुलेरा भी भिजवा दी गई है।

खैरथल में बन रही विदेशी रसोई को देखने आए "गुरु द्रोणाचार्य" सुरेंद्र पाल व अभिनेत्री सिमरन

खैरथल । खैरथल में 40 फुटा रोड पर बनकर तैयार हो रहे इंटरनेशनल कैफे व विदेशी रसोई पर शनिवार को टीवी सीरियल महाभारत में "द्रोणाचार्य" बने टीवी इंडस्ट्री के दिग्गज अभिनेता सुरेंद्र पाल और

■ खैरथल में 40 फुटा रोड पर बनकर तैयार हो रहे हे इंटरनेशनल कैफे व विदेशी रसोई

इंटरनेशनल शो एंकर, अभिनेत्री व पूर्व मिस इंडिया सिमरन आहूजा पहुंची। इस दौरान विदेशी रसोई के मालिक मोहन शर्मा ने फिल्मी सितारों का शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया ।

विदेशी रसोई के मालिक मोहन शर्मा ने फिल्मी सितारों का शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया ।

अभिनेता सुरेंद्र पाल टीवी सीरियल शक्तिमान में किलविश और देवों के देव महादेव में दक्ष प्रजापति सहित कई फिल्मों और टीवी सीरियलों में प्रमुख भूमिकाओं में दर्शकों पर अपने सशक्त अभिनय की छाप छोड़ चुके हैं । वहीं अभिनेत्री सिमरन आहूजा आईफा अवॉर्ड, फिल्म फेयर अवॉर्ड की रेड कार्पेट होस्ट के रूप में चर्चित होने के साथ ही, सिंधी भाषा की फिल्म "सिमरन" की लीड एक्ट्रेस होने के कारण भी पूरे विश्व के सिंधी समाज में प्रसिद्ध है।

खैरथल में निर्माणाधीन विदेशी रसोई में बनी आकर्षक विदेशी पेंटिंग्स की भी दोनों फिल्मी सितारों ने काफी तारीफ की। इस दौरान विदेशी रसोई के मलिक मोहन शर्मा ने बताया रसोई का कार्य लगभग पूरा हो चुका है और अगस्त में शुरू कर दी जाएगी। इंटरनेशनल कैफे व विदेशी रसोई के शुरू होने का खैरथल सहित आसपास के लोगों को बेसब्री से इंतजार है। इस अवसर पर डॉ. विमला गौड़ , निशांत शर्मा , प्रशांत शर्मा , ज्योति शर्मा , मयंक शर्मा , चिरायु शर्मा , कनिष्का शर्मा , विदेशी रसोई की महाप्रबंधक दिव्या वासवानी , शेफ जितेंद्र सिंह , घनश्याम भारती , दिनेश मखीजा , मोहित लालवानी , सोनू लोढ़ा व भगत सिंह आदि मौजूद रहे।

हादसों के इंतजार में स्कूल भवन

फुलेरा । कस्बे के निकटवर्ती काचरोदा पंचायत के अधिनस्थ बड की ढाणी में स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बड की ढाणी में विद्यालय के हालात इतने भयावह है, कि विद्यालय के हर बच्चे के मन में डर पैदा हो गया है। इसका मुख्य कारण हाल ही में झालावाड़ के एक सरकारी स्कूल में हुआ हादसा है। गौरतलब है कि इस विद्यालय में कुल आठ कक्षा कक्ष है। जिसमें छः कमरों में विद्यार्थी बैठकर पढाई करते है और बाकी एक कमरे में ऑफिस है, तो वह एक में रसोई बनाई हुई है। लेकिन विद्यालय के सभी कमरों की छतों में बड़े बड़े छेद हो रहे है। जिसके कारण पानी कमरों में भर जाता है। ऐसे में ज्यादा पानी भरने से विद्यालय के कमरों में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। विद्यालय के प्रधानाचार्य पूरणमल नायक ने बताया कि यहां की समस्याओं और छतों की मरम्मत के लिए पिछले करीब चार वर्षों से शिक्षा विभाग और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को लगातार पत्र और ज्ञापन दिया जा रहा है और प्रत्यक्ष में भी अवगत कराया जा चुका है। इसके बावजूद भी उक्त समस्या की ओर किसी का भी ध्यान नही जा रहा है। या यूं कहें कि झालावाड़ में हुए हादसे की जैसे ही किसी बड़े हादसे का इंतजार किया जा रहा है। वहीं विद्यालय के प्रधानाध्यापक पूरणमल नायक ने बताया ।

बच्चों को स्वच्छता दिनचर्या में शामिल करने की प्रेरणा दी

गंगापुर सिटी । नगर परिषद ने स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के अंतर्गत सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान-2025 की शुरुआत की है। सभापति शिवरतन अग्रवाल के निर्देशानुसार केशवा एकेडमी सी. स्कूल में एक प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बच्चों ने स्कूल के मैदान पर बैठकर एसएबीबी शब्द की मानव आकृति बनाई। यह आकृति सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ का प्रतीक चिन्ह है। इस प्रयास से स्वच्छता का संदेश समाज तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। नगर परिषद की टीम ने छात्रों को हाथ धोने की 6 स्टेप प्रक्रिया का प्रायोगिक प्रदर्शन किया। इसमें हथेलियों को रगडना, हाथ की पिछली सतह, उंगलियों के बीच, उंगलियों की पिछली सतह, अंगूठे और नाखूनों की सफाई शामिल थी। टीम ने बताया कि हाथ धोने से डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड और डायरिया जैसी बीमारियों से बचाव संभव है।कार्यक्रम में छात्रों को अभियान के 6 मूल मंत्र भी समझाए गए। इनमें स्वच्छ हाथ, स्वच्छ घर, स्वच्छ पडोस, स्वच्छ शौचालय, स्वच्छ नालियां और जल निकाय, तथा स्वच्छ सार्वजनिक स्थल शामिल हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य विवेक पाठक

■ स्वच्छ भारत मिशन के तहत गंगापुर सिटी में चला विशेष

■ स्वच्छता का संदेश समाज तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। नगर परिषद की टीम ने छात्रों को हाथ धोने की 6 स्टेप प्रक्रिया का प्रायोगिक प्रदर्शन किया। इसमें हथेलियों को रगडना आदि शामिल है।

ने बच्चों को स्वच्छता को अपनी दिनचर्या में शामिल करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि घर और आसपास का वातावरण साफ रखना अत्यंत आवश्यक है। नगर परिषद आयुक्त बृजेन्द्र मीना ने बताया कि यह अभियान पूरे जुलाई माह चलेगा। शहर के विभिन्न स्कूलों, आंगनवाडियों और सार्वजनिक स्थलों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे स्वच्छता अपनाएं और बीमारियों से स्वयं को तथा अपने परिवार को सुरक्षित रखें।

आमजन की जागरूकता से दिव्यांग को मिला व्हील चेयर

पावटा। शुक्रवार को उपखंड पावटा क्षेत्र में झुग्गी झोपड़ी में रहने वाली दिव्यांग सुनीता पुत्री अंबाजी को उसकी स्थिति देखकर सामाजिक कार्यकर्ता टिंकू प्रजापति ने व्हील चेयर दिलवाने के लिए संबंधित विभागों में अधिकारियों से मिलने पहुंचे और उन्हें दिव्यांग सुनीता की समस्या से अवगत कराया। जिस पर सामाजिक कल्याण विभाग अधिकारी गेंदालाल ने दिव्यांग की कहानी सुनकर व्यथित हो गए और दिव्यांग सुनीता व्हील चेयर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। सामाजिक कार्यकर्ता टिंकू प्रजापति की जागरूकता व सामाजिक कल्याण विभाग अधिकारी गेंदालाल की संवेदनशीलता के कारण दिव्यांग सुनीता को व्हील चेयर उपलब्ध हो गया। जिसे एसडीएम कपिल उपाध्याय ने अपने हाथों से दिव्यांग सुनीता को सौंपा। व्हील चेयर पाकर दिव्यांग सुनीता को और परिजनों के चेहरे खिल उठे। वही एसडीएम कपिल उपाध्याय ने दिव्यांग सुनीता को पेंसन,राशन, स्कुटी एवं अन्य लाभ दिलवाने का आश्वासन दिया। इससे पूर्व टिंकू प्रजापति ने सम्बंधित अधिकारियों को जानकारी देते हुए बताया कि दिव्यांग सुनीता को चलने फिरने में अभी काफी असुविधा होती है ।

करौली जिला बनने के 28 वर्ष बाद भी मूलभूत सुविधाओं को तरस रहे हैं लोग

करौली । बिजली की अघोषित कटौती ने भीषण उमस भरी गर्मी में आम जन को झकझोर कर रख दिया कहने को तो करौली जिला मुख्यालय है लेकिन जिला मुख्यालय स्थित शहर वासी मूलभूत सुविधाओं के लिए किस तरह तृस्त है जिसको बया नहीं की जा सकता करौली को जिला बने 28 वर्ष पूरे हो चुके हैं लेकिन जिला मुख्यालय स्थित शहर वासी आज भी बिजली, पानी, सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहा है और जिले मुख्यालय पर बैठे सभी विभागों के आला अधिकारी जनता की मूलभूत सुविधाओं को नजर अंदाज कर रहे हैं लोग आए दिन मूलभूत सुविधाओं को लेकर प्रशासन के अधिकारियों को अवगत करा रहे हैं उसके उपरांत भी कोई सुनने को तैयार नहीं है ना ही समस्या के समाधान के लिए तैयार है बिजली की समस्या को देखें तो यहां ऐसा लगता है की विद्युत निगम के अधिकारी,कर्मचारी बे लगाम है जो जनता के मोबाइलों को उठा कर जवाब तक नहीं देते हैं शनिवार को दोपहर बाद 2:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक शहर के करीब आधा दर्जन से अधिक कॉलोनी की बिजली गुल रहने से उमस भीषण गर्मी ने आम जन को झकझोर कर रख दिया लोगों ने विद्युत निगम के अधिकारियों से अघोषित विद्युत कटौती की जानकारी के लिए काफी मोबाइलों पर टेलीफोन किए गए लेकिन किसी ने पलट कर जवाब तक नहीं दिया यह जिला मुख्यालय के अधिकारियों के हाल देखे जा रहे हैं इसके अलावा शहर में कई कॉलोनी की पेयजल सप्लाई के भी हालत बड़े खस्ता देखे जा रहे हैं जहां नियमित रूप से पेयजल सप्लाई नहीं मिलने से लोगों को महंगे दामों में कैंपर खरीद कर प्यास बुझाई जा रही है इसके अलावा शहर के प्रमुख गुलाब बाग से लेकर कोतवाली के सामने हिंडौन गेट, फूटा कोट तक मुख्य सड़क मार्ग पर जगह-जगह गहरे गड्ढे पढ़ रहे हैं गंभीर जनक बात तो यह है कि यह शहर का सबसे व्यस्ततम सड़क मार्ग है जिस सड़क मार्ग पर प्रात: 4:00 से लेकर शाम 9:00 बजे तक लोगों का शहर के अलावा यहां के प्रमुख आराध्य श्री मदन मोहन जी के दर्शनों के लिए लोग बड़ी संख्या में प्रतिदिन जाते हैं जिनमे वह लोग भी शामिल हैं जो 60 और 70 वर्ष की उम्र पार कर चुके हैं उनको इस जर्जर सड़क मार्ग पर मदन मोहन जी मंदिर दर्शन करने के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है लेकिन समस्या के समाधान के लिए कोई जिम्मेदार नहीं है इसके अलावा शहर का एकमात्र शमशान घाट मासलपुर गेट पर स्थित है जहां प्रतिदिन पूरे शहर में से इसी श्मशान घाट पर लोग मृतक के शवो को अंतिम संस्कार के लिए ले जाते हैं उनसे पूछा जाए की और उसे जर्जर सड़क मार्ग से शवो को अंतिम संस्कार के लिए कितनी कठिनाइयों से पहुंचाया जाता है जिसके लिए शहर के प्रमुख लोगों सामाजिक संगठनों के लोगों ने न जाने कितनी बार जिला प्रशासन के अधिकारियों और सरकार के विधायक, सांसद, मंत्रियों तक श्मशान घाट के सड़क मार्ग को सही करने की मांग कर चुके हैं।

सहस्त्रघट का आयोजन

फुलेरा (निसं) । नरैना के मोदानी नगर में चल रहे मासिक सहस्त्रघट सिंजारे के पावन अवसर पर नरैना के पूर्व सरपंच व पूर्व पंस सदस्या सुशीला देवी-नाथुलाल टांक ने अपने परिवारजनों के साथ ओंकारेश्वर महादेव मंदिर में पंडित चंद्रशेखर शास्त्री के आचार्यत्व में अन्य विद्वान पंडितों के साथ सहस्त्रघट कर खुशहाली की कामना की। सांय रामचरण परवाल ने शिव परिवार का मनभावन श्रृंगार किया। आरती से पूर्व उपस्थित परिवार की महिलाओं व पुरुषों ने भक्तिमय भजनों की मधुर स्वरलहरियों के साथ जमकर नृत्य किया। संगीतमय आरती के पश्चात उपस्थित शिवभक्तों ने प्रसादी ग्रहण की। इस दौरान टांक परिवार के नरेश-ज्योति, मुकेश-माधुरी, कैलाश-पन्ना, संजय-इन्द्रा, अमर चन्द, जय, सोमेश, प्रतीक, रिंकू, चिंटू, हर्षित टांक, चन्द्रकान्ता परवाल सहित क्षेत्र के अन्य कई लोग उपस्थित रहे। वहीं सिंजारे के अवसर पर महिलाओं व बच्चों ने झूलों का जमकर आनन्द लिया। गौरतलब है कि नाथूलाल टांक फुलेरा विधानसभा क्षेत्र के कद्दावर नेता है, जिन्हें पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित कांग्रेस के बड़े नेता व पूर्व मंत्री नाम व चेहरे से बहुत अच्छी तरह जानते हैं।

देवयानी तीर्थ स्थल पर कावड़ियों के ठहरने व भोजन की निशुल्क व्यवस्था

सांभरझील, (निसं)। ऐतिहासिक और धार्मिक नगरी के नाम से प्रसिद्ध शाकंभर के प्राचीन नाम को भूलकर भले ही अब सांभर अपभ्रंश हो गया हो, लेकिन जहां शाकंभर माता का आशीर्वाद यहां के लोगों

■ सांभर में सामूहिक योगदान की मिसाल बना कांवडिया सेवा शिविर

को हमेशा ही मिलता रहा है वही दैत्य गुरु शुक्राचार्य की पुत्री देवयानी तीर्थ स्थल पर आने वाले श्रद्धालुओं को भी एक असीम शांति का अनुभव होता है। यहां इन दिनों सावन माह के चलते प्रतिदिन सैकडो की संख्या में देवयानी तीर्थ स्थल पर कांवड़ियों का दल पवित्र जल लेकर जब बम भोले, ओम नमः शिवाय के जयकारों के साथ कदमताल करता हुआ चलता है तो भोलेनाथ के भक्त पूरी तरह से भक्ति में डूबे नजर आते हैं।

आने वाले कावड़ियों को किसी भी प्रकार

सांभर देवयानी स्थल पर कांवडियों के लिए 24 घंटे भोजन नाश्ता और ठहरने की व्यवस्था की गई है ।

की कोई परेशानी ना हो इसके लिए 24 घंटे भोजन नाश्ता और ठहरने की व्यवस्था का निशुल्क इंतजाम कर यहां के लोग उसे परमात्मा की सेवा मानते हैं। यहां श्रद्धालुओं के योगदान से नीलकंठ महादेव मंदिर के सामने कांवड़ियों की सेवा करने वालों का दल हमेशा ही तत्पर रहता है। इसके लिए व्यवस्था पूरी तरह से चाक चौबंद बनी रहे इसके लिए कांवडिया सेवा शिविर कार्यकर्ता के नाम से एक ग्रुप भी बनाया हुआ है। खास बात यह है कि यदि रात्रि में भी कावड़ियों का दल यहां पहुंचता है तो उसके लिए गरमा गरम भोजन की व्यवस्था कर उन्हें श्रद्धा के साथ पंगत प्रसादी दी जाती है भोजन बनने से पहले उनके लिए नाश्ते का भी इंतजाम भी किया जाता है।

खेल जगत

मुझे लगा कि गिल पहले टेस्ट से लेकर इस टेस्ट तक बहुत अच्छा कर रहे है। मेरे हिसाब से कोई भी जन्म से ही कप्तान नहीं होता। वह शानदार कर रहे है। वह जो चाहते है, उसके प्रति आश्वस्त दिख रहे है। - **पार्थिव पटेल**

पूर्व भारतीय विकेटकीपर, शुभमन गिल की तारीफ करते हुए।

आज का खिलाड़ी — **विराट कोहली**

कोहली को छोड़कर बाकी तीनों टेस्ट टीम का नियमित हिस्सा है। कोहली ने इसी साल टेस्ट से संन्यास लिया था। एक वक्त था, जब कोहली तीनों प्रारूपों में राज करते थे, लेकिन पिछले पांच वर्षों में इस प्रारूप में उनके फॉर्म में गिरावट आई। वहीं, इन पांच वर्षों में रूट एक महान टेस्ट बल्लेबाज बनकर उभरे हैं। पिछले कुछ वर्षों में फैब फोर में शामिल चारों बल्लेबाजों ने दुनिया भर में अपने प्रदर्शन से खूब नाम कमाया। रूट, विराट कोहली, स्टीव स्मिथ और केन विलियम्सन की। पूर्व क्रिकेटरों के बीच इनमें से सर्वश्रेष्ठ चुनने की होड़ लगी होती है। कोहली को छोड़कर बाकी तीनों टेस्ट टीम का नियमित हिस्सा हैं।

क्या आप जानते हैं ?... इंग्लैंड ने 669 रन बनाने के साथ ही कई रिकॉर्ड भी अपने नाम किए। इसके लिए उन्होंने 91 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा।

आज से 23वीं राजस्थान स्टेट शॉटगन प्रतियोगिता का आगाज़

जयपुर, 26 जुलाई। राजस्थान राईफल एसोसिएशन को आपको सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि कल 27 से 23वीं राजस्थान स्टेट शॉटगन प्रतियोगिता प्रारम्भ हो रही है। स्कीट, ट्रैप एवं डबल ट्रैप की स्पर्धाओं में राज्य भर से लगभग 300 खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। राज्य के कई नामचिन महिला एवं पुरूष खिलाड़ी जैसे-दर्शना राठौड़, कार्तिकी सिंह शक्तावत, संयोगिता शेखावत, अली अमन ईलाही, अनुष्का सिंह भाटी, हर्षवर्धन सिंह काव्या, मानवीय सोनी, उद्धव सिंह एवं विनय प्रताप सिंह इत्यादि एवं साथ ही कई नये खिलाड़ी जिन्होंने इस वर्ष पहली बार शूटिंग खेल में शुरूआत की है, वे भी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

सब जूनियर नेशनल तैराकी में राजस्थान के 7 खिलाड़ी

जयपुर, 26 जुलाई। बेंगलुरु में 4 और 5 अगस्त को होने वाली सब जूनियर नेशनल तैराकी चैंपियनशिप में राजस्थान का सात सदस्यीय दल हिस्सा लेगा। राजस्थान तैराकी संघ के अध्यक्ष अनिल व्यास ने शनिवार को यहां राजस्थान टीम की घोषणा की। व्यास ने बताया कि राजस्थान की सात सदस्यीय टीम में चार लड़के और चार लड़कियां शामिल हैं। राजस्थान के खिलाड़ी कुल 18 स्पर्धाओं में पदक के लिए मुकाबला करेंगे। उन्होंने बताया कि हर्ष दित्य सिंह राणावत और प्रतीक कुरिया पांच-पांच स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे, जबकि लड़कियों में अंशिका धाकड़ चार स्पर्धाओं में चुनौती पेश करेंगी। **राजस्थान टीम : बालक वर्ग :** हर्षदित्य सिंह राणावत (100 मी. बैकस्ट्रोक, 100, 200 और 400 मी. फ्रीस्टाइल, 200 मी. एमआई), अमन सामोता (100 मी. ब्रेस्टस्ट्रोक), हृदय भोजवानी (100 मी. बटरफ्लाई), प्रतीक कुरिया (100, 200, 400 मी. फ्रीस्टाइल, 200 मी. आईएम, 100 मी. बटरफ्लाई)। **बालिका वर्ग :** अंशिका धाकड़ (100, 200, 400 मी. फ्रीस्टाइल, 200 मी. इंडिविजुअल मेडले), आराध्या व्यास (100 मी. ब्रेस्टस्ट्रोक), अश्विका चौधरी (100 मी. बैकस्ट्रोक)।

पीजीटीआई के 2025 सीजन के दूसरे भाग का कार्यक्रम घोषित

नई दिल्ली, 26 जुलाई । 2025 सीजन के एक्शन से भरपूर और बेहद प्रतिस्पर्धी पहले भाग के बाद, प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) एक परिवर्तनकारी दूसरे भाग के लिए तैयार है, जिसमें महत्वपूर्ण नए सहयोगों की घोषणा की जाएगी और मौजूदा सहयोगों को और मजबूत किया जाएगा जो देश भर में इस खेल के विकास को तेज गति प्रदान करने का वादा करते हैं। वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र में एक अग्रणी शक्ति और एक विविध एवं एकीकृत ऊर्जा प्रमुख, इंडियन ऑयल, पीजीटीआई के सबसे लंबे समय तक चलने वाले आयोजन, इंडियनऑयल सर्वो मास्टर्स का संरक्षक रहा है, जो इस वर्ष के अंत में अपनी रजत जयंती मनाएगा। इंडियनऑयल इस वर्ष पीजीटीआई के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए कई आयोजनों में अपना सहयोग बढ़ा रहा है। पीजीटीआई की इस बढ़त को नया टूर पार्टनर - अमूल, दुनिया का सबसे मजबूत खाद्य और डेयरी ब्रांड है और अपने 36 लाख किसानों के साथ, अमूल दुनिया की सबसे बड़ी किसान-स्वामित्व वाली डेयरी सहकारी संस्था भी है। भारत में एक जाना-माना नाम होने के नाते, अमूल, पीजीटीआई की ब्रांड उपस्थिति को देश भर में बढ़ाने में टूर पार्टनर के रूप में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कोल इंडिया लिमिटेड, 1 करोड़ रुपये के पहले आयोजन, कोल इंडिया ओपन को अपना नाम देगा। अहमदाबाद के केंसविले गोल्फ एंड कंट्री क्लब में 5 से 8 अगस्त तक आयोजित होने वाला सीजन का दूसरा भाग है।

राहुल 87 और गिल 78 रन बनाकर नॉटआउट

गिल-राहुल के संघर्ष से भारत वापसी की राह पर, भारत 174/2, 137 रन पीछे

मैनचेस्टर, 26 जुलाई। ओपनर केएल राहुल (नाबाद 87) और कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 78) की जबरदस्त पारियों तथा उनके बीच तीसरे विकेट के लिए 174 रन की साहसिक अविजित साझेदारी की बदौलत भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के चौथे दिन शनिवार को दो विकेट पर 174 रन बना लिए हैं। भारत अभी इंग्लैंड की पहली पारी की 311 रन की बढ़त से 137 रन पीछे है और भारत को मैच बचाने के लिए कल पूरा दिन सुरक्षित निकालना है।

क्या ही कहा जाए इन दो बल्लेबाजों के बारे में। 60 ओवर खेल गए हैं ये दोनों बल्लेबाज। भारत ने दूसरे सेशन में 85 और तीसरे में 88 रन बनाए हैं, वह भी बिना कोई विकेट गंवाए। यह लाजवाब है 174 पर दो विकेट का स्कोर। लेकिन ध्यान देने वाली बात यह भी है कि भारत अभी भी 137 रनों से पीछे है। बहुत ही तगड़ा फाइटबैक दिखाया है। देखना होगा कि अब कल तीन सेशन में क्या होता है।

लंच से पहले लगे दो झटकों से भारतीय टीम सहित प्रशंसक सकते में आ गए थे, लेकिन कप्तान गिल और केएल राहुल ने संयम से भरी बल्लबाजी करते हुए अगले दो सत्र में भारत को कोई झटका नहीं लगने दिया है। दोनों बल्लेबाजों ने जुझारू प्रदर्शन करते हुए अर्धशतक लगा दिए हैं और इस सीरीज में गिल ने जब भी अर्धशतक लगाया है उसको शतक में तब्दील किया है। राहुल ने धैर्य के साथ बल्लेबाजी करते हुए 210 गेंदों में आठ चौकों की मदद से 87 रन बनाये हैं जबकि गिल ने 167 गेंदों में नाबाद 78 रन में दस चौके लगाए हैं। इससे पहले रवींद्र जडेजा (चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर भारत ने लंच से पहले इंग्लैंड को 669 के स्कोर पर समेट दिया। हालांकि इंग्लैंड ने कप्तान बेन स्टोक्स (141) के शतकीय प्रहार की बदौलत 311 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त ले ली है। इंग्लैंड के कल के सात विकेट पर 544 रनों से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में जसप्रीत बुमराह ने लियाम डॉसन (26) को बोल्ड कर भारत को आठवीं सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये ब्रायडन कार्स ने कप्तान स्टोक्स का बखूबी साथ निभाया। इसी दौरान स्टोक्स ने सिराज की गेंद पर चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया। बेन स्टोक्स ने 37 पारियों बाद टेस्ट में शतक लगाया है। वह एक टेस्ट में शतक बनाने और पांच विकेट लेने वाले पांचवें कप्तान है। दोनों बल्लेबाजों के बीच नौवें विकेट के लिए 95 रनों की साझेदारी हुई।

स्टोक्स रवींद्र जडेजा की गेंद को स्वीप करने के प्रयास में लांग ऑन बाउंड्री पर साई सुदर्शन के हाथों लपके गये। स्टोक्स ने 198 गेंदों मे 141 रनों की पारी खेली। इसके बाद जडेजा ने कार्स को मोहम्मद सिराज के हाथों कैच आउट कराकर लंच से पहले इंग्लैंड की पहली पारी का 669 के स्कोर पर अंत कर दिया। भारत की ओर से भारत की ओर से रवींद्र जडेजा ने चार विकेट लिये। वॉशिंगटन सुंदर और जसप्रीत बुमराह को दो- दो विकेट मिले। अंशुल कम्बोज और मोहम्मद सिराज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इंग्लैंड ने तोड़ा मैनचेस्टर में 61 साल पुराना रिकॉर्ड

भारत के खिलाफ 11 साल बाद बने 600 रन

मैनचेस्टर, 26 जुलाई। मैनचेस्टर टेस्ट के चौथे दिन इंग्लैंड की पहली पारी 669 रन पर समाप्त हुई। भारत ने पहली पारी में 358 रन बनाए थे। इस तरह इंग्लिश टीम को 311 रन की बढ़त हासिल हुई। भारत के खिलाफ किसी टीम ने 2014 के बाद पहली बार टेस्ट की एक पारी में 600 से ज्यादा रन बनाए हैं। इससे पहले 2014 में वेलिंग्टन में न्यूजीलैंड ने ऐसा किया था। तब ब्रैंडन मैकुलम ने 302 रन की पारी खेली थी। यह भारत के खिलाफ इंग्लैंड का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। 2011 में एजबेस्टन में इंग्लिश टीम ने सात विकेट गंवाकर 710 रन बनाए थे और पारी घोषित की थी। तब एलिस्टेयर कुक ने 294 रन बनाए थे।

इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड तोड़ा : इंग्लैंड ने 669 रन बनाने के साथ ही कई रिकॉर्ड भी अपने नाम किए। यह मैनचेस्टर में एक पारी में इंग्लैंड का सर्वोच्च स्कोर है। इसके लिए उन्होंने 91 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। इससे पहले उन्होंने 1934 में यहां 627 रन बनाए थे। वहीं, इंग्लैंड ने मैनचेस्टर में टेस्ट में सबसे बड़े स्कोर का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। इस मामले में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़ा। ऑस्ट्रेलिया ने 1964 में इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में आठ विकेट पर 656 रन बनाए थे।इस तरह इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया का 61 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

भारत के नाम अनचाहा रिकॉर्ड : टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सिर्फ सातवीं बार, किसी टीम ने पहले गेंदबाजी करते हुए 350 से ज्यादा रन देने के बाद पहली पारी में 300 से ज्यादा रन की बढ़त हासिल की है। यह इंग्लैंड के लिए पहली बार है। टेस्ट की पहली पारी में 350 से ज्यादा रन देने के बाद उनकी पिछली सबसे बड़ी बढ़त पिछले साल मुल्तान में पाकिस्तान के खिलाफ 267 रन की थी (556 रनों के जवाब में 823/7 विकेट)। वहीं, बुमराह ने इस टेस्ट की पहली पारी में दो विकेट लिए। उन्होंने ईशांत शर्मा की बराबरी कर ली और इंग्लैंड में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। दोनों के इंग्लिश सरजमीं पर 51-51 विकेट हैं।

बुमराह ने पहली बार 100 + रन खर्च किए : इस पारी में चार भारतीय गेंदबाजों ने 100 से ज्यादा रन दिए। टेस्ट मैचों में भारत के लिए ऐसा 25वीं बार हुआ है। इससे पहले ऐसा एक दशक से भी ज्यादा समय पहले हुआ था। 2014/15 के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर, ब्रिस्बेन, मेलबर्न और सिडनी में लगातार तीन टेस्ट मैचों में भारत के चार गेंदबाजों ने 100 से ज्यादा रन खर्च किए थे।बुमराह ने मैनचेस्टर टेस्ट में इंग्लैंड की पहली पारी के दौरान 100 से ज्यादा रन दिए। पहली बार टेस्ट में बुमराह ने एक पारी में 100 रन खर्च किए।

बुमराह टेस्ट से संन्यास ले सकते हैं : मो. कैफ

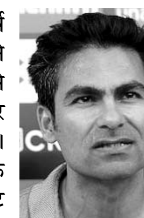

नई दिल्ली, 26 जुलाई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से एक वीडियो पोस्ट किया और बुमराह की फिटनेस पर बात की। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि जसप्रीत बुमराह आगामी टेस्ट मैचों में खेलते हुए नहीं दिखेंगे और यह भी संभव है कि वह संन्यास ले लें। विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन भी संन्यास ले चुके हैं। और अब लगता है, बुमराह की बारी है। भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों को शायद इसकी आदत डालनी होगी।

मेरा मानना है कि अब आपको बुमराह के बिना टेस्ट मैच देखने की आदत डालनी होगी। मुझे उम्मीद है और दुआ है कि मैं गलत हूं। लेकिन इस टेस्ट में मैंने जो देखा, उससे ऐसा लग रहा है कि वह बिल्कुल भी आनंद नहीं ले रहे हैं। वह अपने शरीर से लड़ाई हार गए हैं। जोश और जुनून तो वही है, लेकिन शरीर साथ नहीं दे रहा है। और ऐसी स्थिति में आप क्या कर सकते हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन के बाद जसप्रीत बुमराह टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले अगले क्रिकेटर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया के नंबर एक गेंदबाज का शरीर साथ नहीं दे रहा। 31 वर्षीय बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे चौथे टेस्ट के तीसरे दिन लय में नहीं दिखे और 28 ओवर गेंदबाजी करने के बाद उन्होंने जैमी स्मिथ का एकमात्र विकेट लिया। कैफ ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से एक वीडियो पोस्ट किया और बुमराह की फिटनेस पर बात की। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि जसप्रीत बुमराह आगामी टेस्ट मैचों में खेलते हुए नहीं दिखेंगे और यह भी संभव है कि वह संन्यास ले लें।

सेमीफाइनल में हारी सात्विक और चिराग की जोड़ी

चांगझोउ(चीन), 26 जुलाई। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 चाइना ओपन 2025 में अभियान शनिवार को पुरुष युगल सेमीफाइनल में हार के साथ समाप्त हो गया। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का चाइना ओपन में दमदार अभियान सेमीफाइनल में दुनिया की दूसरे नंबर की जोड़ी मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक से 18-21, 15-21 से हार के साथ समाप्त हो गया। हार के बावजूद, भारतीय जोड़ी ने अपने लगातार अच्छे प्रदर्शन से प्रभावित किया और बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर इवेंट्स में सीजन के अपने चौथे सेमीफाइनल में जगह बनायी। इससे पहले वे भारत, सिंगापुर और मलेशिया ओपन में सेमीफाइनल में पहुंचे थे।

बेन स्टोक्स बतौर कप्तान एक मैच में शतक और फाइफर लेने वाले पहले अंग्रेज

मैनचेस्टर, 26 जुलाई। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के लिए मैनचेस्टर टेस्ट अब तक शानदार रहा है। उन्होंने मैच के चौथे दिन शतक लगाकर कई रिकॉर्ड्स अपने नाम किए। पारी के 146वें ओवर में स्टोक्स ने मोहम्मद सिराज की गेंद पर चौका लगाकर टेस्ट करियर का 14वां शतक पूरा किया। जो रूट के बाद इस टेस्ट में वह शतक लगाने वाले दूसरे इंग्लिश खिलाड़ी रहे।

स्टोक्स ने 164 गेंद में शतक पूरा किया। इस दौरान उन्हें रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर भी जाना पड़ा।वोक्स के आउट होने पर वह मैदान पर आए और बेहतरीन शतक पूरा किया। बतौर खिलाड़ी एक ही टेस्ट में शतक और फाइफर की उपलब्धि हासिल करने वाले वह इंग्लैंड के चौथे क्रिकेटर बने। इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 669 रन बनाए और भारत पर 311 रन की बढ़त हासिल की।

इससे पहले भारत की पहली पारी के दौरान उन्होंने पांच विकेट भी लिए थे।स्टोक्स महान सर गैरी सोबर्स और जैक कैलिस की सूची में शामिल हो गए। वहीं, बतौर कप्तान उन्होंने कुछ ऐसा किया, जो आज तक कोई और अंग्रेज खिलाड़ी नहीं कर पाया था।इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 669। भारत की पहली पारी 358 रन पर समाप्त हुई थी। ऐसे में इंग्लैंड को 311 रन की बढ़त मिली। स्टोक्स ने 198 गेंद में 11 चौके और तीन छक्कों की मदद से 141 रन की पारी खेली।

दक्षिण अफ्रीका को तीन रन से हराकर न्यूजीलैंड ने जीता त्रिकोणीय श्रृंखला का खिताब

हरारे, 26 जुलाई। डेवोन कॉन्वे और रचिन रविंद्र (47-47) रनों की शानदार पारियों के बाद आखिरी ओवर में मैट हेनरी (दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर न्यूजीलैंड ने शनिवार को टी-20 त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को तीन रन से हराकर खिताब अपने नाम किया।

181 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका के लिए लुआन-द्रे प्रेटोरियस और रीजा हेंड्रिक्स की सलामी जोड़ी अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 92 रन जोड़े। 10वें ओवर में माइकल ब्रेसवेल ने लुआन द्रे प्रेटोरियस को टिम सीफर्ट के हाथों स्टंप आउट कराकर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई। लुआन द्रे प्रेटोरियस ने 35 गेंदों में पांच चौके और दो छक्कों की मदद से (51) रनों की पारी खेली।

13वें ओवर में जैकरी फॉक्स ने रीजा हेंड्रिक्स 31 गेंदों में (37) को अपना शिकार बना लिया। हेंड्रिक्स ने अपनी पारी में चार छक्के लगाये। 15वें ओवर की आखिरी गेंद पर कप्तान रासी वान डेर डुसेन (18) को एडम मिल्ने ने आउटकर न्यूजीलैंड को तीसरी सफलता दिलाई। अगले ही ओवर में जेकब डफी ने रूबिन हरमन (11) को आउटकर दक्षिण अफ्रीका की उम्मीदों को झटका दिया। मैच के आखिरी ओवर की दूसरी गेंद पर मैट हेनरी ने डेवाल्ड ब्रेविस 16 गेंदों में (31) को आउट कर एक बार फिर से मैच को न्यूजीलैंड के पक्ष में कर दिया। इसी ओवर की पांचवीं गेंद पर हेनरी ने जॉर्ज लिंडे (10) को आउट कर मैच को और रोमांचक बना दिया। मैच की आखिरी गेंद पर चार रन की दरकार थी और हेनरी ने उसे खाली निकाल कर न्यूजीलैंड को दक्षिण अफ्रीका पर तीन रनों से रोमांचक जीत दिला दी। दक्षिण अफ्रीका की टीम निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 177 रन ही बना सकी।

न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनरी ने 19 रन देकर दो विकेट लिये। जेकब डफी, जैकरी फॉक्स,मिल्नेऔर माइकल ब्रेसवेल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने टिम सीफर्ट और डेवोन कॉन्वे की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 75 रन जोड़े। नौवें ओवर में सेनुरन मुथुसामी ने टिम सीफर्ट (30) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद 12वें ओवर में लुंगी एन्गिडी ने कॉन्वे को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को दूसरी सफलता दिलाई। कॉन्वे ने 31 गेंदों में छह चौके और एक छक्के की मदद से (47) रनों की पारी खेली। मार्क चैपमैन (तीन) भी लुंगी एन्गिडी का शिकार बने। रचिन रविंद्र ने 27 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए (47) रन बनाये। माइकल ब्रेसवेल 15 रन बनाकर पांचवें विकेट के रूप में आउट किये।

परनीत ने जीता महिला कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक

एसेन (जर्मनी), 26 जुलाई। भारतीय महिला तीरंदाज परनीत कौर ने शनिवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व विश्वविद्यालय खेलों में महिला कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा का रजत पदक अपने नाम किया। आज यहां खेले गये रोमांचक फाइनल मुकाबले में भारत की परनीत कौर को दक्षिण कोरिया की मून यीउन से 146-147 से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

शिलांग लाजोंग एफसी ने डूरंड कप अभियान की धमाकेदार शुरुआत की

शिलांग, 26 जुलाई। शिलॉन्ग लाजोंग एफसी ने 134वें इंडियनऑयल डूरंड कप के ग्रुप ई के उद्घाटन मुकाबले में मलेशिया की आर्म्ड फोर्सेज फुटबॉल टीम (एटीएम एफटी) को 6-0 से करारी शिकस्त देकर अपने अभियान की जोरदार शुरुआत की। एवरब्राइटसन साना और फ्रांगकी बुआम ने दो-दो गोल किए, जबकि ट्रेइमिकी लामुरोंग और देइबोरमेमे टोंगपर ने एक-एक गोल कर टीम की शानदार जीत में योगदान दिया। शिलॉन्ग लाजोंग के कोच बीरेन्द्र थापा ने युवा खिलाड़ियों के साथ 4-3-3 फॉर्मेशन में टीम उतारी।

14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान की भिड़ंत

यूएई में 9 से 28 सितंबर तक खेला जायेगा एशिया कप

लाहौर 26 जुलाई। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में नौ से 28 सितंबर तक टी-20 प्रारुप में एशिया कप खेला जायेगा।

एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चीफ मोहसिन नकवी ने सोशल मीडिया मंच पर यह जानकारी साझा की। इस टूर्नामेंट में आठ टीमें हिस्सा लेंगी। यह संस्करण टी-20 प्रारुप में खेला जाएगा। एसीसी के पांच पूर्ण सदस्य (भारत, अफगानिस्तान, बंगलादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका) के अलावा यूएई, ओमान और हांगकांग टूर्नामेंट में स्पर्धा करेंगे।

गुरुवार को ढ़ाका में हुई एसीसी की वार्षिक बैठक में एशिया कप ही अहम मुद्दा था। मई में भारत-पाकिस्तान सैन्य झड़प के बाद टूर्नामेंट के 17वें संस्करण का भाग्य अनिश्चितता में पड़ गया था।

भारत इस प्रतियोगिता का मेजबान है लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के बीच हुए समझौते के बाद इसे यूएई में आयोजित किया जा रहा है। अगले तीन सालों तक जिस प्रतियोगिता में भारत और पाकिस्तान दोनों शामिल रहेंगे, उसे तटस्थ्य स्थान पर कराने का समझौता दोनों बोर्ड के बीच हुआ है। यह करार चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के ठीक पहले हुए था, जिसके बाद भारत ने अपने सारे मुकाबले दुबई में खेले थे जिसमें मेज़बान पाकिस्तान के खिलाफ भी एक मैच शामिल था। दुबई में खेला गया प्रतियोगिता का फाइनल भारत ने जीता था।

अभी तक आधिकारिक तौर पर इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में होंगे या नहीं। जैसा कि पिछले एक दशक से अधिक समय से होता आ रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि ऐसा हो सकता है। इससे टूर्नामेंट का अब तक का सबसे आर्थिक रूप से लाभदायक मुकाबला तय हो जाएगा। एशिया कप के प्रारूप का मतलब है कि एक ही ग्रुप में होने से भारत और पाकिस्तान के बीच कम से कम दो मुकाबले होने की संभावना है, और अगर दोनों टीमें फाइनल में पहुंचती हैं, तो तीन ऐसे मुकाबले होने की संभावना बनी रहती है।

तेजस्वी गहलोत बने के.आई.यू. गेम्स 2025 के तकनीकी संचालन समिति के सह-अध्यक्ष

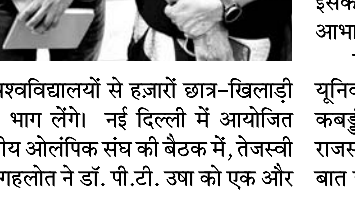

जयपुर, 26 जुलाई। राजस्थान ओलंपिक संघ के अध्यक्ष तेजस्वी सिंह गहलोत को आगामी खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 की गेम्स टेक्निकल कंडक्ट कमेटी का सह-अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नामांकन भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा, खेलो इंडिया इवेंट्स के अनुरोध पर किया गया है।

इस आशय का आधिकारिक पत्र भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद डॉ. पी.टी. उषा द्वारा जारी किया गया, जिसमें श्री गेहलोत की खेल प्रशासन, तकनीकी दक्षता एवं आयोजन क्षमता की सराहना की गई है।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 का आयोजन इस बार राजस्थान में 15 से 25 अक्टूबर 2025 तक होगा। यह राज्य के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, क्योंकि पहली बार इतने बड़े स्तर का विश्वविद्यालय स्तरीय खेल आयोजन राजस्थान को मिला है। देशभर के विश्वविद्यालयों से हज़ारों छात्र-खिलाड़ी इसमें भाग लेंगे। नई दिल्ली में आयोजित भारतीय ओलंपिक संघ की बैठक में, तेजस्वी सिंह गहलोत ने डॉ. पी.टी. उषा को एक और ऐतिहासिक निर्णय के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने उन्हें 3 एशियन यूथ गेम्स2025, बहरीन में, 19 से 23 अक्टूबर 2025 तक होने वाले आयोजन में पहली बार कबड्डी को शामिल करवाने के लिए शुभकामनाएं एवं धन्यवाद दिया।

गहलोत ने कहा कि कबड्डी का एशियन यूथ गेम्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर शामिल होना भारतीय संस्कृति और खेल परंपरा की एक बड़ी जीत है। यह निर्णय युवा खिलाड़ियों के लिए नई प्रेरणा और अवसर लेकर आएगा। इसके लिए मैं डॉ. पी.टी. उषा का विशेष आभार व्यक्त करता हूँ।

एक ओर राजस्थान में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन, दूसरी ओर कबड्डी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा - राजस्थान और देश दोनों के लिए गर्व की बात है।

पुरुष एकल जयपुर के मनीष फोगाट व महिला एकल में सुहासी वर्मा को प्रथम वरीयता

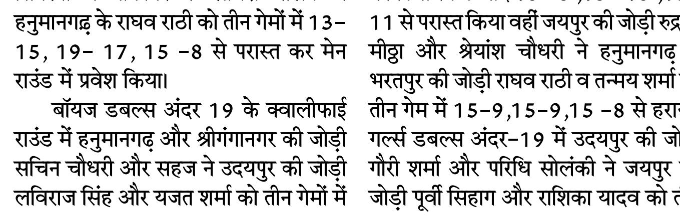

जयपुर, 26 जुलाई। सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम पर चल रही राजस्थान रैंकिंग बैडमिंटन प्रतियोगिता में आज क्वालीफाइंग राउंड के मैच पूरे हुए पुरुष एकल में 25 खिलाड़ी, मिक्स्ड डबल्स में 6 जोड़ी, गर्ल्स सिंगल्स में 16 खिलाड़ी बॉयज डबल्स में 16 खिलाड़ी की जोड़ी तथा गर्ल्स डबल्स में चार खिलाड़ियों की जोड़ी नाम में राउंड में प्रवेश किया।

आज खेले गए क्वालीफाई मैच में जयपुर के पीयूष पूनिया ने 43 मिनट चला संघर्ष में उदयपुर के यथेष्ट चावत को तीन गेमों में 15 - 10, 13 -15,15- 7 से हरा मेंन राउंड में प्रवेश किया एक अन्य संघर्ष मैच में जयपुर के दिनेश चौधरी ने बीकानेर के दक्ष सेठिया को 13-15 ,15-7,15 -4 से हरा मेन राउंड में प्रवेश किया लड़कों के अंदर-19 बॉयज सिंगल्स में बीकानेर के लविश मलिक ने हनुमानगढ़ के राघव राठी को तीन गेमों में 13-15, 19- 17, 15 -8 से परास्त कर मेन राउंड में प्रवेश किया।

बॉयज डबल्स अंदर 19 के क्वालीफाई राउंड में हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर की जोड़ी सचिन चौधरी और सहज ने उदयपुर की जोड़ी लविराज सिंह और यजत शर्मा को तीन गेमों में काफी संघर्ष के बाद 15- 8 ,13 -15 ,15-11 से परास्त किया वहीं जयपुर की जोड़ी रुद्राक्ष मीठ्ठा और श्रेयांश चौधरी ने हनुमानगढ़ व भरतपुर की जोड़ी राघव राठी व तन्मय शर्मा को तीन गेम में 15-9,15-9,15 -8 से हराया। गर्ल्स डबल्स अंदर-19 में उदयपुर की जोड़ी गौरी शर्मा और परिधि सोलंकी ने जयपुर की जोड़ी पूर्वी सिहाग और राशिका यादव को तीन गेम जो कि लगभग 45 मिनट चले उसमें 15-7, 14 -16 और 20 -18 से हरा मेंन राउंड में प्रवेश किया। महिला एकल में जयपुर की देशना जैन ने जोधपुर की मनस्वी स्वामी को 15- 8 ,15- 11 आसन खेलों में हराया।

ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री मनोज दासोत के अनुसार मेन राउंड के मैच कल से खेले जाएंगे पुरुष एकल में जयपुर के मनीष फोगट को प्रथम वरीयता तथा बीकानेर के जागृत बीनानी को द्वितीय वरीयता दी गई है महिला एकल में भारतीय टीम से खेल चुकी जयपुर की सुहासी वर्मा को प्रथम वरीयता तथा जयपुर की ही सौम्या भटनागर को द्वितीय वरीयता दी गई है पुरुष युगल में जयपुर व टोंक की जोड़ी आर्यन त्यागी मुरली शर्मा को प्रथम वरीयता तथा जयपुर की जोड़ी अंगद खन्ना व अंश कटरा को द्वितीय वरीयता दी गई है।

सभी विधायक जर्जर स्कूल भवनों के लिए एमएलए फंड से राशि दे सकेंगे

मुख्यमंत्री भजनलाल ने पिपलोदी हादसे के बाद विधायकों की राशि के उपयोग में परिवर्तन किया

जयपुर, 26 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने झालावाड़ जिले के पीपलोदी ग्राम के राजकीय विद्यालय में हुई हृदय विदारक घटना को संज्ञान में लेते हुए, जीर्ण-क्षीर्ण, मरम्मत योग्य राजकीय संस्थानों, विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी भवनों के मरम्मत संबंधी कार्य प्राथमिकता से करवाने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में उन्होंने डांग, मगरा, मेवात क्षेत्रीय विकास योजना के तहत इन संस्थानों और भवनों की मरम्मत हेतु अनुमत राशि को 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का निर्णय किया है।

इसी प्रकार, अब विधायक भी स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के अंतर्गत किसी भी योजना से निर्मित राजकीय संस्थानों, विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी भवनों के मरम्मत संबंधी कार्यों के लिए अपने वार्षिक आवंटन की 20 प्रतिशत राशि की अनुशंसा कर सकेंगे।

पूर्व में एमएलए-लेड में निर्मित भवनों की मरम्मत का कार्य ही इस कोष से करवाया जा सकता था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी विधायकों से पुराने और जर्जर सरकारी स्कूलों के भवनों की मरम्मत एवं रखरखाव के लिए प्राथमिकता से राशि की अनुशंसा करने का आग्रह किया है।

भजनलाल शर्मा

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने इस वर्ष के बजट में बिना भवन के विद्यालयों और जर्जर विद्यालयों की जगह नवीन भवनों के निर्माण और मरम्मत के लिए 375 करोड़ रूपये का प्रावधान किया था। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र को भी 3 करोड़ रुपये मरम्मत कार्यों के लिए दिए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत, सरकारी स्कूलों, राजकीय संस्थानों और आंगनबाड़ी भवनों के मरम्मत कार्य करवाए जा सकेंगे।

- **पहले विधायक अपने स्थानीय क्षेत्र विकास फंड से निर्मित स्कूल भवनों की मरम्मत के लिए ही अनुशंसा कर सकते थे। अब वे किसी भी योजना के तहत बने राजकीय संस्थानों, विद्यालयों व आंगनबाड़ी भवनों की मरम्मत के लिए अपने वार्षिक आवंटन की 20 प्रतिशत राशि दे सकेंगे।**

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर उच्च स्तरीय बैठक करके जिला कलैक्टरों एवं संबंधित विभागों को स्कूलों, अस्पतालों सहित सभी सरकारी इमारतों का तत्काल निरीक्षण कर मरम्मत कार्य करवाने के निर्देश दिए। साथ ही, विशेषज्ञों की एक समिति गठित कर 5 दिनों के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए भी निर्देशित किया।

प्र.मंत्री मोदी मालदीव से सीधे तमिलनाडु पहुंचे

चेन्नई, 26 जुलाई। ब्रिटेन और मालदीव की अपनी यात्रा से लौटने के बाद, प्र.मंत्री नरेन्द्र मोदी तमिलनाडु पहुंचे। वे तूतीकोरिन में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल हुए। पीएम मोदी ने यहां 4800 करोड़ रु. से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पित किया। वहीं, तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन कार्यक्रम में शामिल नहीं हो रहे हैं। पीएम मोदी रविवार को तिरुचिरापल्ली के गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर में दोपहर 12 बजे महान चोल सम्राट राजेन्द्र चोल प्रथम के जयंती समारोह और आदि तिरुवथिरा उत्सव में भाग लेंगे।

- **आज प्र.मंत्री चोल सम्राट राजेन्द्र चोल की जयंती के समारोह में भाग लेंगे।**

पीएम मोदी कार्यालय आधिकारिक बयान के अनुसार, मालदीव की राजकीय यात्रा के बाद प्रधानमंत्री सीधे तूतीकोरिन पहुंचे। यहां उन्होंने कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन और लोकार्पण किया। ये परियोजनाएं क्षेत्रीय कनेक्टिविटी, रसद दक्षता, स्वच्छ ऊर्जा ढांचे और तमिलनाडु के नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाएंगी। प्रधानमंत्री ने विश्वस्तरीय हवाई अड्डा ढ ांचे के विकास और कनेक्टिविटी बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत, तूतीकोरिन हवाई अड्डे पर 450 करोड़ रु. की लागत से निर्मित नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया।

चैतन्य बघेल से मिलने सैंट्रल जेल पहुंचे सचिन पायलट

सचिन पायलट ने कहा भाजपा व ईडी जानबूझकर कांग्रेस को टारगैट कर रहे हैं

रायपुर, 26 जुलाई। कांग्रेस संगठन के छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों ही हमारे नेतृत्व को कमजोर करने का काम और हमें अलग करने का काम कर रहे हैं।

शराब घोटाले मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पुत्र चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी के बाद प्रदेश का सियासी पारा गरम है। इस विषय पर जहां कांग्रेस ने पहले चक्का-जाम किया, वहीं अब पायलट शनिवार को खास तौर पर जेल में बंद चैतन्य बघेल और पूर्व मंत्री कवासी लखमा से मिलने सेंट्रल जेल रायपुर पहुंचे।

इस दौरान उन्होंने जेल परिसर में जाकर चैतन्य और पूर्व मंत्री कवासी लखमा से मुलाकात कर उनका हाल जाना। इस दौरान उन्होंने जेल में ही अधिकारियों को कहा कि इन्हें किसी भी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए और स्वास्थ्य परीक्षण समय समय पर होता रहना चाहिए।

जेल परिसर से बाहर आने के बाद पायलट ने मीडिया से बात करते हुए कहा, ईडी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी व सोनिया गांधी जी, सभी लोगों को अलग करने की कोशिश की है तथा देश का ध्यान डायवर्ट करने की, चरित्र हनन करने की कोशिश की गई है। भ्रष्टाचार का नाम लेकर वैचारिक विरोध करने वाले लोगों पर वो आक्रमण कर रहे हैं। आज मैं चैतन्य बघेल से मिला हूं, कवासी लखमा से मिला हूं। इन सभी को इसलिए टारगेट किया जा रहा है, क्योंकि ये मुखर होकर उनका विरोध करते हैं, जो प्रदेश की जल जंगल और जमीन को बेचना चाहते हैं। आप सरकार का विरोध करो उद्योगपतियों का विरोध करो, ये आप पर जरूर कार्रवाई करेंगें, हमें न्यायालय पर पूरा भरोसा है। हम मजबूती से लड़ते रहेंगें। कांग्रेस एक है और राजनीतिक संघर्ष करती रहेगी।

- **कांग्रेस महासचिव और छत्तीसगढ़ के प्रभारी पायलट ने कहा कि बघेल व अन्य कांग्रेसी नेताओं को इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि वे प्रदेश के जंगल बचाना चाहते हैं।**

जेल में किसी तरह की कोई परेशानी नहीं है, लखमा जी का स्वास्थ्य खराब रहता है, मैंने अधिकारियों से आग्रह किया है कि उनको समय पर दवा मिलती रहे और जांच होती रहे। चैतन्य बघेल से मिला, उनके चेहरे पर मुस्कान थी। उसने कहा, मैं डरने वाला नहीं हूं भाजपा कितना भी कुछ भी कर ले हम एक इंच भी पीछे नहीं हटेंगें।

गौरतलब है कि ईडी ने हाल ही में शराब घोटाले के मामले में चैतन्य बघेल को गिरफ्तार किया है। फिलहाल चैतन्य रायपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं।

गमगीन माहौल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घटनास्थल पर पहुंचे, जहां उन्होंने झालावाड़ अस्पताल में भर्ती घायल बच्चों की कुशलक्षेम पूछी, वहीं मृतकों के परिजनों को सांत्वना दी। प्रमोद जैन भाया ने कहा कि मृतकों को एक करोड़ रुपए मुआवजा दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब प्लेन क्रैश के पीड़ितों को एक करोड़ रुपए मुआवजा दिया जा सकता है तो इस हादसे के शिकार बच्चों को भी एक करोड़ रुपए मुआवजा दिया जाना चाहिए, क्योंकि यह हादसा उस हादसे से कम नहीं है।

खड़गे, सोनिया ने कारगिल नायकों को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली, 26 जुलाई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 1999 के करगिल युद्ध के दौरान प्राणों की आहुति देने वाले बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके बलिदान को बरसो तक 'भारत के इतिहास में वीरता का स्वर्णिम अध्याय' बताया जो पीढ़ि यों को प्रेरित करता रहेगा।

- **सोनिया गांधी ने कारगिल युद्ध को 'भारत के इतिहास में वीरता का स्वर्णिम अध्याय' बताया।**

राज्यसभा में विपक्ष के नेता खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, करगिल विजय दिवस पर हम अपने सशस्त्र बलों के बहादुर सैनिकों, पूर्व सैनिकों, उनके परिवारों और सभी साथी भारतीयों को हार्दिक बधाई देते हैं। हम अपने शहीदों के सर्वोच्च बलिदान को नमन और सलाम करते हैं जिन्होंने करगिल युद्ध में हमारी मातृभूमि की बहादुरी से रक्षा की। उनका अदम्य साहस और वीरता हमेशा पीढ़ि यों को प्रेरित करता रहेगा।

इस अवसर पर गांधी ने कहा इस करगिल विजय दिवस पर हम अपने वीर सैनिकों के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हैं जिन्होंने भारत के इतिहास में वीरता का एक स्वर्णिम अध्याय अंकित किया।

गया में होम गार्ड में भर्ती होने आई युवती से गैंगरेप

ड्राइवर व टेक्नीशियन ने अस्पताल ले जाते समय एम्बूलेंस में यह दुष्कर्म किया

गया, 26 जुलाई। बिहार के गयाजी में होमगार्ड भर्ती के लिए आई, लड़की (26) के साथ एंबुलेंस में गैंपरेप का मामला सामने आया है। पुलिस ने शनिवार को ड्राइवर और टेक्नीशियन को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात के बाद आरोपियों ने पीड़िता को चुप रहने की धमकी दी थी। घटना 24 जुलाई (गुरुवार) की है। इसका खुलासा शुक्रवार देर रात हुआ। लड़की बीएमपी-3 के मैदान में होमगार्ड भर्ती के लिए पहुंची थी। फिजिकल टैस्ट के दौरान दौड़ते समय बेहोश होकर गिर गई। मौके पर मौजूद एंबुलेंस से उसे अस्पताल भेजा गया।

पुलिस के मुताबिक, चलती एंबुलेंस में पहले टेक्नीशियन ने रेप किया, फिर गाड़ी सुनसान जगह पर रोककर ड्राइवर ने दरिंदगी की। पीड़िता ने अस्पताल पहुंचकर महिला डॉक्टर को पूरी कहानी बताई, जिसके बाद पुलिस ने एक्शन लिया।

पीड़िता ने पुलिस को बताया, फिजिकल टेस्ट के दौरान मैं चक्कर खाकर गिर गई थी। थोड़ी देर मुझे वहीं बैठाया गया। ग्राउंड में मौजूद एंबुलेंस बुलाई गई। एंबुलेंस के ड्राइवर और टेक्नीशियन ने मुझे अंदर बैठाया। भर्ती ग्राउंड से मुख्य मार्ग डोभी-पटना पर एंबुलेंस पहुंची, तो एंबुलेंस स्टाफ ने गाड़ी रोककर मेरा एडमिट कार्ड गले से निकाल लिया।

- **पीड़ित युवती फिज़िकल टेस्ट में दौड़ते समय बेहोश हो गई थी। मौके पर मौजूद एम्बूलेंस में उसे अस्पताल भेजा गया। चलती गाड़ी में तथा सुनसान जगह एम्बूलेंस रोक कर युवती के साथ दुष्कर्म किया गया।**

पीड़िता ने पुलिस को बताया, दोनों आरोपियों ने गेट पर खड़े लोगों से पूछताछ की कि क्या मेरा कोई जानने वाला है, लेकिन जब कोई परिचित नहीं मिला, तो एंबुलेंस अस्पताल के लिए रवाना हो गई। रास्ते में टेक्नीशियन ने इलाज के बहाने गलत हरकत शुरू कर दी। टेक्नीशियन ने मेरे चेहरे पर स्प्रे मारा, जिससे मैं पूरी तरह बेहोश हो गई। मुझे थोड़ी आवाजें सुनाई दे रही थीं। इसी दौरान, चलती एंबुलेंस में टेक्नीशियन ने दुष्कर्म किया।

सिकरिया मोड़ पर दुष्कर्म के बाद दोनों आरोपियों ने पीड़िता को मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में प्राथमिक इलाज के दौरान जब युवती को होश आया, तो उसे महसूस हुआ कि उसके साथ गलत हुआ है।

हजार साल ..

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसे एक व्यापक, राजनैतिक और भारत में इस्लाम के आगमन से पूर्व के गौरव पर आधारित सभ्यतागत दृष्टिकोण के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं।

राजा राजेन्द्र चोल को गंगा से लेकर स्वर्णद्वीप (दक्षिण-पूर्व एशिया के द्वीपों के लिए प्रयुक्त प्राचीन नाम) तक के साहसी अभियानों के लिए जाना जाता है, जिन्होंने चोल-शासन को एक अखिल एशियाई समुद्री साम्राज्य में बदल दिया। 1025 ई. में उन्होंने श्रीविजय साम्राज्य (वर्तमान मलेशिया, इंडोनेशिया और थाईलैंड) के विरुद्ध एक समुद्री अभियान शुरू किया, जो समुद्री प्रभुत्व और प्रतिष्ठा का प्रतीक था।

उन्होंने उत्तरी भारत में भी सफल अभियानों का नेतृत्व किया और गंगा जल लाकर गंगईकोंडा चोलपुरम की स्थापना की थी।

लालू के पुत्र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पीली टोपी पहने नजर आए। इससे पहले वे हरी टोपी पहना करते थे। जब पत्रकारों ने इसको लेकर सवाल पूछा तो उन्होंने बताया कि टीम तेजप्रताप यादव के झंडे में पीला और हरा दोनों रंग हैं।

एयर पोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की तलाशी ली। अब पुलिस प्रशासन और एटीएस धमकी भरा ईमेल भेजने वालों का पता लगाने में जुटे हैं। एयर पोर्ट को बम से उड़ाने का ई-मेल मिलते ही सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्यूरिटी फोर्स (सीआईएसएफ) ने एयरपोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी, सर्च ऑपरेशन के तहत एयरपोर्ट बिल्डिंग, एप्रन एरिया, पार्किंग स्थल और अन्य सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों की गहन तलाशी ली गई, पर किसी भी तरह का विस्फोटक बरामद नहीं हुआ है। एयरपोर्ट पर यात्रियों की आवाजाही जारी है।

मेल में तमिलनाडु सरकार को लेकर आरोप लगाए गए हैं।

हमारे बहादुर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर दिया। मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने का उनका जुनून हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा। जय हिंद!

राहुल ने प्रणीति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में शामिल होने को कहा।

राहुल गांधी नई कांग्रेस बनाने की कोशिश के तहत, ऐसे नए और युवा चेहरों को अहम पदों पर ला रहे हैं, जिनका राजनीतिक अनुभव न के बराबर है। स्क्रीनिंग कमेटी में ऐसे ही कुछ युवा सदस्य हैं, जैसे कि प्रणीति शिंदे, जो पहली बार सांसद बनी हैं और वरिष्ठ नेता सुशील कुमार शिंदे की बेटी हैं।

एक और सदस्य हैं इमरान प्रतापगढ़ी, जो मूल रूप से शायर हैं और गांधी परिवार की तारीफ करने के लिए जाने जाते हैं। ऐसे ही तीसरे सदस्य हैं कुणाल चौधरी, जो मध्य प्रदेश से विधायक हैं और जीतू पटवारी के करीबी माने जाते हैं।

राहुल गांधी नई कांग्रेस बनाने के लिए युवाओं को आगे ला रहे हैं, लेकिन वे शायद यह भूल रहे हैं कि नरेन्द्र मोदी और उनकी टीम से मुकाबला करने के लिए अनुभव भी जरूरी है।

17 सांसदों को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भर्तृहरि महताब, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी, केरल के सांसद एनके प्रेमचंद्रन, एनसीपी शरद की सांसद सुप्रिया सुले, शिवसेना सांसद श्रीरंग अप्पा बार्ने शामिल हैं। संसद रत्न पुरस्कार पाने वाले सांसदों में स्मिता उदय वाघ (भाजपा), नरेश म्हस्के (शिवसेना), वर्षा गायकवाड़ (कांग्रेस), मेधा कुलकर्णी (भाजपा), प्रवीण पटेल (भाजपा), विद्युत बरन महतो (भाजपा) और दिलीप सैकिया (भाजपा) भी शामिल हैं।

क्या हाई कोर्ट के दो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सर्वोच्च न्यायालय ने स्वत: संज्ञान लेते हुए न्यायमूर्ति यादव से स्पष्टीकरण मांगा था और उनके बयान को संवैधानिक आचरण और गरिमा का उल्लंघन बताया था।

कानूनी विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि एक साथ उच्च न्यायालयों के दो सेवारत न्यायाधीशों के खिलाफ कार्रवाई की पहल, एक सत्तारूढ़ दल द्वारा और दूसरी विपक्ष द्वारा, संसद को एक और राजनीतिक एवं प्रक्रिया संबंधी गतिरोध में धकेल सकती है। संसदीय प्रक्रियाओं के जानकार एक वरिष्ठ विधि विशेषज्ञ ने कहा, "अगर न्यायमूर्ति यादव के खिलाफ प्रस्ताव को अस्वीकार किया जाता है और न्यायमूर्ति वर्मा पर कार्रवाई आगे बढ़ती है, तो इससे राजनीतिक पक्षपात की धारणा और मजबूत, तथा सत्ता एवं विपक्ष के बीच की दरार और चौड़ी एवं गहरी हो सकती है।

इन घटनाओं का समय भी बेहद संवेदनशील है, क्योंकि सोमवार से 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा शुरू होने जा रही है, जिसने पहले ही राजनीतिक मतभेदों को तीखा बना दिया है। पिछले सप्ताह सदन में व्याप्त अवरोध से बचने के लिए, मोदी सरकार पर्दे के पीछे संवाद स्थापित करने की कोशिश में जुटी है, जिससे पूरा विधायी काम-काज ठप हो जाने की स्थिति न बने।

इस बीच, भाजपा के अंदर भी न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव को लेकर मतभेद सामने आए हैं। पार्टी नेतृत्व का एक वर्ग इस बात को लेकर चिन्तित बताया जा रहा है कि यह कदम उल्टा भी पड़ सकता है, खासतौर से इसलिये कि विपक्ष बिहार विधानसभा चुनाव से पहले इस मुद्दे को जोर-शोर से उठा रहा है। इंडिया गठबंधन पहले से ही इस मामले को मोदी सरकार की "तानाशाही प्रवृत्ति" और न्यायपालिका की मुखरता को लेकर उसकी "बेचैनी" के प्रमाण के रूप में पेश कर रहा है।

संसद पर नज़र रखने वालों का मानना है कि आने वाला सप्ताह बेहद उथल-पुथल भरा हो सकता है क्योंकि इस बात की संभावना है कि एक साथ दो प्रस्ताव पेश किए जाएं, वॉकआउट हों और तीखी बहसें हों। लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के उपसभापति के लिए यह संतुलन साधने का नाज़ुक समय होगा, क्योंकि संसद के पटल पर एक बार फिर संवैधानिक जवाबदेही और राजनीतिक प्रतिशोध की रेखाएं धुंधली होती जा रही हैं।

बिहार में सरकार ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि वे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ हैं और सामाजिक विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान है।

अपनी पोस्ट में उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार ने पत्रकारों के लिए सुविधाओं का ध्यान रखा है, ताकि वे स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकें और सेवानिवृत्ति के बाद सम्मानजनक जीवन जी सकें।

मतदाता सूची पुनरीक्षण पर सोमवार को सुनवाई होगी सुप्रीम कोर्ट में

नयी दिल्ली, 26 जुलाई। उच्चतम न्यायालय बिहार में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सोमवार को सुनवायी करेगा। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ चुनाव आयोग के जवाब और याचिकाकर्ताओं के जवाबी हलफनामों पर विचार करेगी। अदालत ने कांग्रेस सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं और कुछ स्वयंसेवी संस्थाओं की ओर से दायर याचिकाओं पर 10 जुलाई को आयोग को नोटिस जारी किया था। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति बागची की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने उन याचिकाओं पर कोई अंतरिम स्थगन आदेश जारी न करते हुये चुनाव आयोग को 21 जुलाई या उससे पहले अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। साथ ही, आयोग से कहा था कि वह मतदाताओं की पहचान साबित करने के लिए आधार कार्ड, राशन कार्ड और मतदाता फोटो पहचान पत्र को स्वीकार्य दस्तावेजों के रूप में अनुमति देने पर विचार करे। अदालती आदेश पर चुनाव आयोग ने 21 जुलाई को 88 पन्नों का एक हलफनामा दाखिल किया, जिसमें उसने आधार कार्ड और राशन कार्ड को 11 दस्तावेजों की सूची से बाहर रखने का बचाव करते हुए कहा है कि यह अनुच्छेद 326 के तहत मतदाता की पात्रता की जांच में मदद नहीं करता है।

- **चुनाव आयोग के हलफनामे पर याचिकाकर्ता भी अपना जवाब दाखिल कर चुके हैं।**

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908